गरिमामयी परम्परा के १०७ वर्ष

Facebook आज आगरा
E-Paper ऑन लाइन पढ़ने के लिए वेबसाइड पर क्लिक करें

भाजन

www.ajhindidaily.com

हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय
मध्यप्रदेश-राजस्थान संस्करण

★
नगर संस्करण पृष्ठ १२

मूल्य ₹ ६

आगरा, 10 नवम्बर, 2026, मंगलवार, वर्ष 40 अंक 29 सौर 16 कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रतिपदा सं. 2083 वि.

वाराणसी, गोरखपुर, इलाहाबाद (रीवा संस्करण), कानपुर (झांसी संस्करण), लखनऊ, आगरा, बरेली, पटना, रांची (धनबाद संस्करण) तथा जमशेदपुर से प्रकाशित



राहुल गांधी ने फिर दी पीएम मोदी को बहस की चुनौती

जवान उनके झूठ पर भरोसा नहीं करते

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। प्रधानमंत्री की दिमागी नक्सल संबंधी टिप्पणी पर पलटवार करते हुए राहुल ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं करते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उनसे बहस करें कि देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है। राहुल गांधी ने सीआरपीएफ जवानों को संबोधित करते हुए सामाजिक मंच पर लिखा कि जवानों के चेहरों ने सब बता दिया कि उन्हें प्रधानमंत्री की बातों पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को नक्सली कहा है, लेकिन उनकी बहस की चुनौती अब भी कायम है। राहुल ने दावा किया कि बहस के बाद प्रधानमंत्री किसी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं कर पाएंगे। राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री मोदी के बस्तर दौरे के एक दिन बाद आई है। प्रधानमंत्री ने रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर स्थित सीआरपीएफ शिविर में जवानों के साथ दीपावली मनाई थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि हथियारबंद माओवादी खत्म किए जा चुके हैं, लेकिन दिमागी नक्सलियों ने कई



राजनीतिक दलों और संगठनों में घुसपैठ कर ली है। ऐसे तत्व लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़काते हैं। उन्होंने इनकी पहचान कर हराने की जरूरत बताई थी। प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने उन पर निशाना साधा था। पार्टी ने कहा था कि प्रधानमंत्री परेशान और हताश हैं। वहीं, भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी की बहस की चुनौती पर सवाल उठाए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि संसद में बहस के लिए पहले से ही मंच मौजूद है। उन्होंने राहुल गांधी से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में गंभीरता और जिम्मेदारी दिखाने को कहा था। इससे पहले अगस्त में स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में भी प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सल का उल्लेख किया था। विपक्षी दलों ने तब आरोप लगाया था कि इस तरह के शब्दों के जरिए लोकतांत्रिक असहमति को गलत

आगरा एक्सप्रेसवे पर 40 फीट गहरी खंती में पलटी बस, तीन यात्रियों की मौत, 40 घायल

लखनऊ। राजधानी के पारा क्षेत्र में आगरा एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट के पास सोमवार सुबह तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर करीब 40 फीट गहरी खंती में पलट गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में छोटे बच्चे भी शामिल हैं। बस राजस्थान के भिवाड़ी से बिहार के छपरा जा रही थी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब 40 मिनट तक चले राहत एवं बचाव अभियान के बाद बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। घायलों को एंबुलेंस से लोकबंधु अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। पारा थाना प्रभारी सुरेश सिंह के अनुसार, जीरो प्वाइंट के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर खंती में पलट गई। शुरूआती जांच में पिछला टायर फटने से हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और बचाव दल ने सभी यात्रियों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डीसीपी पश्चिम जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बस में 52 यात्री सवार थे। इनमें से 29 घायलों को लोकबंधु अस्पताल और 13 को मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर भेजा गया।

मुजफ्फरनगर में भीषण सड़क हादसा

अनियंत्रित कार हाईवे पर पोल से टकराई, छह लोग जिंदा जले



मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जागाहेड़ी के निकट एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार सड़क किनारे लगे लाइट पोल से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में भीषण आग लग गई। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह एक कार पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रही थी। इसी दौरान जागाहेड़ी के निकट अचानक कार अनियंत्रित हो गई और हाईवे पर लगे लाइट पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। कार में सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका और सभी छह लोग आग में जिंदा जल गए। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए कार में मौजूद सभी छह लोगों के शवों को बाहर निकलवाया। इसके बाद शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग हरियाणा के जींद जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है, जिसकी उम्र लगभग 10 से 12 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है और उनके परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया भी की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में कार चालक के अलावा 10 से 12 वर्ष की उम्र का एक बच्चा भी शामिल बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कार अनियंत्रित कैसे हुई और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। इस दर्दनाक हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। एक ही कार में सवार छह लोगों की मौत से हर कोई स्तब्ध है।

दिवाली की रात 12 घंटे के अंदर 41 की मौत

कहीं भीषण सड़क हादसा हुआ तो कहीं घर में जिंदा जले लोग

सिवनी। देशभर में दीपावली का त्योहार उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया, लेकिन खुशियों के इस पर्व के दौरान आग लगने और सड़क दुर्घटनाओं की कई घटनाओं ने मातम पसार दिया। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और झारखंड में हुए हादसों में 12 घंटे के भीतर 41 लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। मध्य प्रदेश के कटनी जिले के बरही में तीन मंजिला मकान में आग लगने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो माह का मासूम भी शामिल है। वहीं, सिवनी जिले के छपारा कस्बे में सराफा कारोबारी कुंदन सोनी के घर सोमवार तड़के आग लग गई। हादसे में कुंदन लाल सोनी (75), राजकुमारी सोनी (65) समेत परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। घर में मौजूद चार अन्य लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। दिल्ली के नरेला में आतिशबाजी के दौरान अनार हाथ में फटने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। उधर, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में पानीपत-खटीमा राजमार्ग पर कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई और उसमें आग लग गई। हादसे में कार सवार छह लोग जिंदा जल गए। सभी हरियाणा के रहने वाले बताए गए हैं। चित्रकूट में दीपावली मेले से लौट रही ट्रैक्टर-ट्रॉली का हुक खुलने से ट्रॉली खाई में पलट गई। हादसे में चार लोगों की मौत और 12 लोग घायल हो गए। छत्तीसगढ़ के अभनपुर क्षेत्र में राजिम के टीला एनीकट के पास कार नदी में गिर गई।

कर्नाटक के बाद केरल में भी पेट्रोल की जांच शुरू, 20% से अधिक इथेनॉल मिलावट की आशंका

तिरुवनंतपुरम। कर्नाटक में पेट्रोल में 31.2 प्रतिशत तक इथेनॉल मिलने के खुलासे के बाद केरल सरकार भी सतर्क हो गई है। राज्य में निर्धारित 20 प्रतिशत की सीमा से अधिक इथेनॉल मिलाए जाने की आशंका पर सोमवार से पेट्रोल पंपों की औचक जांच शुरू कर दी गई है। इसके तहत चार जिलों से ईंधन के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजे गए हैं। केरल के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री अनूप जैकब ने तिरुवनंतपुरम, एर्नाकुलम, कोझिकोड और कन्नूर में जांच के आदेश दिए हैं। पेट्रोल के नमूने तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सील किए गए हैं। इन्हें सरकारी और राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में भेजा गया है।

अयोध्या में संवैधानिक आस्था मजबूत करने के लिए चली थीं गोलियां : सनातन पांडे

बलिया। अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलने की घटना को लेकर सपा सांसद सनातन पांडे ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि उन्होंने गोली चलवाई थी। उनका कहना था कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की संविधान में आस्था थी और उसी संवैधानिक आस्था को मजबूत करने के लिए अयोध्या में गोलियां चली थीं। उन्होंने कहा कि वह इस घटना को स्वीकार करते हैं। इस बयान पर भाजपा को आपत्ति क्यों हो रही है? सपा सांसद ने कहा कि हर भारतीय के लिए संविधान सर्वोपरि है। संविधान की शपथ लेकर संवैधानिक दायरे में ही काम किया जाता है। उनके मुताबिक, मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के लोग विवादित ढांचे पर चढ़ने और तोड़फोड़ करने की कोशिश कर रहे थे। पांडे ने कहा कि उस समय अयोध्या का विवाद अदालत के अधीन था। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी थी कि कोई भी असंवैधानिक गतिविधि न हो और न्यायालय के आदेशों का पालन किया जाए।

फेसबुक पर दोस्ती कर कारोबारी को हनीट्रैप में फंसाया, लाखों की ठगी

कानपुर। साइबर ठगों ने फेसबुक पर दोस्ती कर एक हर्बल चाय कारोबारी को कथित तौर पर हनीट्रैप में फंसाया और फिर क्रिप्टो कारोबार में मोटे मुनाफे का लालच देकर 43.73 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने निवेश की रकम और मुनाफा निकालने के लिए आयकर व अन्य शुल्क के नाम पर 27.79 लाख रुपये और मांगे। ठगी का अहसास होने पर कारोबारी ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महाराजपुर थाना क्षेत्र के शेखपुर निवासी शिवराज निषाद हर्बल चाय का कारोबार करते हैं। उनके मुताबिक, 14 जुलाई को फेसबुक पर उनकी दोस्ती संध्या अरोड़ा नाम की युवती से हुई। बातचीत बढ़ने पर युवती ने उनके कारोबार के बारे में जानकारी ली और व्हाट्सएप नंबर लेकर बातचीत शुरू कर दी। आरोप है कि 27 जुलाई को युवती ने उन्हें क्रिप्टो कारोबार से जुड़े एक समूह में जोड़ दिया। इसमें मलेशिया और भारत के छह मोबाइल नंबर जुड़े थे। ठगों ने भरोसा जीतने के लिए शुरूआत में 10 हजार रुपये निवेश कराए और खाते में 2,668 रुपये

पंजाब : दिवाली पर पराली जलाने का रिकॉर्ड उछाल

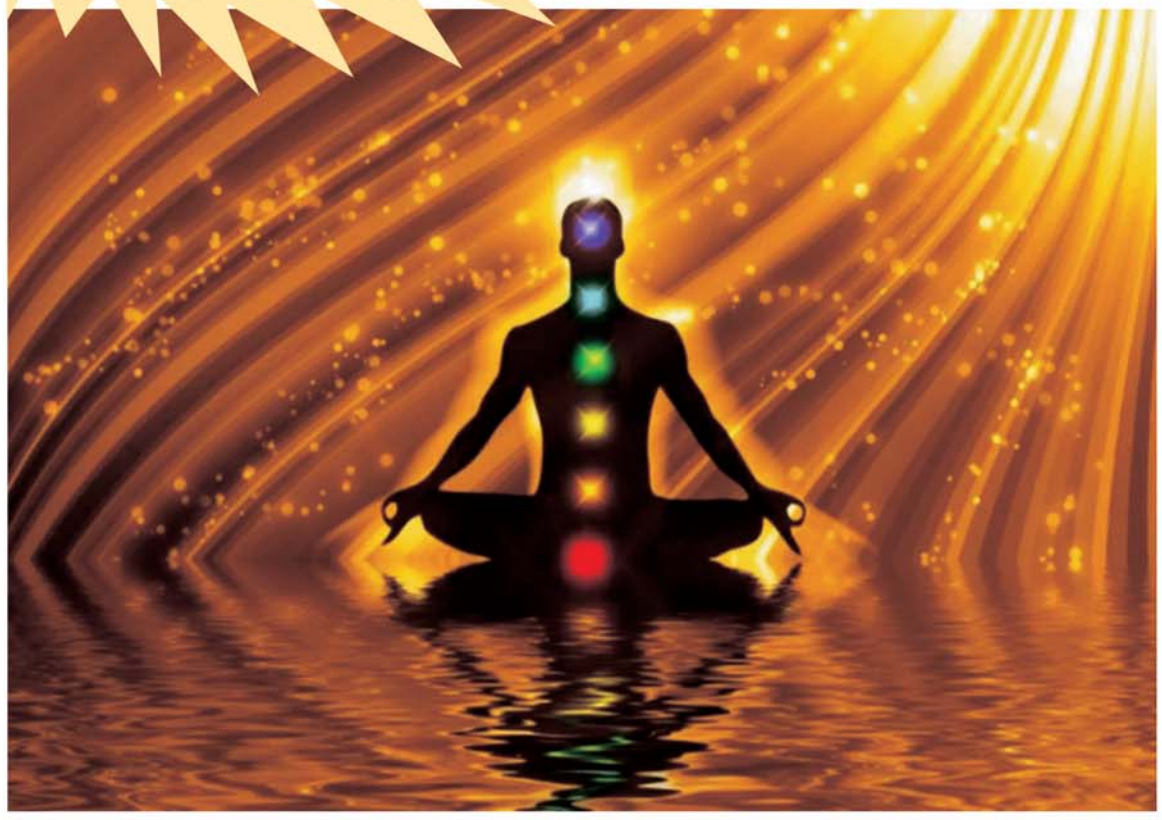
एक ही दिन में 1152 खेतों में लगी आग; कुल आंकड़ा 4459 पहुंचा

चंडीगढ़। पंजाब में इस दिवाली धान की पराली जलाने की घटनाओं में इस सीजन की सबसे तेज एक दिवसीय वृद्धि दर्ज की गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिवाली पर 1,152 नई कृषि आग की घटनाएं सामने आईं। इससे राज्य में कुल घटनाओं की संख्या 7 नवंबर को 3,307 से बढ़कर 4,459 हो गई। पिछले साल दिवाली 20 अक्तूबर को पड़ी थी, उस दिन केवल 45 कृषि आग दर्ज की गई थीं। यह इस साल की 1,152 घटनाओं से काफी कम है। पिछले साल 20 अक्तूबर तक पंजाब में कुल बोए गए धान का केवल 32 फीसदी ही काटा गया था। वहीं, इस साल 8 नवंबर तक करीब 92 फीसदी धान की कटाई हो चुकी थी। कटाई में यह बड़ा अंतर पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि का एक कारण हो सकता है। पिछले साल 30 नवंबर तक पंजाब में कुल 5,114 कृषि आग की घटनाएं दर्ज की गई थीं। पिछले साल 8 नवंबर को राज्य में कुल कृषि आग की संख्या 3,622 थी। इस वर्ष दिवाली पर हुई तेज वृद्धि पिछले साल के आंकड़ों से चिंताजनक रूप से अधिक है। पिछले साल दिवाली पर दर्ज 45 घटनाओं की तुलना में इस साल 1,152 नई घटनाएं हुईं। यह वृद्धि पराली जलाने की गंभीर समस्या को उजागर करती है। पिछले साल 20 अक्तूबर तक केवल 32 फीसदी धान की कटाई हुई थी। इस साल 8 नवंबर तक करीब 92 फीसदी धान काटा जा चुका था। कटाई में तेजी के कारण इस बार दिवाली पर अधिक पराली जलाई गई। 7 नवंबर तक राज्य में कुल 4,459 कृषि आग दर्ज की गईं। पिछले साल 8 नवंबर तक यह आंकड़ा 3,622 था।









यूं बनायें शरीर से मन की दूरी

अगर आप अपने अभ्यास पर टिके रहेंगे तो यह आपके शरीर और आपके बीच थोड़ी दूरी बना देगा। इसी तरह आपके मन और आपके बीच भी थोड़ा फासला बन जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कई बार ऐसा होता है कि लोगों के ब्लैडर भरे होते हैं, तकलीफ हो रही होती है, बाथरूम भी पास ही होता है, फिर भी लोग आराम से बैठे रह पाते हैं। अगर ये लोग अपनी साधना नहीं कर रहे होते, तो सवाल ही नहीं उठता कि वे लोग इस तरह वहां बैठ पाते। वे लोग वहां से भाग खड़े होते। लेकिन अब उनमें और उनके शरीर में, उनमें और उनके मन में थोड़ी दूरी आ गई है। वह समझ पा रहे हैं कि वे खुद क्या हैं और उनका शरीर व मन क्या है? .....

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

अध्यात्मिक गुरू



इनर इंजीनियरिंग कार्यक्रम के दौरान हम लोग आपको जो अभ्यास सिखाते हैं, वह आपको इन चीजों से दूरी बनाना सिखाता है। अगर आप अपने अभ्यास पर टिके रहेंगे तो यह आपके शरीर और आपके बीच थोड़ी दूरी बना देगा। इसी तरह आपके मन और आपके बीच भी थोड़ा फासला बन जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कई बार ऐसा होता है कि लोगों के ब्लैडर भरे होते हैं, तकलीफ हो रही होती है, बाथरूम भी पास ही होता है, फिर भी लोग आराम से बैठे रह पाते हैं। अगर ये लोग अपनी साधना नहीं कर रहे होते, तो सवाल ही नहीं उठता कि वे लोग इस तरह वहां बैठ पाते। वे लोग वहां से भाग खड़े होते। लेकिन अब उनमें और उनके शरीर में, उनमें और उनके मन में थोड़ी दूरी आ गई है। वह समझ पा रहे हैं कि वे खुद क्या हैं और उनका शरीर व मन क्या है? हो सकता है कि आप सचेतन रूप से यह चीज महसूस न कर पाते हों, लेकिन ज़रा गौर कीजिए कि जीवन के कितने पहलुओं में आप व आपके शरीर के बीच, और आप व आपके मन के बीच एक खास तरह का फासला है।

खुद पर मेहनत करने के फायदे

हो सकता है कि आप उतने सचेत न हों कि उस फासले को महसूस कर पाएं, लेकिन गौर से देखेंगे तो पाएंगे कि ऐसा हो रहा है। अब आपके तन व मन की छोटी-छोटी चिंताएं आपसे दूर होंगी। इसी चीज की आज जरूरत है। एक दिन आप महसूस करेंगे कि आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीज, जिसे लेकर आपको लगता था कि आप उनके बिना जी ही नहीं पाएंगे, अचानक अब वह आपके लिए उतनी मायने ही नहीं रखती। लेकिन साथ ही आपके अंदर उसके प्रति कोई दुर्भावना भी नहीं होगी। आप हर चीज पहले से भी बेहतर तरीके से करेंगे, लेकिन अगर कुछ घटित होता है, तो अब आपको इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। ऐसा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि आपने किसी दूसरे के साथ कुछ करने की कोशिश की, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि आपने अपने ऊपर काम करने की कोशिश की। कोई अपना परिवार छोड़ना चाहता है, तो कोई अपने पति या पत्नी को छोड़ना चाहता है। आप अपने पति या पत्नी को छोड़कर आजाद होना चाहते हैं, लेकिन आप आजाद नहीं होंगे। अगर आप ऐसा करना चाहते हैं, तो योग एक अच्छा बहाना होगा। महत्वपूर्ण चीज है कि आप अपना ही शरीर और मन छोड़ना चाहते हैं। दूसरे शरीर से आपको इसलिए आसक्ति है, क्योंकि आपको अपने शरीर से आसक्ति है। चूंकि आप इस शरीर से आसक्त हैं, इसलिए आप किसी दूसरे से भी आसक्त हैं। अगर इस शरीर में आपकी आसक्ति नहीं है, तो फिर किसी और के साथ आसक्ति का सवाल ही कहां पैदा होता है?

ज्ञान योग के लिए बहुत मेहनत की जरूरत होगी इस स्थिति पर बौद्धिक रूप से भी पहुंचा जा सकता है। अगर आप बस अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करें और खुद को अपने तन व मन से दूर कर लें तो इसे ही 'ज्ञान योग' कहा गया है। इसके लिए आपको अपने मन पर काम करना होगा। आपको इसे इस तरीके से धारदार बनाना होगा कि यह सबसे तेज धारदार रेजर बन जाए, जिससे आप हर चीज को काटकर गुजर सकते हैं। इसके लिए बहुत सारी मेहनत की जरूरत होती है। यही वजह है कि हम दूसरे तरीकों का भी सहारा ले रहे हैं, क्योंकि अधिकांश लोगों के पास उस तरह की बुद्धि नहीं होती। कुछ दुर्लभ या गिने-चुने लोगों के पास ही इस तरह की बौद्धिक क्षमता होती है कि वे अपनी बुद्धि का इस्तेमाल कर खुद को मुक्त कर सकें।

अज्ञानता में की गयी गलती के पश्चाताप उबरें

कई बार ऐसा होता है कि हम उन गलतियों के लिए गिल्ट महसूस करने लगते हैं, जो गलती हमने जानबूझकर नहीं की होती है या जिन गलतियों का कोई मतलब भी नहीं होता है। लेकिन उन गलतियों का रिजल्ट कुछ ऐसा आता है कि हम गिल्ट महसूस करने लगते हैं, खुद को कसूरवार ठहराने लगते है। तो, क्या ऐसी गलतियों के लिए गिल्ट महसूस करना सही है? साथ में ये भी जानेंगे कि इस तरह के गिल्ट से खुद को कैसे उबारा जा सकता है?

गिल्ट एक ऐसा भाव है, जो इंसान को सुकून से जीने नहीं देता।

गिल्ट (अपराधबोध) की भावना अक्सर अज्ञानता में की गई गलतियों के कारण ही आती है। गिल्ट एक ऐसा भाव है, जो इंसान को सुकून से जीने नहीं देता। लोग उस गिल्ट के बोझ के तले दबकर अपनी मानसिक शान्ति तक खो बैठते हैं। गलती, अनजाने में हुई रहती है, तो न तो आप उसे सुधार सकते हैं और न ही उसके लिए कुछ कर सकते हैं। ऐसे में लोग बस खुद को दोष देते रहते हैं कि काश उन्होंने ये बेवकूफी की ही नहीं होती।

अगर आप भी ऐसा महसूस करते हैं, तो यहां कुछ तरीके हैं जो आपको गिल्ट से उबारने में मदद कर सकते हैं-

गिल्ट की भावना को लम्बे समय तक नहीं खींचे-

अपराध बोध को आपको लंबे समय तक नहीं खींचना चाहिए। जब ज्ज्अपराध बोध तर्कहीन होता है, तो यह शर्म की ओर ले जा सकता है। सहानुभूति और आत्म-सुधार को बढ़ाने के बजाय, इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। यह आक्रामकता और अवसाद को भी बढ़ावा देता है। इसलिए, गिल्ट की भावना को बहुत अधिक ना खींचे।

स्वीकृति और माफी

आप जब तक ये सोचते रहेंगे कि आप खुद को ये गलती करने से रोक सकते थे, तब तक आप अपनी गलतियों को माफ नहीं कर सकेंगे। इसलिए, आत्म-क्षमा के लिए सर्वशक्तिमान होने का भ्रम त्यागना आवश्यक है, यानि अपनी गलतियों को स्वीकारें और उनके लिए माफी मांगें। ये सोचना बंद करें कि आपसे ये गलती कैसे हो गयी या आप इस तरह की बेवकूफी कैसे कर सकते हैं। स्वीकृति और माफी की भावना आपके अंदर की बोझ को कम कर सकता है।

सेल्फ-अवेयरनेस

अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों के प्रति जागरूकता आवश्यक है। आप जितना बेहतर खुद को जानेंगे, आप समझ पाएंगे कि आपमें किसी को नुकसान पहुंचाने वाली सोच थी या नहीं। जैसे ही पता चल जाएगा कि जो आपने किया है, वैसी आपकी सोच या भावना नहीं है, या आपने उस मंशा से नहीं किया है, तो आपका गिल्ट खुद-ब-खुद कम हो जाएगा।

सकारात्मक दिशा में सोचें

गिल्ट की भावना से बाहर निकलने के लिए सकारात्मक दिशा में सोचें। इस बात को स्वीकार करें कि गलतियाँ हर किसी के साथ होती हैं और हम सभी मानव हैं और हम सभी गलतियों से गुजरते हैं। गिल्ट को समझने और उससे उबारने के लिए आपकी खुद के लिए संवेदना और सकारात्मक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है।

दूसरों के नजरियें से खुद को ना देखें -

कई बार हम खुद को ज्यादा दोषी इसलिए समझने लगते हैं क्योंकि दूसरे अपने सोच के आधार पर उसका मूल्यांकन करने लगते हैं और कुछ सामने वालों को हमेशा दूसरों को स्वार्थी साबित करने की जल्दबाजी रहती है। ऐसे में खुद का मूल्यांकन बेहद जरूरी है। कभी भी खुद को दूसरों की नजरों से देखकर प्रताड़ित ना करें। यदि आपमें विचारों और आत्मविश्वास की कमी रहेगी, तो आप किसी और के तर्कहीन विचारों, भावनाओं और कार्यों के लिए खुद को आसानी से दोषी बना लेंगे। इसलिए, खुद के साथ ऐसा ना होने दें।

चंदा कुमारी



सुख-साधनों के स्वामी बनें, ना कि गुलाम

हमें अपने दैहिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुंदरता पर ध्यान रखने के साथ-साथ अपने मन, बुद्धि, भावना और विचारों को स्वस्थ, शुद्ध, सुंदर और सकारात्मक बनाने की जरूरत है। उसके लिए हमें अपने अंदर निरंतर चल रहे संकल्प और भावनाओं का निरीक्षण कर उनमें परिवर्तन करने की जरूरत है। इससे हम वातावरण में बढ़ रही नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर सकते हैं। इससे हम सबके प्रति शुभ भावना व शुभकामना रूपी सकारात्मक शक्तियों की मात्रा को स्वयं में और दुनिया के हर स्तर पर बढ़ा सकते हैं।

देखा जाए तो ज्यादातर लोग आज भौतिक चकाचौंध से दूर रहना चाहते हैं, किसी गहरी शांति या मानसिक सुकून की तलाश में हैं। यह तलाश आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न व्यक्ति और वातावरण के सान्निध्य में आने से ही पूरी हो सकती है। जीवन और संसार में अगर सकारात्मक वाइब्रेशन और उसकी मात्रा को ऊंचा उठाना हो, तो हर व्यक्ति के मन में सचाई और सफाई होनी चाहिए। यह तब संभव हो सकता है जब हम व्यक्तिगत व सामूहिक स्तर पर आध्यात्मिक ज्ञान, नैतिक मूल्य और ईश्वरीय योग के नियमित अभ्यासी और अनुभवी बनेंगे।

असल में हम कुछ बुनियादी बातों को नजरअंदाज कर चुके हैं। जैसे- हर मानव मूल रूप में एक अविनाशी व ज्योति स्वरूप चेतन शक्ति आत्मा है। वह शांति, सुख, प्रेम, पवित्रता आदि सकारात्मक गुण और शक्तियों से संपन्न है। मूल आत्मिक स्वरूप में हम सब भाई-भाई हैं। एक ही रूहानी पिता परमात्मा की दिव्य संतानें हैं। इन महीन ज्ञान को हम भूल चुके हैं। भौतिकता के आवरण ने हमें भाईचारे, विश्व बंधुत्व व वसुधैव कुटुंबकम् आदि सद्भावनाओं से दूर कर रखा है। केवल सत्संग और आध्यात्मिक संगति के समय ही विश्व शांति, सद्भावना, मानवीय एकता व भाईचारे की बातें हमें याद आती हैं।

हमारे रूहानी पिता परमात्मा निस्वार्थ प्रेम के सागर हैं। वह आध्यात्मिक ज्ञान, गुण और शक्तियों के शाश्वत स्रोत हैं। सरल व पवित्र मन बुद्धि से उनके सानिध्य में बैठकर आत्मिक ऊर्जा को अनुभव करना जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि है। खासकर वर्तमान परिवेश में खुशहाल जीवन के लिए मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखना जरूरी है। तमाम उलझनों के बावजूद यही चाहत हमारे अंदर सद् विचार के बीज बोती है। इसे कायम रखने के लिए आवश्यक है कि हम नियमित परमात्म स्मृति और ज्ञान चिंतन में रहकर सकारात्मक गुणों को धारण करें, सहज राजयोग का अभ्यास करें। ऐसे ही कंटेंट को सोशल मीडिया से लेना और सबको फॉरवर्ड करना है। इससे समाज को सकारात्मक दिशा और दशा मिलेगी। इससे ही घर, परिवार और संसार का वातावरण खुशहाल होगा।

इसके लिए दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें। रात को सोने से पहले कुछ देर आध्यात्मिक तरीके से योग, ध्यान और सकारात्मक चिंतन करें। साधनों का मालिक बनें, न कि गुलाम। रूहानी ज्ञान व परमात्म योग की साधना द्वारा अपनी भावना, सोच, विचार व कर्म व्यवहार को संयमित, नियमित, मर्यादित, श्रेष्ठ, शालीन और सुखदायी बनाएं। यही सच्ची साधना है जो हमें साधन, संसाधन और कर्मेंद्रियों का मालिक बनाती है। जो इनका सही उपयोग सीखता है, वही जीवन को स्वस्थ, सुखी और समृद्ध बनाता है।

ब्रह्म कुमारी शिवानी



कहाँ करें भगवान की तलाश

मानव सभ्यता दो चीजों पर आधारित है और वो है जीव विज्ञान और जीवन दर्शन। वैज्ञानिक दृष्टि से एक इंसान में पांच तत्व शामिल हैं - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश और आत्मा। पहले पांच तत्व से शरीर बना है जबकि छठा किसी भी व्यक्ति के चेतना को दर्शाता है। शारीरिक स्वास्थ्य के लिए, मानव शरीर अपने तत्वों की पूर्ति शरीर से बाहर मुख्यधारा में काम कर रहे समकक्ष पांच उपलब्ध तत्वों से कर लेता है।

वस्तुगत सच्चाई- जब भी पांच तत्वों में से किसी का भी संपर्क बाहर के अपने संबंधित मुख्यधारा के साथ टूट जाता है तो इसकी कमी किसी तरह की बीमारी या शरीर में अशांति का कारण बनती है. हालांकि एक तत्व की कमी को किसी भी अन्य तत्व से पूरा नहीं किया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर पानी की जरूरत को पृथ्वी, आग, हवा या आकाश से पूरा नहीं किया जा सकता है और इसी तरह हवा की कमी को जल, पृथ्वी या आग से नहीं भरा जा सकता है. इसी तरह मानव शरीर के चारों ओर मौजूद चेतना (आत्मा) की मुख्यधारा के हरेक इकाई में भगवान सर्वव्याप्त हैं। आध्यात्मिक स्वास्थ्य, चेतना की हर इकाई और आत्मा के लिए हमेशा भगवान का साथ होना जरूरी है। जब यह संपर्क लगातार नहीं बनाए रखा जाता है तो इससे दिमाग में अवसाद या अशांति होती है। मानव जीवन की पूर्ति के लिए जीवन के उद्देश्य को हकीकत में बदलना बेहद जरूरी होता है।

अबतक मनुष्य की सर्वोच्च उपलब्धि वास्तविक सच का ज्ञान, ब्रह्म ज्ञान या भगवान के रहस्यों को जानना है और इस प्रकार यह मानव मूल्यों का आधार कहे जाने वाले दर्शन का भी उचित मापदंड है। भगवान के कई नाम हो सकते हैं पर कई जमाने से यह वैसा ही रहा है. यहां तक कि सभी ज्ञात शास्त्रों में भगवान के ज्ञान का खुलासा करने की विधि भी का उल्लेख भी एक जैसा ही है। भगवान के रहस्यों को जानना उनके ज्ञाता या सच्चे गुरु के माध्यम से ही संभव है। भगवान को जानना एक वरदान है क्योंकि यह स्वंय का ज्ञान भी वहन करती है। वास्तविक ज्ञान के अभाव में भगवान हरेक व्यक्तियों के लिए अलग और विभिन्न अवसरों पर समान व्यक्तियों के लिए यह अलग है। संस्कार और अनुष्ठान के जाल में फंसकर धर्म ने अपने आकर्षण को खो दिया है। एकजुट करने के बजाय यह अपने आप में एक बड़ा विभाजन बल बन गया है। सांप्रदायिक विभाजन और भौतिकवादी दृष्टिकोण ने मानव मूल्यों पर कहर ढ़ाया है और समाज के उस बिंदु को कमजोर कर दिया है जहां स्वार्थ जीवन के हर चाल में स्थायी हो गया है। मानवता से उपर उठने की कोशिश में आदमी मानवता के रूपों में बंट गया है। अगर इंसान भगवान के प्रति विश्वास खो देता है तो वह अपने लिए भी विश्वास खो देता है। हिप्पो के गस्टीन लिखते हैं कि हमारी आत्मा तब तक बैचैन है जब तक वह तुम्हारे या मेरे भगवान में बाकी है।

अति प्राचीन सत्य- धर्मशास्त्रों के अनुसार संत निरंकारी मिशन सदियों पुरानी इस सोच का समर्थन करता है कि भगवान को पाना मनुष्य का प्रथम उद्देश्य है, जो दुनिया में सौहार्द्र और मानवता के भाईचारे का भी पोषक है। यह भगवान और मनुष्य के बीच एक पवित्र संवाद स्थापित कर मानव समुदायों में आपस में सामंजस्य बनाता है।

सी एल गुलाटी



अच्छे स्वास्थ्य के लिए बादाम जरूरी

आगरा। डायबिटीज से पीड़ित लगभग हर दो में से एक व्यक्ति को अपनी स्थिति के बारे में जानकारी नहीं है और उनका निदान नहीं हो पाता है। ऐसे में 14 नवंबर को मनाया जाने वाला विश्व डायबिटीज दिवस एक बार फिर समय रहते कदम उठाने के महत्व पर ध्यान केंद्रित करता है। इस वर्ष की थीम, डायबिटीज पर समय रहते कदम उठाना, डायबिटीज की जल्द पहचान करने और इसके जोखिम को कम करने पर जोर देती है, इसीलिए, रोजमर्रा के खानपान से जुड़े विकल्प इस दिशा में शुरूआत करने का एक व्यावहारिक तरीका हैं और कैलिफोर्निया बादाम जैसे नट्स को भी इस दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है। बादाम का अनूठा पोषक तत्व प्रोफाइल, जिसमें प्रोटीन और फाइबर शामिल हैं।

सितारों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ मनाया जश्न

आगरा। सोनी सब का पुष्पा इम्पॉसिबल दर्शकों को पुष्पा करुणा पांडे, के सफर से रूबरू कराता है, जहाँ वह पारिवारिक जीवन, रिश्तों और अप्रत्याशित चुनौतियों के उतार-चढ़ाव का सामना करती हैं। सभी को यह पता चलने के बाद कि टाइगर मुकुल हरीश, पुष्पा का जैविक बेटा है, चिराग नितिन बाबू और टाइगर के बीच तनाव और बढ़ गया है, हालाँकि, पुष्पा की जिंदगी में चल रही तमाम परेशानियों के बीच ऑफस्क्रीन कलाकारों ने सेट पर एक साथ मिलकर दिवाली का जश्न मनाया और पारंपरिक परिधानों, स्वादिष्ट व्यंजनों तथा ढेर सारी मस्ती के साथ इस अवसर को खास बना दिया। कलाकारों के लिए यह जश्न एक सुखद विराम और साथ मिलकर समय बिताने का बेहतरीन मौका था। करुणा पांडे, मुकुल हरीश और मुस्कान बामने ने साथ मिलकर दिवाली मनाने के अपने सबसे पसंदीदा पलों को साझा किया।

विज्ञान से जोड़ें धर्म को

मुकुल शर्मा इस बात पर हैरान होते हैं कि किस तरह कोई चाँद पर मौजूद होकर भी अर्द्धचन्द्राकार को ढूंढता है। हो सकता है कि विज्ञान धर्म के साथ तुलनीय न हो, लेकिन इसके पास इसके साथ जुड़ने का एक रास्ता है। अंतरिक्ष खोज को लें। 1968 में क्रिसमिस की पूर्वसंध्या पर, अपोलो 8 के क्रू ने चांद का चक्कर लगाते हुए सोचा कि बाइबल 'उत्पत्ति की पुस्तक' को पढ़ा जाना चाहिए। उस समय वह सबसे ज्यादा देखे जाने वाला टीवी प्रसारण था।

फिर भी घर लौटने वाले सारे लोग खुश नहीं थे। पहले नास्तिक ने अमेरिकी सरकार पर 'फर्स्ट एमेंडमेंट' का उल्लंघन करने पर मुकदमा किया। यह कानून चर्च और राज्य को अलग करता है। अधिकार क्षेत्र की कमी के कारण सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले को खारिज कर दिया लेकिन अपोलो 11 मिशन के छह महीने बाद, जब बज ऑल्ड्रिन को चंद्रमा की सतह पर उतरने के फौरन बाद संचार प्राप्त हुआ, तो नासा ने हस्तक्षेप किया। परिणामस्वरूप, ऑल्ड्रिन ने केवल गैर-धार्मिक शब्द बोलें जिन्हें लोग सुन सकते थे, और फिर ऑफ-ऐयर होने पर वास्तविक ग्रंथ पढ़ा।

यह घटना अपेक्षाकृत छोटी लगती है लेकिन बाह्य अंतरिक्ष में किसी के द्वारा धर्म के अभ्यास की समस्याओं ने अन्य अधिक दुर्जेय बाधाओं को जन्म दिया है। उदाहरण के लिए, जब 2003 दिन में यहूदी अंतरिक्ष यात्री ईआन रामोन अंतरिक्ष में उड़े तो कोशर खाने को शामिल करना बड़ी बात नहीं थी, लेकिन जब सब्बाथ के अवलोकन की बात आई, तो उन्हें गंभीर वैज्ञानिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। ऐसा इसलिए क्योंकि आमतौर पर व्यक्ति रविवार के लिए सात सूर्यास्तों का इंतजार करता है, जबकि शटल सवार के लिए हर 90 मिनट में ऐसा होता है। आख़िर में, उस अंतरिक्ष यात्री ने 'जमीनी नियमों' का पालन किया और पृथ्वी संबंधी सब्बाथ विकास का अवलोकन किया।

मामला तब और अधिक गंभीर हो गया जब मलेशियाई अंतरिक्ष यात्री शेख मुसजाफर शुकोर रमजान के महीने के दौरान एक रूसी सोयज़ अंतरित्रयान में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की नौ दिन की यात्रा की तैयारी कर रहे थे। मुसलमान होने के नाते, वह कैसे रोजे रखते या एक दिन में पांच बार नमाज पढ़ते, जबकि एक दिन 24 घंटे का होता ही नहीं। इससे बड़ी बात, उनके प्रति घंटा 27,700 किमी सफर करने के साथ मक्का की स्थिति बार बार बदलने की सूरत में वह मक्का की तरफ चेहरा कैसे करते?

इस समस्या के समाधान के लिए मलेशियाई सरकार ने 150 इस्लामिक विद्वानों और वैज्ञानिकों की एक गोष्ठी बुलाई, जो कि अंतरिक्ष में अराधना करने के लिए 12 पेज की एक बुकलेट बनाने के लिए थी। इस बुकलेट में, रोज की पांच वक्त की नमाज को उस जगह के टाइम जोन के हिसाब से बांटा गया जहां वह उतरने वाले थे, रोजे धरती पर वापस आकर रखे जा सकते हैं। और जहां तक कि मक्का की बात है, उसे प्राथमिकता दी जाए। नमाजी (1) काबा, (2) काबा के चित्र प्रदर्शन, (3) धरती, (4) कहीं भी चेहरा कर सकता है।

बहुत सी समस्याएं धरती पर यात्रा के दौरान भी सामने आती हैं,



आतिशवाजी से आगरा में सांस लेना मुश्किल हुआ, हवा में घुला जहर



आगरा। त्योहारों की रौनक के बीच आगरा की आबोहवा लोगों की सेहत के लिए खतरे की घंटी बजा रही है। दीपोत्सव की आतिशबाजी शुरू होने से पहले ही शहर की हवा प्रदूषण से बोझिल हो चुकी है। वाहनों का धुआं, सड़कों पर जाम, निर्माण कार्यों की धूल और खुले में उड़ती मिट्टी ने वातावरण को खराब कर दिया है। शनिवार को शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 188 दर्ज किया गया, जबकि संजय प्लेस में यह बढ़कर 279 तक पहुंच गया। ऐसे में दीपावली की रात बड़े पैमाने पर होने वाली आतिशबाजी प्रदूषण की स्थिति को और गंभीर बना सकती है। इसका सीधा असर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से परेशान लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने की आशंका है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की प्रयोगशाला के आंकड़े शहर के अलग-अलग इलाकों में प्रदूषण की गंभीरता बयां कर रहे हैं। संजय प्लेस का 279 एक्यूआई रहा, जो शहर के औसत से काफी अधिक है। मनोहरपुर में 193, शाहजहां गार्डन में 177, रोहता में 176, आवास विकास कॉलोनी में 175 और शास्त्रीपुरम में 146 एक्यूआई दर्ज किया गया। इससे स्पष्ट है कि प्रदूषण का असर केवल किसी एक इलाके तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के विभिन्न हिस्सों में हवा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। शहर में वाहनों की बढ़ती संख्या और यातायात जाम प्रदूषण बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। धनतेरस पर बाजारों और प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। जाम में रेंगते और खड़े वाहनों से निकलने वाला धुआं हवा में प्रदूषक तत्वों की मात्रा बढ़ाता रहा। दूसरी ओर सड़कों की खुदाई, निर्माण कार्यों और खुले निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल ने स्थिति को और खराब किया है। संजय प्लेस में पीएम-2.5 का स्तर निर्धारित मानक से करीब चार गुना तक पहुंचना चिंताजनक है। इससे पहले 4 नवंबर को शहर का अधिकतम एक्यूआई 235 दर्ज किया गया था। जब बिना पटाखों के ही शहर का औसत 188 और कुछ इलाकों में 279 एक्यूआई तक पहुंच चुका है, तब दीपावली की रात होने वाली आतिशबाजी प्रदूषण को खतरनाक स्तर तक ले जाती है। पटाखों से निकलने वाले सूक्ष्म कण, सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड हवा में घुलकर सांस लेने में परेशानी बढ़ा सकते हैं। आतिशबाजी के बाद रात और सुबह के समय प्रदूषक कणों का जमाव विशेष रूप से चिंता का विषय है। हवा की गति कम रहने और वातावरण में प्रदूषकों के फैलाव की अनुकूल परिस्थितियां नहीं बनने पर स्थिति और खराब हो सकती है।

सांस के मरीजों के लिए बढ़ सकती है मुश्किलें

आगरा। प्रदूषित हवा का सबसे ज्यादा असर अस्थमा, सांस और हृदय संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों, बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है। एसएन मेडिकल कॉलेज में सांस, नाक, गले और आंखों की एलर्जी से परेशान मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। चिकित्सकों ने लोगों को अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने, धूल और धुएं से दूरी रखने तथा बाहर जाते समय अच्छी गुणवत्ता वाला मास्क इस्तेमाल करने की सलाह दी है। त्योहारों पर बाजारों की भीड़ और आतिशबाजी के बीच प्रशासन के सामने प्रदूषण नियंत्रण की बड़ी चुनौती है। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने, सड़कों की नियमित सफाई, पानी का छिड़काव और यातायात व्यवस्था सुधारने जैसे कदम तत्काल जरूरी हैं। सवाल यह है कि जब शहर की हवा पहले ही लोगों की सेहत पर भारी पड़ रही हैं ।

पुलिस ने तीन गांजा तस्करों को दबोचा

अंतराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, 25 लाख रुपये का गांजा बरामद



आगरा। थाना छत्ता पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले अंतराज्यीय गिरोह के तीन तस्करों को दबोच लिया, जिनके कब्जे से 36 किलो गांजा बरामद किया गया है, गांजे की कीमत 25 लाख रुपये बताई गयी है। थाना छत्ता प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि अंतरराज्यीय गांजा तस्कर भारी मात्रा में गांज लेकर आगरा से गुजर रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने चेकिंग शुरू कर दी और कडी घेराबंदी की। पुलिस ने एक गाडी को पकड लिया, तलाशी लेने पर गाडी में गांजे को छिपा कर रखा गया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। गाडी में सवार तीन तस्करों को दबोच लिया जिनके कब्जे से 36 किलो गांजा जिसकी कीमत 25 लाख रूप्ये आंकी गई है बरामद कर लियां। पुलिस अब इस बात की जानकारी जुटा रही है कि आगरा में गांजे को कहां सप्लाई करना था। पूछताछ के बाद तस्करों को पुलिस ने जेल भेज दिया।

आगरा में व्यापक स्तर पर दरोगाओं के तबादले

कानून व्यवस्था और सुदृढ़ बनाने को 72 दरोगाओं को इधर से उधर भेजा

आगरा। कमिश्नरेट में कानून व्यवस्था और सुदृढ बनाने को व्यापक स्तर 72 दरोगाओं के तवादले कर दिये। पुलिस उपायुक्त नगर रवीन्द्र कुमार ने सोमवार को तवादलों की सूची जारी कर दी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। आदेश में कहा गया है कि सभी संबधित उपनिरीक्षक तत्काल नवनियुक्त स्थान पर रवाना होकर पद भार ग्रहण करें, सबसे ज्यादा तबादले पुलिस लाइन से विभिन्न थानों पर किए गए है। अवधेश कुमार को थाना ताज सुरक्षा, सतीश चंद्र को थाना सदर, राजेन्द्र सिंह को महिला थाना, गजेन्द्र सिंह को थाना सदर, अमित कुमार को थाना शाहगंज, सुदेश सिंह को थाना सदर, सोनू शर्मा को थाना सदर, गौरव कुमार को थाना शाहगंज, कुलदीप कुमार को थाना जगदीशपुरा, अनुज कुमार को थाना नाई की मण्डी, अनिल कुमार को थाना साइबर, दीपक कुमार मिश्रा को थाना जगदीशपुरा, राजेश कुमार को थाना सदर, और योगेन्द्र प्रताप सिंह को थाना साइबर भेजा गया है, इसके अलावा थाना बासौनी से मृगेन्द्र सिंह को थाना शाहगंज, और बलराज सिंह को थाना कोतवाली, थाना बरहन से प्रमोद यादव को थाना सदर भेजा गया है। कोतवाली से रामरतन सिंह को थाना कमलानगर, धर्मेन्द्र सिंह चौकी प्रभारी रावतपाडा को थाना ट्रांसयमुना और विक्रम सिंह को थाना लोहामण्डी का चार्ज दिया गया है। थाना हरीपर्वत से सर्वेश कुमार को थाना एकता, देवेन्द्र पाल सिंह को थाना ताज सुरक्षा, और विनोद कुमार को थाना सदर भेजा गया है। थाना सदर से बम्पर तवादले हुए हैं, जीतेन्द्र को थाना ताज सुरक्षा, रंजीत कुमार को थाना ताज सुरक्षा, शिवम प्रिया को थाना हरीपर्वत, राजन पथिक को थाना साइबर, मनोज कुमार को थाना साइबर, उदयवीर सिंह को थाना हरीपर्वत, अशोक कुमार को थाना कमलानगर, वीरेन्द्र सिंह को थाना एमएम गेट, और देवेन्द्र सिंह को थाना मण्टोला स्थानांतरित किया गया है।

चाय की दुकान में आग से काउंटर और सामान खाक

आगरा। यमुना ब्रिज स्टेशन रोड स्थित लाला शिव प्रसाद की बगीची में सोमवार तड़के करीब 3:30 बजे बाबूलाल निषाद की चाय की दुकान के बाहर आग लग गई। आग से काउंटर और उसमें रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। दुकान मालिक ने बगीची स्थित मंदिर के पुजारी पर आग लगाने का संदेह जताया है। पीड़ित का कहना है कि दुकान खाली कराने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग में घटना के समय पुजारी दो बार बाहर आता-जाता दिखाई दे रहा है। बाबूलाल निषाद के मुताबिक, दुकान लंबे समय से उसके कब्जे में है, लेकिन बगीची के संचालक उसे खाली कराना चाहते हैं। मंदिर का पुजारी भी उनसे दुकान खाली करने के लिए कहता रहा है। इसी विवाद के चलते उन्हें आग लगाए जाने के पीछे पुजारी की भूमिका होने का संदेह है। हालांकि, इस आरोप की अभी पुष्टि नहीं हुई है। दुकान मालिक का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में पुजारी रात करीब 3:30 बजे दो बार बाहर आता-जाता दिखाई दे रहा है।

महानगर में दो दर्दनाक हादसे

रेलवे ट्रैक किनारे मिला अज्ञात युवक का शव, हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर मजदूर की मौत, गुस्साए परिजनों ने लगाया जाम

आगरा। जनपद में दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। फतेहपुर सीकरी में रेलवे ट्रैक के किनारे एक अज्ञात युवक का शव मिला। प्रारंभिक जांच में युवक की मालगाड़ी से टकराकर मौत होने की आशंका व्यक्त की गई है। दूसरी घटना शमसाबाद क्षेत्र की है, जहां निमार्णाधीन मकान पर काम कर रहा 22 वर्षीय मजदूर हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, हादसे से गुस्साये परिजनों ने शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और मकान मालिक पर लापरवाही का आरोप लगाया। फतेहपुर सीकरी। क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के किनारे एक युवक का शव मिलने से आसपास के इलाके में हडकंप मच गया।

सूचना मिलने पर आरपीएफ एवं सिविल पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक पड़ताल में युवक की मालगाड़ी से टकराने के कारण मौत होने की आशंका व्यक्त की गई है, हालांकि दुर्घटना की वास्तविक परिस्थितियां अभी स्पष्ट नहीं हैं। मृतक की पहचान भी नहीं हो सकी है। रेलवे पुलिस आसपास के गांवों में पूछताछ कर रही है, ताकि युवक के बारे में जानकारी मिल सके। शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। वही दूसरा हादसा थाना शमसाबाद क्षेत्र के गढ़ी शक्कन के समीप निमार्णाधीन मकान पर हुआ, जहां मजदूरी कर रहे 22 वर्षीय अंकित की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। अंकित नवनिर्मित मकान पर काम कर रहा था। मकान के छज्जे के पास से हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी। काम के दौरान वह इसकी चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। मौके पर मौजूद लोग उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। उन्होंने निमार्णाधीन मकान के मालिक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव को रोड पर रखकर जाम लगा दिया इससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। जाम की सूचना पर एसीपी रामप्रवेश गुप्ता और थाना पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देकर समझाया, जिसके बाद जाम खुलवाया। परिजनों का आरोप था कि मकान मालिक ने बिजली की आपूर्ति बंद कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बावजूद काम के दौरान लाइन चालू रही। शमसाबाद थाना प्रभारी श्याम सिंह के अनुसार, परिजनों की तहरीर के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

खोखे में लगी आग, गैस सिलेंडर फटने की आशंका

ग्वालियर हाईवे पर यातायात थमा

आगरा। सैयां में खोखे में लगी आग, गैस सिलेंडर फटने की आशंका से ग्वालियर हाईवे पर यातायात रोकना पड़ों। थाना सैयां क्षेत्र निवासी योगेश कुशवाह हाईवे किनारे लकड़ी और टीनशेड से बने खोखे में चाय-नाश्ते की दुकान चलाते हैं। बीते रोज शाम अचानक खोखे से आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान में गैस सिलेंडर मौजूद होने की जानकारी पर आसपास के लोगों में घबराहट फैल गई और लोग सुरक्षित दूरी पर चले गए। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए हाईवे पर दोनों ओर वाहनों को रोक दिया गया। सड़क के दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गईं। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद रात करीब आठ बजे आग पर काबू पाया। इसके बाद पुलिस ने यातायात दोबारा सुचारू कराया। आग में योगेश कुशवाह का खोखा पूरी तरह जल गया। दुकान में रखी नकदी, बर्तन, फर्नीचर और अन्य सामान भी नष्ट हो गया। पीड़ित के अनुसार उन्हें हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

काबेरी मंदिर में चोरों का धावा 50 हजार की नगदी दानपात्र से ले गए

आगरा। दीपावली की रात जब समूचा शहर रोशनी और आतिशवाजी में डूबा था, उसी रात चोरों ने मंदिर को निशाना बनाया। थाना कमलानगर क्षेत्र के काबेरी कुंज स्थित कावेरी मंदिर में तीन चोरों ने ताला तोडकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर हनुमान जी की प्रतिमा के समीप दानपात्र से करीब पचास हजार रूप्ये की नगदी ले गए। गनीमत यह रही कि नशे में धुत एक चोर मंदिर के समीप गिर गया, जिसे पुलिस ने मौके पर दबोच लिया, दूसरा साथी भागने में कामयाव रहा, पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। बताया गया है कि दीपावली की रात मंदिर में पूजा-पाठ किया गया था, इसके बाद मंदिर के पट डाल दिये, ताला लगा दिया, इसी दौरान तीन चोर मंदिर का ताला तोड कर अंदर जा पहुंचे। उन्होंने हनुमान जी की प्रतिमा के समीप दानपात्र को तोड कर पचास हजार रूप्ये की नगदी पार कर दी। वारदात के दौरान एक चोर धुत नशे में था जो कि वहीं बेहोश होकर गिर गया जबकि उसका साथी नगदी लेकर फरार हो गया। सुबह जब स्थानीय लोग मंदिर पहुंचे तो वहां का ताला टूटा देख सन्न रह गए, अंदर दानपेटी टूटी मिली, जिसमें रखी पचास हजार रूप्ये की नगदी गायब थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुची, पुलिस ने सीसीटीवी फुटैज को खंगाला, हिरासत में लिये चोर ने पुलिस को अपने साथियों की जानकारी दी है। फुटैज के आधार पर पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में जुटी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर नगदी बरामद की जायेगी।

टूरिस्ट गाईडो से हाथापाई गाली गलौज, मारपीट

फतेहपुर सीकरी। थाना क्षेत्र सीकरी के गुलिस्ता टूरिस्ट कंपलेक्स पर आए दिन ठेकेदार द्वारा अवैध वसूली टूरिस्ट गाइड को परेशान करने गाली गलौज किए जाने का आरोप लगाया है। अलफात कुरैशी ने बताया कि लपकों द्वारा 300 रुपए प्रति लिया जाता है इसलिए टूरिस्ट गाइडों से आए दिन हाथापाई गाली गलौज की घटनाएं होती है। उक्त शिकायत थाना प्रभारी से की गई है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

फतेहपुर सीकरी। थाना क्षेत्र के दुल्हारा गांव की ओर जाने वाले रेलवे फाटक संख्या 39 के पास मालगाड़ी ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद रेलवे ट्रैक पर लोगों की भीड़ जुट गई। बताया गया है कि रेलवे ट्रैक के पास मालगाड़ी से हुए इस हादसे में सद्दाम हुसैन पुत्र मिथुन हुसैन मूल निवासी देवरी रूपबास भरतपुर राजस्थान एवं हाल निवासी थाना शाहगंज की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर एसआई शिव नारायण यादव, ट्रैकमैन मलखान सिंह तथा पॉइंट्समैन टिंकू खान घटनास्थल पहुंचे। मृतक रेलवे ट्रैक पर किन परिस्थितियों में आया और हादसा कैसे हुआ, इसकी भी जानकारी स्पष्ट नहीं हो पाई है। संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।



ओवरटेक करते समय टेंपो ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ा, फतेहाबाद बाईपास पर हादसे में महिला घायल

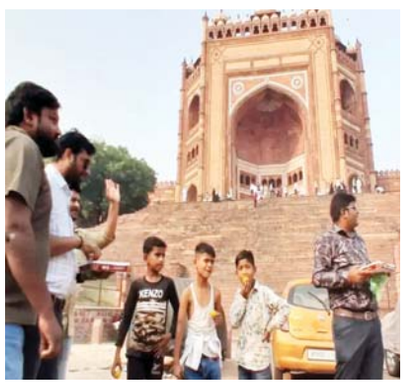
घरेलू कलह, बहू ने धक्का देकर सास की कमर तोड़ी

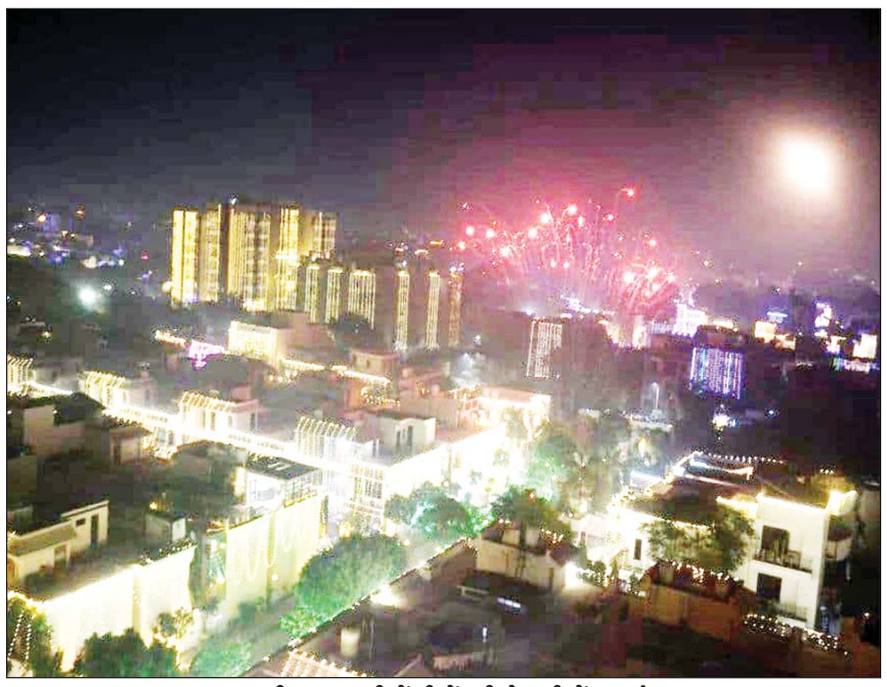
आगरा। थाना न्यू आगरा क्षेत्र के दयालबाग में मंगलम एस्टेट के एक घर में पारिवारिक विवाद ने गम्भीर रूप ले लिया। आरोप है कि बहू ने अपनी बुजुर्ग सास को धक्का देकर कमर तोड दी, गिरने पर हड्डी टूट गई। परिजनों ने घायल वृद्धा को तत्काल हॉस्पीटल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

इस मामले में जतिन ने अपनी पत्नी शिवांगी के खिलाफ थाना न्यू आगरा में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस मामले की छानवीन में जुटी है। मंगलम एस्टेट के लोगों ने पुलिस को बताया कि चार नवंबर को वह कानपुर किसी काम से जा रहा था तभी मां का फोन आया। वह काफी घबराई हुई थी। उसने बताया कि घर में झगडा हो गया है। मां ने बताया कि बहू ने उसके साथ मारपीट की है, और धक्का देकर गिरा दिया, जिससे उसकी हड्डी टूट गई। घटना की जानकारी मिलने पर जतिन वापस घर लौट आया और मां को हॉस्पीटल लेकर पहुंचे तब मालुम हुआ कि कमर की हडडी टूट गई है। मां की हालत देख जतिन का गुस्सा फूट गया, वह सीधे थाने पहुंचा और पत्नी के खिलाफ सगीन धाराओं में केस दर्ज करा दिया। जतिन ने पुलिस को बताया कि कुछ दिनों से घर मे क्लेश हो रहा है, जिससे वह काफी परेशान है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पत्नी के खिलाफ केस दर्ज किया, पुलिस मामले की छानवीन में जुटी है। पुलिस का कहना है कि जांच पडताल के बाद ही अग्रिम विधिक कार्यवाकी की जायेगी।

दीपावली पर चेयरमैन ने एक मन लड्डू बांटे

फतेहपुर सीकरी। दीपावली के अवसर पर फतेहपुर सीकरी के बुलंद दरवाजे पर मिठाई बाँटकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। फतेहपुर सीकरी के चेयरमैन विश्वेंद्र शर्मा ने आयोजित कार्यक्रम में एक मन लड्डू बाँटे। उन्होंने कार्यक्रम में आए मुस्लिम बच्चों और उनके परिवारों को लड्डू देकर दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सभी धर्मों के लोगों को एक साथ लाना और एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होना है साथ मिठाई बाँटना आपसी रिश्तों को मजबूत करता है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली की बधाई दी और हर घर में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में दामोदर ओझा, गौरव जिंदल, मोनू, आजू, नेत्रपाल और हरेन्द्र आदि मौजूद थे।





समूची ताजनगरी में दीपों की रोशनी में नहाई।

स्वामी ज्ञानमंडल प्राईवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामअवतार यादव द्वारा आज यंत्रालय १/३ बी.महात्मा गांधी मार्ग आगरा से मुद्रित एवं प्रकाशित

सम्पादक
शार्दूल विक्रम गुप्त

स्वत्वाधिकारी ज्ञान मण्डल प्राईवेट लिमिटेड

वाराणसी- संत कबीर मार्ग
गोरखपुर- बैंक रोड
इलाहाबाद- ३ लीडर रोड
कानपुर- बांसमंडी
लखनऊ- १, जापलिंग रोड
बरेली- परसाखेड़ा इन्डस्ट्रियल एरिया
हल्द्वानी- कालाढूंगी रोड
पटना- फ्रेजर रोड
रांची - नामकुम इन्डस्ट्रियल एरिया
जमशेदपुर-न्यूकालीमाटीरोड साकची
धनबाद-कतरास रोड

वर्ष ३६ पूर्णांक संख्या १३९६८
रजिस्ट्रेशन संख्या - ४६१४२/८७
विज्ञापन फोन नं.- ०५६२२५२१५१६
सम्पादकीय-०५६२२८५३२२२,०५६२४३१५२३१

ajagra@rediffmail.com
ajagra1@gmail.com
ajagraeditor@gmail.com

पोस्टल रजिस्ट्रेशन संख्या - एल.जी. ५०५
पी.आर.वी. अधिनियम के अन्तर्गत समाचार चयन के लिए अनुज कुमार कुलश्रेष्ठ जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद आगरा न्यायालय के अधीन होंगे।

भोगांव में शराबियों का आतंक

घर के दरवाजे पर बुजुर्ग महिला व बेटे को लाठी-डंडों से पीटा

रंगदारी नहीं मानने पर पर जान से मारने की धमकी

भोगांव। थाना भोगांव क्षेत्र के ग्राम परतापुर में शराबी दबंगों ने गरीब परिवार का जीना मुश्किल कर दिया है। आरोप है कि शनिवार शाम करीब 7 बजे 8 शराबी युवक एक राय होकर बुजुर्ग महिला के दरवाजे पर पहुंचे और रंगदारी दिखाते हुए गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लाठी-डंडों व हाथ-थप्पड़ से बुजुर्ग महिला व उसके पुत्र की जमकर पिटाई कर दी। पीड़िता जातून बेगम पत्नी दीन मुहम्मद निवासी परतापुर ने मुख्यमंत्री ओर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मैनपुरी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने मुख्यमंत्री ओर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को आन लाइन भेजे गयीं तहरीर में कहा है कि दीपावली बाले दिन शाम 7 बजे वह अपने दरवाजे पर बैठी थी। तभी गांव के ही साकिब, सादिक पुत्र बब्बू, अजीम, सुजान पुत्र सिराजुद्दीन, राजू पुत्र महताब खान, बबलू, अमरुद्दीन पुत्र अली मुहम्मद शराब पीकर आये और बिना कारण गाली-गलौज करने लगे। जब उसने ओर उसके पुत्र सोयेल ने विरोध किया तो सभी ने लाठी-डंडे से मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर गांव वाले दौड़े तो आरोपी गाली देते व जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। पीड़िता का आरोप हैकि आरोपी दबंग व अराजक किस्म के हैं। उन्हें आशंका है कि अपने अपराध से बचने के लिए आरोपी उनके परिवार के खिलाफ थाने में झूठी शिकायत देकर झूठे मुकदमे में फंसा सकते हैं। पीड़िता ने मुख्यमंत्री ओर एसएसपी से मांग की है कि थाना भोगांव पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाये, आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाये और पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाये। पीड़िता ने यह भी मांग की है कि आरोपियों की किसी भी झूठी शिकायत पर कार्यवाही करने से पहले उनका पक्ष भी सुना जाये।

काजी समी अब्बासी मेमोरियल स्कूल में हर्षोल्लास से मनाई दीपावली

छात्रा साजिया ने भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरूआत की



भोगांव। नगर के काजी समी अब्बासी मेमोरियल स्कूल में शनिवार को विगत वर्षों की भांति दीपावली पर्व पर बधाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील अभिभाषक परिषद के अध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने की। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की छात्रा साजिया ने राम आएंगे, आएंगे, राम आएंगेह्व भजन प्रस्तुत कर की। विद्यालय के सचिव काजी शाहरुख अब्बासी ने निदेशक काजी नजमी अब्बासी के साथ अध्यक्ष राजेश कुमार यादव का स्वागत किया। विद्यालय की शिक्षिकाओं सवाना और साजिदा ने भजन के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन और आदर्शों की जानकारी दी। इस अवसर पर राजेश कुमार यादव ने दीपावली पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह त्योहार अंधकार मिटाकर प्रकाश की ओर ले जाने का संदेश देता है।

भोगांव में धूमधाम से मनी दीपावली, पुलिस की सक्रियता से शांति के साथ मना पर्व

लोगों ने मोमबत्ती के साथ मिट्टी के दिए खरीदने में दिखाई रुचि

भोगांव/मैनपुरी। कोतवाली भोगांव क्षेत्र में दीपावली का पर्व बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मन्दिरो ओर घर-घर में श्री निर्धारित समय में गणेश जी व मां लक्ष्मी का विधि-विधान से पूजन किया गया। लोगों ने एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर बधाई दी। छोटे लोगों अपने बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और पास-पड़ास के लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। नगर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्व को पूरी श्रद्धा व विधि-विधान से मनाया गया। शाम होते ही घरों, दुकानों व प्रतिष्ठानों पर दीपों की जगमगाहट छा गई। लोगों ने जमकर आतिशबाजी भी की।महगाई के बाबजूद मिष्ठानो की दुकानों पर जमकर खरीददारी दिखाई दी। कुछ अधिवक्ताओं ने देर रात तहसील में अपने बस्तों गणेश-लक्ष्मी का पूजन किया। कुल मिलाकर पुलिस की सक्रियता व मुस्तैदी से कोतवाली क्षेत्र में दीपावली पूरी तरह शांति के साथ संपन्न हुई। पुलिस बल प्रमुख चौराहों, बाजारों व संवेदनशील स्थानों पर तैनात रहा, जिससे कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।क्षेत्रवासियों ने शांतिपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने के लिए पुलिस प्रशासन की सराहना की।

पुरानी रंजिश/कहासुनी में युवक पर जानलेवा हमला, चार नामजद पर मुकदमा दर्ज

भोगांव (मैनपुरी)। थाना क्षेत्र के ग्राम मौजेपुर हविलिया में रास्ते से गुजर रहे एक युवक पर चार दबंगों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मौजेपुर हविलिया निवासी भानूप्रताप पुत्र हरदेश कुमार रविवार रात करीब 10:30 बजे शौच के लिए जा रहा था। जैसे ही वह गांव के योगेश पुत्र रामदास के घर के पास पहुंचा, तभी योगेश, उसके भाई रतनेश उर्फ रामू व विकास, तथा शिवम पुत्र महाराज सिंह ने उसे रोक लिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने पुरानी रंजिश या नेतागिरी का ताना मारते हुए उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर चारों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। युवक की चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। घटना के बाद पीड़ित ने भोगांव थाने पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है और मामले की कानूनी कार्रवाई व जांच शुरू कर दी है।

निजामुद्दीन स्टेशन पर 1,286 किलो मांस की खेप जब्त, बीफ होने की आशंका

नई दिल्ली। दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर 1,286.35 किलोग्राम मांस की खेप जब्त की गई है। पुलिस को आशंका है कि इसमें बीफ भी हो सकता है। हालांकि, मांस की वास्तविक प्रकृति की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। रेलवे सतर्कता इकाई से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आठ नवंबर को रेलवे यार्ड में कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, दक्षिण एक्सप्रेस के जरिए हैदराबाद से मांस के 20 पार्सल स्टेशन पहुंचे थे। इनकी बुकिंग मटन और मीट के नाम से कराई गई थी। पार्सल नई धुलाई लाइन पर रखे गए थे। संदेह होने पर रेलवे सतर्कता इकाई ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद खेप जब्त कर ली गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम और पशु चिकित्सक को बुलाया गया। विशेषज्ञों ने जब्त मांस के नमूने एकत्र किए हैं। इनके परीक्षण से पता चलेगा कि खेप में किस पशु का मांस है और क्या इसमें बीफ शामिल है। कार्रवाई के दौरान राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की टीमें भी मौजूद रहीं। पुलिस के अनुसार, जब्ती से संबंधित कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। साक्ष्यों का डिजिटल मंच पर दस्तावेजीकरण भी किया जा रहा है। जांच रिपोर्ट और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दीपावली की खुशियां मातम में बदलीं, घर लौट रहे युवक की ट्रक की टक्कर से मौत

भोगांव। दीपावली का त्योहार मनाने दिल्ली से अपने घर लौट रहे एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। नगला पाठ के निकट रविवार सुबह हाईवे पर अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। त्योहार से पहले परिवार की खुशियां मातम में बदल गई और घर में दीपावली की तैयारियों की जगह चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, जनपद कन्नौज के थाना छिबरामऊ क्षेत्र के ग्राम प्रेमपुर निवासी 25 वर्षीय सिद्धांत पुत्र मोहरपाल रविवार सुबह करीब आठ बजे बाइक से दिल्ली से अपने गांव लौट रहा था। वह दीपावली की छुट्टी पर परिवार के साथ त्योहार मनाने घर आ रहा था। जैसे ही वह भोगांव क्षेत्र में हाईवे पर नगला पाठ के निकट पहुंचा, तभी एक अज्ञात ट्रक चालक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सिद्धांत की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जिस घर में दीपावली की खुशियां मनाने की तैयारी थी, वहां अब मातम पसरा हुआ है। परिवार की दीपावली की खुशियां हमेशा के लिए फीकी पड़ गई।

नशे में युवक कुत्ते पर गिरा, काटने पर भड़की भीड़, चापड़-रॉड से हमला कर बेजुबान को मार डाला; वीडियो वायरल

कानपुर। कानपुर में बेजुबान जानवर के साथ क्रूरता का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। जाजमऊ के ताड़बगिया स्थित तीन खम्बा इलाके में एक कुत्ते को कई युवकों ने घेरकर बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला। आरोप है कि नशे में धुत एक युवक लड़खड़ाकर कुत्ते के ऊपर गिर गया और कुत्ते ने उसे काट लिया। इसके बाद युवक और उसके साथियों ने कुत्ते को घेर लिया और लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और चापड़ से हमला कर उसकी जान ले ली। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद लोगों में भारी नाराजगी है।

मामला कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र के ताड़बगिया स्थित तीन खम्बा इलाके का है। बताया जा रहा है कि एक युवक नशे की हालत में सड़क पर लड़खड़ाते हुए जा रहा था। इसी दौरान वह एक कुत्ते के ऊपर गिर पड़ा। अचानक हुई इस घटना से कुत्ता घबरा गया और उसने युवक को काट लिया। इसके बाद युवक और उसके साथ मौजूद लोगों ने अपना आपा खो दिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर कुत्ते को घेर लिया और उस पर हमला शुरू कर दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में हमले की भयावह तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। कुछ युवक लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से कुत्ते को पीटते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान एक युवक चापड़ लेकर पहुंचता है और उससे भी बेजुबान पर कई वार करता है। हमले से बचने के लिए कुत्ता छटपटाता रहा, लेकिन युवकों ने उसे नहीं छोड़ा। लगातार किए गए हमले में कुत्ते की मौत हो गई।



सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

घटना के दौरान आसपास मौजूद कुछ लोगों ने युवकों को रोकने की कोशिश भी की। वायरल वीडियो में उन्हें बार-बार 'मत मारो' कहते हुए सुना जा सकता है। लोग हमलावरों से कुत्ते को छोड़ देने की गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं मानी। बेजुबान पर हमला तब तक जारी रहा, जब तक उसकी जान नहीं चली गई। वीडियो सामने आने के बाद पशु प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। लोगों का कहना है कि अगर कुत्ते ने किसी को काटा था तो इसकी शिकायत संबंधित विभाग या पुलिस से की जा सकती थी। इस तरह कानून हाथ में लेकर किसी जानवर की जान लेना बेहद क्रूर है।

पुलिस ने शुरू की जांच

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद जाजमऊ पुलिस भी सक्रिय हो गई है। थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा के मुताबिक, वीडियो की जांच की जा रही है और उसमें नजर आ रहे युवकों की पहचान की जा रही है। आरोपियों की पहचान होने के बाद उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस वीडियो के आधार पर घटना में शामिल लोगों और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान

काम में देरी हुई तो अधिकारियों पर लगेगा जुर्माना



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बड़ा ऐलान किया है। राज्य में नौकरशाही की जवाबदेही बढ़ाने और सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में तेजी लाने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध और आसान सेवा डिलीवरी का अधिकार) अधिनियम, 2026' को अधिसूचित किया है। इस नए कानून के प्रावधानों के तहत, जो सरकारी अधिकारी सार्वजनिक सेवाएं देने में बिना किसी उचित कारण के देरी करेंगे, उन पर प्रतिदिन 250 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। यह जुमार्ना अधिकतम 5,000 रुपये तक हो सकता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में जानकारी देते हुए, दिल्ली सरकार ने बताया कि यह कानून प्रशासनिक कार्यों के लिए एक निश्चित समय-सीमा तय करता है और जवाबदेही की व्यवस्था को स्पष्ट रूप से स्थापित करता है।

दिल्ली सरकार ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम सेवा वितरण का अधिकार) अधिनियम, 2026 अधिसूचित किया है। इस अधिनियम के तहत सरकारी सेवाओं के लिए निर्धारित समय-सीमा और जिम्मेदार अधिकारी की पहचान सुनिश्चित होगी। अनावश्यक देरी पर संबंधित अधिकारी पर प्रतिदिन ?250 और अधिकतम ?5,000 तक अर्थदंड लगाया जा सकेगा। अनुचित तरीके से आवेदन अस्वीकार करने पर भी अर्थदंड का प्रावधान है। दिल्ली सरकार ने पोस्ट में आगे जानकारी देते हुए कहा, यह अधिनियम नागरिकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस के मंत्र से प्रेरणा लेते हुए दिल्ली सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को सरकारी सेवाएं समय पर और सुगमता से मिलें तथा शासन व्यवस्था अधिक नागरिक केंद्रित, संवेदनशील और जवाबदेह बने। आधिकारिक विज्ञप्ति में जारी एक बयान में कहा गया, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' (मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस) के मंत्र से प्रेरित होकर, दिल्ली सरकार का संकल्प यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र नागरिक को सरकारी सेवाएं समय पर और आसानी से मिलें। साथ ही, शासन व्यवस्था को अधिक नागरिक-केंद्रित, संवेदनशील और जवाबदेह बनाया जाए।

गोकुल डेयरी चुनाव पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

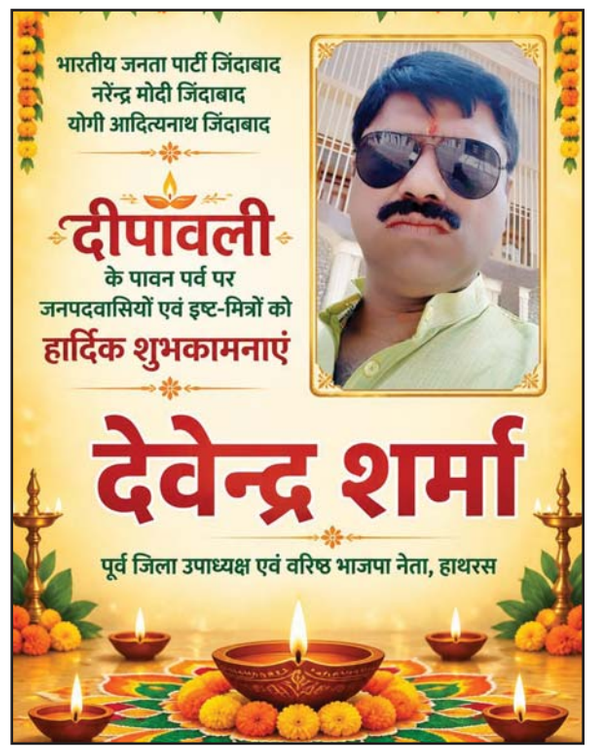
कल ही होगी वोटिंग; सरकार के 4 मनोनीत सदस्य भी डालेंगे वोट

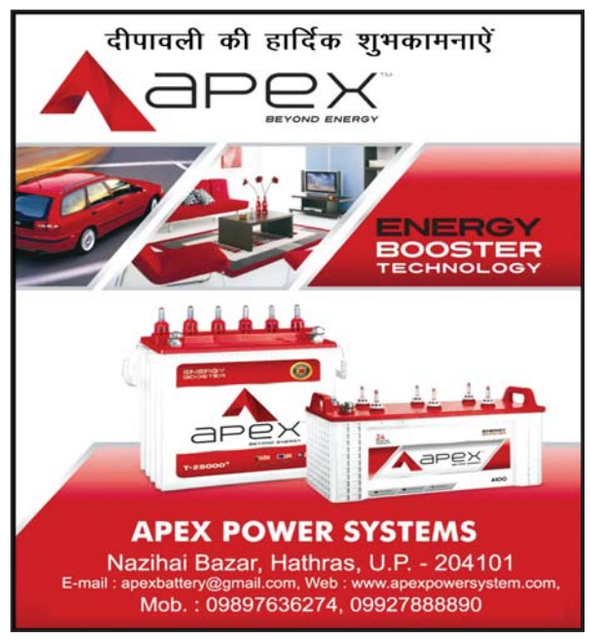
मुंबई। कोल्हापुर की गोकुल डेयरी के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर तस्वीर साफ हो गई है। गोकुल दूध संघ के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कल तय कार्यक्रम के मुताबिक अध्यक्ष पद का चुनाव कराने की अनुमति दे दी है। अब 25 निर्वाचित सदस्यों के साथ राज्य सरकार की ओर से नियुक्त किए गए चार सदस्य भी मतदान कर सकेंगे। हालांकि, इन चार सदस्यों की ओर से डाले गए वोट अलग से सुरक्षित रखे जाएंगे। गोकुल गोकुल दूध संघ के चुनाव को लेकर दाखिल याचिका पर आज वेकेशन कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता और राज्य सरकार, दोनों पक्षों की ओर से करीब दो से तीन घंटे तक दलीलें पेश की गई। सुनवाई के बाद अदालत ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर अहम निर्देश दिए। अदालत ने सरकार की ओर से नियुक्त चार सदस्यों को मतदान का अधिकार देने पर रोक लगाने की मांग स्वीकार नहीं की। साथ ही पूरी

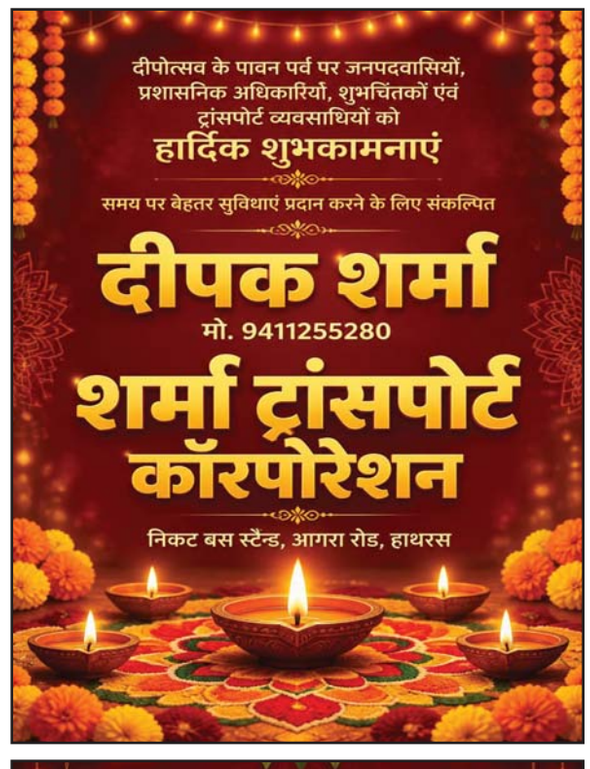


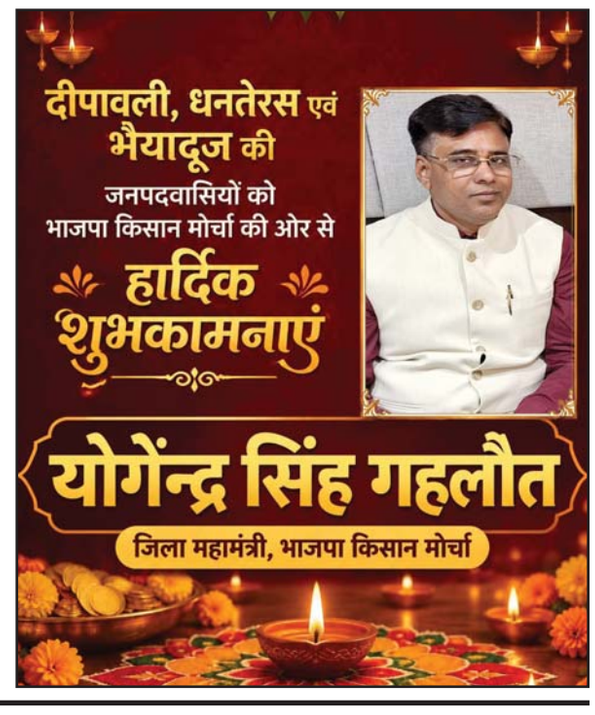
मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने का निर्देश दिया है। कल सुबह 11 बजे गोकुल के प्रधान कार्यालय में होने वाली बैठक में अध्यक्ष पद का चुनाव भी होगा। इस पूरे मामले में याचिकाकताओं ने राज्य सरकार की ओर से लाए गए अध्यादेश को चुनौती देते हुए उस पर रोक लगाने की मांग भी की थी। हालांकि, अदालत ने अध्यादेश पर रोक लगाने या उसकी वैधता को लेकर फिलहाल कोई आदेश नहीं दिया है। अध्यादेश सही है या गलत, इस पर भी अदालत ने कोई टिप्पणी नहीं की है। इस मुद्दे को 25 नवंबर तक के लिए लंबित रखा गया है। मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि सरकार द्वारा नियुक्त चार सदस्यों की नियुक्ति वैध है या अवैध, इस पर फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं दिया गया है। चारों सदस्यों के वोट अलग से सुरक्षित रखे जाएंगे और अध्यक्ष पद के चुनाव सहित पूरी प्रक्रिया अदालत के अंतिम फैसले के अधीन रहेगी। अब अदालत के ताजा आदेश के बाद कल 25 निर्वाचित और चार सरकार नियुक्त सदस्यों के मतदान से अध्यक्ष का चुनाव होगा। फिलहाल कल चुनाव और अध्यक्ष का चयन होगा, लेकिन अध्यादेश की वैधता, चारों सदस्यों की नियुक्ति और पूरी चुनाव प्रक्रिया का अंतिम भविष्य 25 नवंबर को होने वाली सुनवाई के फैसले पर निर्भर करेगा।











झिलमिल रोशनी में धूमधड़ाके के साथ मनाई दीपावली



दीपावली पर्व पर मिष्ठान भंडार पर मिठाई खरीदने को खड़े ग्राहक।



दीपावली के लिए पटाखों की खरीददारी करते लोग।

एटा। झिलमिल रोशनी के बीच दीपावली पर्व पर परंपरागत तरीके से गणेश-लक्ष्मीजी का पूजन कर लोगों ने जमकर धूमधड़ाका किया। रातभर धमाकों की गूंज और सतरंगी रोशनी की आतिशबाजी चलती रही। दीपावली पर देर रात तक मिठाई, पटाखे और विद्युत झालरें खरीदने वाले लोगों की भीड़ बाजार में उमड़ती रही। मिठाई, पटाखे एवं इलेक्ट्रानिक्स की दुकान पर ग्राहकों की काफी भीड़ रही। पड़वा वाले दिन भी लोगों ने आतिशबाजी चलाई। दीपावली पर्व पर पूरा शहर रोशनी से जगमगा उठा। दीपावली पर्व के चलते बाजारों में खासी भीड़ उमड़ी। इसमें सर्वाधिक भीड़ खील-खिलौने, बताशे, मिठाई, पटाखे, रेडीमेड कपड़े और इलेक्ट्रानिक्स की दुकानों पर उमड़ी। सुबह से तैयारियों में व्यस्त रहे लोगों ने नए वस्त्र पहने और लक्ष्मी-गणेश का पूजन कर जमकर आतिशबाजी चलाई। दीपावली पर्व पर ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक लक्ष्मी-गणेश पूजन का मुहूर्त होते ही घरों में पूजन शुरू हो गया।

विद्युत झालरों और दीपों की झिलमिलाहट के बीच परंपरागत तरीके से लोगों ने लक्ष्मी-गणेश का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूजन के बाद लोगों ने मंदिरों और अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर भी दीपक जलाए। शाम ढलते ही पूरा शहर दीपों और रंगबिरंगी विद्युत झालरों की रोशनी से जगमगा उठा। पूजन के बाद शुरू हुआ आतिशबाजी चलाने का सिलसिला रातभर जारी रहा। लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया।

बैंड वालों ने भी गली-गली घूमकर लोगों के घरों के सामने दीपावली पर्व की बधाईयां गाकर उनसे बख्शीश ली। शहर के चार दर्जन से अधिक मिष्ठान भंडारों पर लाखों रुपए की बिक्री हुई। देशी घी से निर्मित मिठाई की दुकानों पर लोगों की लाइनें तक लगी रहीं।

फूलों की रही खूब डिमांड

एटा। रोशनी के पर्व पर लोगों ने अपने-अपने घर और प्रतिष्ठानों को कई प्रकार की रंगबिरंगी झालरों से तो सजाया ही साथ ही अधिकांश लोगों ने फूलों की मालाओं से भी सजावट की। इस दौरान अलग-अलग वैरायटी के गेंदा के फूल 200 से 250 रुपए किलो तक के हिसाब से बिके। गुलाब के फूल का रट तो दीपावली पर आसमान छू गया। डिमांड के चलते गुलाब के फूल 800 रुपये किलो के हिसाब से बिके। पूजन में भी फूलों का यूज होने और फिर सजावट के लिए फूल खरीदने के लिए लोगों की खासी भीड़ रही है। फूलों की अधिक डिमांड को देखते हुए स्थायी दुकानों के अलावा भी कई लोगों ने हथठेल या फिर जगह-जगह फड़ लगाकर फूलों की बिक्री की।

जलेसर मे नाल पर जुआधर संचालित

जलेसर। कोतवाली जलेसर के अन्तर्गत षहर तथा उसके आस पास क्षेत्र मे नाल पर आधारित जुआघरो का संचालन खुले आम देखा गया। धनतेरस, दीपावली बाद भाई दौज तक यह सिलसिला चलने की उम्मीद बताई गयी है। पुलिस भी जानबूझ कर आनजान बनी रहती है। सूत्र बताते है वही लोगो का मानना हे कि दिपावली पर जुआ कोई खास नही है लेकिन जलेसर मे नाल पर आधारित जुआघरो का संचालन बहुत ही खास बात है।

- **दीप रोशन कर हुआ लक्ष्मी-गणेश पूजन**
- **रातभर रही धमाकों की गूंज और सतरंगी रोशनी की आतिशबाजी ने बिखेरी छटा**
- **देर रात तक पारिवारिक लोग खरीदते रहे पटाखे और मिठाई-जुआरी तलाषते रहे फड़**

तीन वर्षीय बच्ची की हत्या का खुलासा, सगे मामा-मामी गिरफ्तार



पुलिस हिरासत में खड़े आरोपी की जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

- **नाना नानी बालिका को देना चाह रहे थे सोना चांदी और एक प्लाट**
- **इसी संपत्ति को लेकर परिवार में चल रहा था विवाद**

एटा। मलावन थाना क्षेत्र के नगला भूपाल में तीन वर्षीय बच्ची की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए उसके सगे मामा और मामी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बच्ची की हत्या पारिवारिक विवाद के चलते की गई थी। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त प्लास्टिक की बोरी और तौलिया बरामद किया गया है। 24 अक्तूबर को बच्ची राधिका घर से लापता हुई थी। 26 अक्तूबर को उसका शव बरामद हुआ था। एसएसपी डॉ. इलामारन के निर्देश पर गठित तीन पुलिस टीमों ने जांच के बाद 8 नवंबर को दीपक (32) और उसकी पत्नी पूजा (29) निवासी न. भूपाल को गिरफ्तार किया।

दीपक बालिका का मामा है और पूजा मामी है। पुलिस के मुताबिक, बच्ची की मां की मृत्यु के बाद नाना-नानी उसका पालन-पोषण कर रहे थे। बालिका की मां का करीब 8 तोला सोना व कुछ चाँदी के जेवर बालिका की शादी में देने के लिए उसके नाना नानी अपने पास रखे थे। बालिका के लिए नाना एक प्लॉट लेने को कह रहे थे। लेकिन मामी पूजा व मामा दीपक इसका विरोध कर रहे थे और घर में इसी बात पर विवाद चल रहा था। इस कारण दीपक और पूजा ने बालिका को मारने की योजना बनायी।

24 अक्टूबर 2026 को पूजा ने दीपक को जवाहर तापीय परियोजना प्लांट पर भेज दिया और कमरे में गला दबाकर बालिका की हत्या कर दी तथा उसके शव को एक बोरी मे रखकर कमरे में रखे सन्दूक में बन्द कर कर ताला लगा दिया। 2 दिन बाद ताला खोलकर देखा तो उसमें बदबू आने लगी। मौका पाकर बालिका के शव को शहतूत के पेड के नीचे डाल दिया तथा बोरी को खेत में गाड दिया। पुलिस ने शव बरामद कर कार्रवाई की।

स्विफ्ट और स्कॉर्पियो की भिड़ंत में 11 घायल, दो गंभीर



एटा। कोतवाली देहात क्षेत्र में कमसान काली मंदिर के पास स्विफ्ट डिजायर और स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों में सवार 11 लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर बताई गई है। सभी घायलों को एंबुलेंस से वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। स्विफ्ट कार में गुड़गांव की कंपनी में कार्यरत इंजीनियर अंकित (34), उनकी पत्नी अंजली (32) और दो बेटे अथर्व (7) व ओम (4) सवार थे। परिवार दीपावली पर गुड़गांव से अपने गांव नगला जाऊ लौट रहा था। वहीं, स्कॉर्पियो सवार अजीत, अनूप, रजनी, सुषमा, अनुज, माही देवी और लता कुरावली क्षेत्र में अंतिम संस्कार में शामिल होकर एटा लौट रहे थे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को वाहनों से बाहर निकाला।

अलीगंज मे दीयों से जगमगाएं घर-आंगन धूमधाम से मनी दीपावली.....

अलीगंज। अलीगंज सहित राजा का रामपुर व ग्रामीण अंचलों में दीपोत्सव का पर्व दीपावली त्योहार मनाने को रविवार को हर किसी के मन में उल्लास दिखाई दिया अलीगंज में दीपों का पर्व धूमधाम से मनाया गयाण्शाम होते दीयों के प्रकाश से घर.आंगन जगमगा गएण्लोगों ने ऐश्वर्य व वैभव की देवी मां लक्ष्मी और विघभन विनाशक गणेश का विधि विधान से पूजन.अर्चन कर सुख समृद्धि की कामना की। मां सरस्वती के प्रतीक के तौर पर कलम.दवात का भी पूजन किया गया।दीपावली शनिवार को स्वाती नक्षत्र मनाया गया। दीपावली का पूजन विधि विधान से लोगों ने घरों व प्रतिष्ठानों में किया। कमल फूलए गन्नेए सिंघाड़ेए खील.गट्टा व तरह तरह की मिठाई अर्पित कर मन्नतें मांगीगयीए इसके साथ ही दीयों की कतार लगाकर घर.आंगन सजाए गएण्घरों की मुंडेर पर और दरवाजे के पास दीया सजाई गईण्टिमटिमाते दीयों की रोशनी से नजारा आकर्षक रहा। रंग बिरंगी झालरों से घरों को सजाया गया।दीपावली पर बच्चों और युवाओं ने पटाखें, फूलझड़ियां, अनार, महताब व चर्खी चलाकर खुशी मनाई, आसमानी आतिशबाजी का नजारा दर्शनीय रहाण्लोगों ने एक.दूसरे को रोशनी के पर्व की बधाई दी गई।

सजावटी सामान व मिठाई दुकानों पर रही भीड़.....

रविवार को सजावटी सामान, मिठाई व फल की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। घर सजाने के लिए लोग रंग बिरंगी इलेक्ट्रॉनिक झालरें खरीदते नजर आए। साथ ही घरों की चौखट पर बंदनवार लगाया सजाया गया। दीपावली पर गिफ्ट व मिठाई की खरीदारी के लिए लोगों की दुकानों पर भीड़ रही। बाजार में भीड़ रही तो त्योहार को लेकर पूरे दिन लोगों में खासा उत्साह रहा।

परिवार में बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान एक.दूसरे को रोशनी के पर्व की बधाई दी गई।

हर्ष उल्लास के साथ मनाया जारहा है दीपोत्सव का पांच द्विवसीय पर्व

रंग विरंगी झालरों व दीपो से जगमगाया शहर

जलेसर। रविवार को दीपावली परंपरागत रूप से मनाई गयी घर.घर लक्ष्मी- गणेश का पूजन किया गया वही शुक्रवार और शनिवार को बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ती रही। बाजार में यह माहोल था कि न दुकानदारों को फुर्सत नही थी और खरीदारों की कमी नहीं रही। सड़कों पर भीड़ के अतिरेक के बीच बाजारों में जाम के हालात रहे। लोगों ने पूजा.अर्चना के अलावा घरों को सजाने और पूजा अर्चना के लिए भी सामान की खरीद करते दिखाई दिए बच्चों भी त्योहार की तैयारियों में व्यस्त दिखे। जनपद के व्यस्तम बाजार घंटाघर, बाबूगंज, गांधी मार्केट, मेहता पार्क रोड सहित प्रमुख बाजारों में देर शाम तक लोग तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए खरीदारी में लगे रहे, घरों को सजाने के लिए विद्युत झालरें, कैंडल की जमकर खरीददारी की वहीं खील.खिलौने, बतासे, कलेंडर, मूर्तियां खरीदने को भी लोग व्यस्त दिखाई दिए । मिष्ठान विक्रेताओं के यहां भी खरीददारी को खासा हुजूम दिखाई दियाण्कस्बा क्षेत्र के बाजारों में भी खरीदारों का सैलाब उमड़ रहा था जनपद के जलेसर, अवागढ़, अलीगंज, जैथरा, निधौलीकला, सकीट, मारहरा शहर के मुख्य बाजार सैकड़ों की तादाद में सजीं अस्थाई दुकानों से बाजार में खरीददारी की।

मूर्तियां तथा खूब बिके पूजा थाल, दीपावली पर लक्ष्मी- गणेश

जलेसर। पूजा के लिए बाजार में विभिन्न प्रकार की मूर्तियां उपलब्ध रहीं। चांदी की मूर्तियों के अलावा मिट्टी और प्लास्टिक आफ पेरिस की मूर्तियां भी हर रंग में उपलब्ध उपलब्ध रहीं। 50 रुपये से 500 रुपये तक की मूर्तियां सामान्य थीं। वहीं लक्ष्मी.गणेश के कलेंडर भी खूब बिके नए कपड़े पहनने की ललक रही थी हर्ष उल्लास के साथ पूजा अर्चना की गयी वही एक दूसरे को आशीर्वाद दिया वही फोन के माध्यम से वधाई दी।

जलेसर-चोरी के ई-वी ऑटो और तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

जलेसर/एटा। सी.ओ. जलेसर की कड़ी कार्यवाही के चलते जलेसर थाना पुलिस ने सोमवार को चेकिंग के दौरान एक युवक को चोरी के ई-वी ऑटो रिक्शा, अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी सूरज (26) पुत्र चंद्रपाल निवासी नगला अलगर्जी, थाना हाथरस गेट, जनपद हाथरस है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. इलामारन के निर्देशन में तथा सी.ओ. जलेसर द्वारा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जारहे अभियान के तहत नौ नवंबर को गश्त के दौरान आरोपी को पकड़ा। उसके कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस और चोरी का एक ई-वी ऑटो रिक्शा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 446/2026, धारा 317(5) बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई कर गयी।

पटाखे में विस्फोट से किशोर झुलसा, आगरा रेफर

एटा। दीपावली पर पटाखे चलाते समय हुए विस्फोट में 14 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। उसके चेहरे और दोनों हाथों पर गंभीर चोटें आई हैं। हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे आगरा रेफर कर दिया। हादसा रविवार शाम करीब 6/30 बजे कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव अमरगोजिया में हुआ। गांव निवासी दीपक दीपावली पर पटाखे चला रहा था। बताया गया है कि वह बारूद से बने देसी पटाखे से धमाका करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान अचानक पटाखे में जोरदार विस्फोट हो गया। इसकी चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गया। धमाके की आवाज सुनकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजन उसे तत्काल एटा अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने आगरा रेफर कर दिया।

मंदिर के सामने युवक को लाठी-डंडों से पीटा

एटा। निधौली कलां कस्बे में मंदिर के सामने एक युवक के साथ लाठी-डंडों से मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पीड़ित ने पुलिस से चार लोगों की शिकायत की है। निधौलीकला के बड़ा बाजार निवासी अंशुल गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वह सुल्तान शाह मंदिर में पूजा करने गया था। मंदिर के सामने नामजद चार लोगों ने उसे घेरकर लाठी-डंडों से पीटा। आरोप है कि आरोपियों ने पैसे नहीं देने पर गोली मारने की धमकी भी दी। थाना प्रभारी आदित्य ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पटाखे चलाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, डंडों के हमले में कई लोग घायल

एटा। मलावन थाना क्षेत्र के नगला अगर गांव में दीपावली पर पटाखे चलाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि एक पक्ष के 60 से 70 लोगों ने दूसरे पक्ष के घर पहुंचकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में छह से सात लोग घायल हो गए। घायलों में प्रशांत पुत्र गोदीलाल (33), स्वार्थी पुत्री रामचंद्र (20) और पुनीत पुत्र ओविंद (15) शामिल हैं। प्रशांत के अनुसार, घर पर पटाखे चलाने के दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला किया।



मारपीट में घायल होने के बाद अस्पताल में बैठे लोग।

घायलों का मेडिकल कॉलेज में उपचार कराया गया। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत की।

थाना प्रभारी क्षत्रपाल सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

दीपावली की रोशनी पर प्रदूषण का साया, आतिशबाजी से जहरीली हो रही आबोहवा!

- **दीयों के पर्व पर धुएं का बढ़ता गुबार बना पर्यावरण के लिए चुनौती, पटाखों का शोर और जहरीले कण बिगाड़ सकते हैं सेहतय बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों के लिए बढ़ सकती हैं मुश्किलें**



एटा। दीपावली यानी रोशनी, खुशियों और उल्लास का पर्व। कभी यह त्योहार घर-आंगन में जलते मिट्टी के दीयों, आपसी प्रेम और मिठास के लिए पहचाना जाता था, लेकिन आज के आधुनिक दौर में आतिशबाजी का बढ़ता चलन इस पर्व की खूबसूरती पर प्रदूषण का साया डाल रहा है। दीपों की जगमगाहट के बीच पटाखों से उठता धुएं का गुबार वातावरण को प्रदूषित करने के साथ लोगों की सेहत के लिए भी चिंता का विषय बन रहा है। सवाल यह है कि खुशियां मनाने की होड़ में कहीं हम अपनी सांसों की कीमत तो नहीं चुका रहे? दीपावली के अवसर पर बड़े पैमाने पर होने वाली आतिशबाजी से वातावरण में सूक्ष्म कणों और हानिकारक गैसों की मात्रा बढ़ रही है। पटाखों से निकलने वाला धुआं हवा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। इसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ रहा है, जिन्हें पहले से सांस संबंधी बीमारी है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग और अस्थमा के मरीज विशेष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। आंखों में जलन, खांसी, गले में परेशानी और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। कुछ घंटों की आतिशबाजी, लंबे समय तक प्रदूषण की मार से जन सामान्य प्रभावित हो रहा है। पटाखों का प्रभाव केवल वायु प्रदूषण तक सीमित नहीं है। तेज धमाकों से ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ता है। लगातार होने वाला शोर बुजुर्गों, छोटे बच्चों और बीमार व्यक्तियों के लिए परेशानी पैदा कर रहा है।

वहीं, आतिशबाजी के बाद सड़कों और गलियों में बिखरा कचरा, पटाखों के अवशेष और धूल-मिट्टी स्वच्छता व्यवस्था के सामने भी चुनौती खड़ी कर रही हैं। पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी है। जरूरत है कि लोग अनावश्यक आतिशबाजी से दूरी बनाएं और मिट्टी के दीये जलाकर दीपावली की पारंपरिक सुंदरता को प्राथमिकता दें। बच्चों को भी पटाखों के बजाय रोशनी, मिठाइयों और आपसी प्रेम के साथ त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। प्रशासनिक स्तर पर भी प्रदूषण नियंत्रण और जनजागरूकता के प्रयास किया जाना बेहद जरूरी हैं। दीपावली का उद्देश्य अंधकार को मिटाकर प्रकाश फैलाना है, न कि वातावरण को धुएं से भर देना। यदि कुछ पलों के मनोरंजन के लिए हम हवा को प्रदूषित करेंगे तो इसका खामियाजा समाज के हर वर्ग को भुगतना पड़ सकता है। समय की मांग है कि दीपावली पर दीयों की रोशनी बढ़े, लेकिन धुएं का गुबार नहीं। आखिर स्वच्छ हवा और स्वस्थ जीवन से बढ़कर कोई उत्सव नहीं हो सकता।

कांग्रेस कार्यालय के सामने खड़ी टाटा सूमो में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी



एटा। कोतवाली नगर क्षेत्र में धान मिल के निकट स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने खड़ी एक टाटा सूमो गोल्ड कार में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कार धू-धूकर जलने लगी। उक्त कार कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशिक हुसैन उर्फ भोले की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दीपावली पर की जा रही आतिशबाजी के दौरान पटाखे की चिंगारी कार तक पहुंचने से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम फायर अधिकारी जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। वहीं, बनगांव चैकी प्रभारी गगनदीप भी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की कई गाड़ियों के साथ कोतवाली नगर पुलिस एवं बिजली विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने काफी देर तक कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाया। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। गनीमत रही कि समय रहते दमकल विभाग ने आग पर नियंत्रण पा लिया।

जंगली सुअर से टकराई बाइक, दो घायल

नगला भूड़ के पास हादसा, एंबुलेंस से अस्पताल भेजे गए

एटा। जलेसर-अवागढ़ मार्ग पर नगला भूड़ के पास सोमवार सुबह जंगली सुअर से टकराकर बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस को सूचना देकर घायलों को अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार, मीसा कलां गांव निवासी विनोद कुमार पुत्र रामबाबू और संदीप कुमार सोमवार सुबह बाइक से अपने गांव से जलेसर जा रहे थे।

सुबह करीब 11 बजे नगला भूड़ के पास अचानक झाड़ियों से एक जंगली सुअर सड़क पर आ गया। इससे बाइक टकरा गई और दोनों सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उनकी मदद की। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अवागढ़ भेजा गया।

बाइक हादसे में तीसरे घायल युवक की भी मौत, गांव में मातम

एटा। रिजोर थाना क्षेत्र के निधौली खुर्द गांव के पास 28 अक्टूबर को दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में घायल तीसरे युवक की भी मौत हो गई। मनसुखपुर निवासी 53 वर्षीय राजा चंद ने सोमवार सुबह उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में मोहन और नितेश समेत तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए थे। सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राजा चंद की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे में तीन युवकों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पटाखे की चिंगारी से धान के भूसे में लगी आग, फायर ब्रिगेड सहित ग्रामीणो ने बुझाई आग



आग बुझाते हुए अग्निशमन के कर्मचारी और ग्रामीण।

एटा। थाना सकीट क्षेत्र के गांव उमेदपुर में सोमवार को पटाखे की चिंगारी से मकान के सहारे रखे धान के भूसे में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। भाजपा के सकीट मंडल उपाध्यक्ष आनंद चैहान ने तत्काल फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। फायर कर्मी आग पर काबू पाने में जुटे रहे। फिलहाल घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग से भूसे को हुए नुकसान का आकलन नहीं हो सका है।

जैन मंदिर में महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक मनाया

जलेसर/एटा। तहसील जलेसर के आवागढ़ जैन मंदिर में दीपावली के अवसर पर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जैन समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सुबह मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का अभिषेक, शांतिधारा और विधि-विधान से पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद संगीतकार मंडली ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। मंत्रोच्चार के बीच भगवान के चरणों में निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। अंत में वात्सल्य भोज का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। जैन समाज ने सत्य, अहिंसा, संयम और जियो और जीने दो के सिद्धांतों को अपनाने का संदेश दिया।

कांग्रेस कार्यालय के सामने खड़ी कार में लगी आग

एटा। दीपावली की रात कोतवाली नगर क्षेत्र में धान मिल के पास स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने खड़ी टाटा सूमो गोल्ड में आग लग गई। कार कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशिक हुसैन उर्फ भोले की बताई गई है। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है। घटना रविवार रात करीब 9:30 बजे की है। दीपावली के चलते आसपास पटाखे चलाए जा रहे थे। स्थानीय लोगों ने पटाखे की चिंगारी से कार में आग लगने की आशंका जताई है। हालांकि, आग लगने का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। कार से आग की लपटें उठती देख लोगों ने दमकल और पुलिस को सूचना दी। फायर अधिकारी जितेंद्र कुमार और बनगांव चैकी प्रभारी गगनदीप पुलिस बल के साथ पहुंचे। दमकल की कई गाड़ियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार जल चुकी थी। पुलिस जांच कर रही है।

आलौकिक दीपोत्सव

आराध्य प्रभु श्रीरामकी पावन नगरी उत्तर प्रदेशके अयोध्यामें आयोजित दसवां दीपोत्सव न केवल ऐतिहासिक रहा, बल्कि इसकी भव्यताने इसे अलौकिक बना दिया। अयोध्या एक बार फिर अद्भुत आध्यात्मिक उल्लास, भक्ति और प्रकाशके महासागरमें परिवर्तित हो गया। सरयूके पावन तटपर जब लाखों दीपक एक साथ प्रज्वलित हुए तो ऐसा प्रतीत हो रहा था कि धरतीपर तारोंका संसार उतर आया है। रामकी पैड़ी सहित ५६ घाटोंपर एक साथ ३० लाख सात हजार ५१८ दीपक जलाये गये। शनिवारको सायंकाल पहला दीपक उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णनने जलाया। दीपोंकी अविरल श्रृंखलाने पूरी रामनगरीको अलौकिक आभासे भर दिया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतकी सांस्कृतिक चेतना, सनातन परम्परा और सामूहिक जन-भागीदारीका विराट प्रदर्शन बन गया। सूर्यास्तके साथ एक-एक करके दीप प्रज्वलित होने लगे और कुछ ही समयमें सम्पूर्ण घाट क्षेत्र स्वर्णिम प्रकाशसे जगमगा उठे। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर परिसर भी एक लाख दीयोंसे आलोकित हुए। आयोजनको सफल बनानेमें ३५ हजारसे अधिक स्वयंसेवकोंने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इस बार दीपोत्सवमें भगवान श्रीरामके अयोध्या आगमन और राज्याभिषेककी परम्परागत कथाको विशेष आकर्षणके साथ प्रस्तुत किया गया। शोभा यात्रामें रामायणके विभिन्न प्रसंगोंपर आधारित २१ झाकियां भी आकर्षणका केन्द्र रहीं। ढोल-नगाड़ों शंखनाद और जय श्रीरामके उद्घोषके बीच शोभायात्रा रामपथसे होती हुई रामकथा पार्क पहुंची। आधुनिक तकनीक और पारम्परिक आस्थाका अद्भुत समन्वय इस बारके दीपोत्सवकी विशेष उपलब्धि रही। २१०० स्वदेशी ड्रोनोंकी सहायतासे आसमानमें रामायणके विभिन्न प्रसंगोंका मनमोहक प्रदर्शन किया गया था। लेजर शो और आतिशबाजीने आयोजनकी भव्यता बढ़ा दी। दीपोत्सवकी सबसे बड़ी विशेषता व्यापक जन-भागीदारी रही। छात्रों, स्वयंसेवकों, कलाकारों, संतों और स्थानीय नागरिकोंका विशेष योगदान रहा। अयोध्यामें दीपोत्सवकी शुरुआत २०१७ में हुई और अब यह निरन्तर आयोजित हो रहा है। इससे पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्थाको प्रोत्साहन मिला है। अयोध्या अब केवल धार्मिक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, आस्था, सांस्कृतिक चेतना और पर्यटनका महत्वपूर्ण केन्द्र बन गया है। यह दीपोत्सव अब धार्मिक आयोजनसे आगे बढ़कर भारतकी कूटनीति, पर्यटन विकास, स्थानीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय पहचानका महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। दीपोत्सवके आयोजनकी भव्यता जन-जनकी भावनाओंसे जुड़ गयी है।

सेवानिवृत्ति और प्रतिष्ठा

सर्वोच्च न्यायालयका छत्तीसगढ़ सरकारके पांच कर्मचारियोंके अनिवार्य सेवानिवृत्तिके फैसलेको बरकरार रखना उचित और अनुपयोगी कर्मचारियोंके लिए बड़ा सन्देश है। अनिवार्य सेवानिवृत्ति कोई दण्ड नहीं है और न तो इसे प्रतिष्ठाका प्रश्न बनाया जा सकता है। इस सम्बन्धमें कोर्टका यह कहना महत्वपूर्ण है कि अनिवार्य सेवानिवृत्तिका आदेश देना न तो दण्डात्मक होता है और न ही इससे उन कर्मचारीकी प्रतिष्ठापर आंच आती है। यानी ऐसे आदेशसे कर्मचारीके आचरणपर कोई आक्षेप नहीं लगता और न ही वह किसी कदाचारका दोषी पाया गया है। इस सन्दर्भमें न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति श्री चन्द्रशेखरकी पीठका यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि ऐसा फैसला सक्षम अधिकारीके इस आकलनपर आधारित होता है कि सम्बन्धित कर्मचारीको सेवामें बनाये रखना अब जनहितमें नहीं है। इससे एक बात स्पष्ट हो जाती है कि सरकारी विभागोंमें कर्मचारियोंकी नियुक्ति जनताकी सेवा और सरकारी कार्यको सुचारु रूपसे चलानेके लिए की जाती है। ऐसी स्थितिमें यदि कोई कर्मचारी उपयोगी नहीं रह जाता तो उसे पदपर बनाये रखनेका औचित्य ही क्या है। हालांकि ऐसे आकलन केवल अटकलों या मनमर्जीपर आधारित नहीं हो सकता। इसके लिए रिकार्डमें उपलब्ध ठोस और प्रासंगिक सामग्रीका होना जरूरी है। कोई कर्मचारी मात्र इस आधारपर अनिवार्य सेवानिवृत्तिके आदेशको चुनौती नहीं दे सकता कि समान सेवा रिकार्ड वाले किसी अन्य अधिकारीके खिलाफ ऐसी कारवाई नहीं की गयी है, क्योंकि किसी अधिकारीकी उपयोगिता समाप्त हो गयी है या उसे सेवामें बनाये रखना प्रशासनिक दक्षताके लिए नुकसानदेह होगा, इसका अन्तिम आकलन करना कार्यपालिकाका अधिकार है। इसलिए इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है। किसी भी कर्मचारीको सेवामें बनाये रखना जनहितमें होना चाहिए, केवल पद भरनेके लिए नहीं।

लोक संवाद

अति आत्मविश्वास

महोदय,-उत्तर प्रदेशकी चुनावी बिसातपर केन्द्रीय स्वराष्ट्रमंत्री अमित शाहने लखनऊमें आयोजित भाजपाकी प्रदेश कार्यसमितिकी बैठकसे विपक्षको एक बेहद तीखा और आक्रामक संदेश दिया। शाहने मंचसे घोषणा की कि उत्तर प्रदेशमें भारतीय जनता पार्टीकी सरकार अंगदके पैरकी तरह मजबूतीसे जमी हुई है, जिसे कोई भी विरोधी ताकत हिला नहीं सकती। यह बयान आगामी विधानसभा चुनावोंके लिए भाजपाके संघटनिक अति-आत्मविश्वासका जीवंत प्रमाण तो है ही, लेकिन साथ ही यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं और ऐतिहासिक सचसे परे एक राजसी अहंकारको भी प्रदर्शित करता है। स्वराष्ट्रमंत्रीका यह रूपक उत्तर प्रदेशमें मजबूत कानून-व्यवस्था और व्यापक संघटनिक मशीनरीके बलपर उपजे उस राजनीतिक घमंडको दिखाता है, जो जनताकी बदलती सोचको नजरअंदाज करनेकी भूल करता है। इतिहास गवाह है कि लोकतांत्रिक व्यवस्थामें कोई भी दल या सरकार स्थायी नहीं होती। जनताका एक वोट बड़ेसे बड़े राजनीतिक गढ़को पलभरमें ढहानेकी ताकत रखता है, परन्तु सत्ताके गलियारोंमें बैठे नेताओंको अक्सर यह गुमान हो जाता है कि उनका किला अभेद्य है। लखनऊके इस संबोधनमें स्वराष्ट्रमंत्रीने अयोध्याके राम मंदिरका उल्लेख करते हुए विपक्ष, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेसपर तीखा प्रहार किया। उन्होंने एक स्पष्ट तुलना प्रस्तुत करते हुए विपक्षको पुरानी घटनाओंपर घेरा और अपनी उपलब्धियोंको सर्वोपरि बताया। शाहने कांग्रेस और सपाके शीर्ष नेतृत्वको खुली चुनौती देते हुए कहा कि भाजपा विशेष सत्रमें हर एक मुद्देपर सीधी चर्चाके लिए तैयार है। मंचसे गूंजती यह चुनौती जितनी विपक्षके लिए थी, उतनी ही उसमें खुदको अपराजेय माननेका दंभ भी छिपा हुआ था। शाहने दावा किया कि बदलते उत्तर प्रदेशके दमपर भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमतके साथ सरकार बनाने जा रही है और समान नागरिक संहिताको लागू करेगी। लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि लोकतंत्रकी सबसे बड़ी खूबी यही है कि यहां सत्ताएं आती-जाती रहती हैं। इंदिरा गांधीके आपातकालके दौरसे लेकर हालके वर्षोंमें बड़े-बड़े राजनीतिक सूरमाओंके पतनतक, भारतीय लोकतंत्रने बार-बार साबित किया है कि जनता जब करवट बदलती है तो अंगदके पैरका दावा करने वाली ताकतें भी उखड़ जाती हैं। एक सजग लोकतंत्रमें इस तरहके घमंडभरे बयानोंको जनता अपनी ताकतके अपमानके रूपमें भी देख सकती है, क्योंकि यहां अंतिम निर्णय किसी नेताके दावेसे नहीं, बल्कि आम नागरिककी अंगुलीकी एक चोटसे ईवीएम मशीनपर तय होता है। अमित शाहका यह अंगदका पैर वाला बयान जहां संघटनिक स्तरपर कार्यकर्ताओंको लामबंद करनेका एक प्रयास है, वहीं दूसरी ओर यह सत्ताके उस चरम अहंकारको भी बेनकाब करता है जो खुदको जनताकी अदालतसे ऊपर समझनेकी भूलकर बैठता है। चुनावी बिसातपर दावे चाहे जो भी किये जायं, परन्तु असली फैसला तो जनताकी मर्जीसे ही तय होगा, जो लोकतंत्रकी वास्तविक मालिक है।

-सूर्यदीप कुशवाहा, वाराणसी।

चिन्तनीय प्रदूषण पर राजनीति

त्योहार खुशियां बांटनेके लिए होते हैं, सांसोंमें जहर घोलनेके लिए नहीं। यदि उत्सवकी चमकके पीछे आसमान धुएंसे भर जाय, बच्चों और बुजुर्गोंका दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवाके लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परम्पराओं और सामाजिक जिम्मेदारियोंपर गम्भीरतासे विचार करना होगा।

❐ ललित गर्ग

आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरणकी समस्यापर राजनीतिका धुआं छाने लगा है। जब लोगोंकी सांसें संकटमें हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओंके चश्मेसे समस्याको देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनताका प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जाने पटाखोंसे होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषणके प्रति जागरूकताका संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल अभियानमें उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवादके बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषणके खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवादका विषय कैसे बन गया। किसी कलाकारका पर्यावरण संरक्षणके पक्षमें बोलना किसी धर्म या त्योहारका विरोध कैसे हो सकता है। मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करनेका निर्देश इस बातका संदेश है कि जनहितकी आवाजको राजनीतिक दबावके आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्मकी जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाजकी साझा जिम्मेदारी है।



सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियोंको स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पायंगे। राजनीतिकी अपनी जगह है, धर्म और परम्पराओंका अपना महत्व है, लेकिन जीवनसे बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्यसे बड़ी कोई परम्परा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसीकी जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ोंमें प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। यही समयकी पुकार है और यही सच्चे उत्सवका विवेकपूर्ण अर्थ है।

मुंबईका उदाहरण इस समस्याकी गम्भीरताको और उजागर करता है। सामान्यत: समुद्रकी हवाओं और भौगोलिक स्थितिके कारण मुंबईको दिल्लीकी तुलनामें अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचारका लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषणका संकट गहराने लगा है। बीएमसीकी पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट २०२५-२६ के अनुसार मुंबईके १४ वायु गुणवत्ता निगरानी केन्द्रोंमेंसे १३ पर पीएम-१० का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा ६० माइक्रोग्राम प्रति घनमीटरसे अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्समें यह स्तर १२५ माइक्रोग्रामतक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकासकी उस दिशापर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगोंके हिस्सेकी स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषणका पूरा दोष केवल दीपावलीके पटाखोंपर डालकर हम अपनी जिम्मेदारीसे मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलोंसे उड़ती धूल, सड़कोंपर जमा मिट्टी, वाहनोंका धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषणकी समस्याको त्योहारोंके दौरान और गम्भीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषणका स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावलीके आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्याका समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियताका प्रदर्शन है। मुंबईमें १३ निगरानी केन्द्रोंका राष्ट्रीय मानकसे ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओंके भरोसे पर्यावरणकी रक्षा नहीं की जा सकती।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रकी स्थिति तो और भी चिन्ताजनक है। सर्दियोंकी शुरुआत होते ही तापमानमें गिरावट, हवाकी धीमी गति और वातावरणमें प्रदूषकोंके ठहरावसे वायु गुणवत्ता तेजीसे बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबादके नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरणका सामना करते हैं। सुबहकी सैर स्वास्थ्यका माध्यम बननेके बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चोंको खांसी, बुजुर्गोंको सांस लेनेमें परेशानी और पहलेसे बीमार लोगोंको अस्पतालोंके चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवामें जीवनका संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषणका जहर घुल जाय तो विकासके तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भमें सर्वोच्च न्यायालयकी सक्रियता महत्वपूर्ण है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागजपर सख्त और सड़कोंपर बेअसर क्यों रह जाते हैं। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालोंको राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनताका लाभ मिलता रहा तो न्यायालयोंके निर्देश भी धुएंमें उड़ते रहेंगे। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षणका संदेश देती हैं तो उनके संदेशको राजनीतिक विवादमें उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालयने ३ नवंबरको बीएमसीको उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करनेका निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरणके मुद्देको राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालयकी यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेकको झकझोरने वाली है।

आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संघटन और आम नागरिक एक साझा संकल्पके साथ आगे आयें। निर्माण स्थलोंपर धूल नियंत्रण हो, वाहनोंके उत्सर्जनपर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलानेपर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगोंकी जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी कचरा जलाने और निजी वाहनोंके अंधाधुंध इस्तेमालसे बचें। अंतत: सवाल यह नहीं है कि दीपावलीपर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियोंको स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पायंगे। राजनीतिकी अपनी जगह है, धर्म और परम्पराओंका अपना महत्व है, लेकिन जीवनसे बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्यसे बड़ी कोई परम्परा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसीकी जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ोंमें प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। दीपावलीके दीप जलें, घर-आंगन रोशन हों, खुशियां बिखरें, लेकिन किसीकी सांसोंमें अंधेरा न उतरे। यही समयकी पुकार है।

बच्चों में बढ़ता हिंसक व्यवहार

बच्चोंकी सुरक्षाका प्रश्न सार्वजनिक स्थान और डिजिटल दुनियातक फैला हुआ है। बाल सुरक्षाका अर्थ केवल शारीरिक शोषणसे बचाना नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक और डिजिटल दुनियामें भी सुरक्षित वातावरण देना है।

❐ डा. अर्चना शर्मा

भारतमें बच्चोंकी सुरक्षाके सामने कई तरहकी चुनौतियां हैं। शारीरिक और यौन शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, असुरक्षित परिवहन तथा मानसिक स्वास्थ्यसे जुड़ी समस्याएं बच्चोंके अधिकारों और विकासको प्रभावित करती हैं। भारतमें बच्चोंकी सुरक्षाके लिए कई कानूनी और संस्थागत व्यवस्थाएं मौजूद हैं। बाल यौन अपराधोंसे संरक्षण अधिनियम यानी पॉक्सो, २०१२ बच्चोंके विरुद्ध यौन अपराधोंको रोकने और उनसे जुड़े मामलोंमें कारवाईका कानूनी आधार प्रदान करता है। किशोर न्याय, बालकोंकी देखरेख और संरक्षण, अधिनियम, २०१५ कानूनसे संघर्षरत बच्चों और देखरेखकी जरूरत वाले बच्चोंके संरक्षण, पुनर्वास तथा पुन: समाजीकरणकी व्यवस्था करता है। वहीं, मिशन वात्सल्य बच्चोंकी देखभाल और संरक्षणसे जुड़ी सेवाओंको मजबूत करनेका प्रयास है। इसके अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन १०९८, २४ घंटे संकटमें फंसे बच्चोंतक सहायता पहुंचानेके लिए संचालित है और आपातकालीन सेवा ११२ से एकीकृत है। सरकारने २०२५ में मिशन वात्सल्य पोर्टलको भी उन्नत किया, ताकि बाल संरक्षणसे जुड़े विभिन्न विभागोंके बीच समन्वय बेहतर हो सके। लेकिन कानून और योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं, जब वे जमीनपर बच्चोंतक पहुंचें। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरोके २०२२ के आंकड़ोंके अनुसार देशमें बच्चोंके विरुद्ध अपराधके १,६२,४४९ मामले दर्ज हुए। यह संख्या केवल कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि सुरक्षा, जागरूकता और समयपर सहायताकी आवश्यकताको भी रेखांकित करती है। बच्चोंके साथ होने वाले अपराधोंकी रोकथामके साथ-साथ उन परिस्थितियोंको समझना भी जरूरी है, जिनमें बच्चे स्वयं हिंसक व्यवहारकी ओर बढ़ते दिखाई देते हैं।

हालके वर्षोंमें स्कूलों और सार्वजनिक स्थानोंपर कम उम्रके बच्चोंके बीच मारपीट, धमकी, समूहमें किसी बच्चेको निशाना बनाना और आक्रामक व्यवहारकी खबरें चिन्ता पैदा करती हैं। हालांकि ऐसी घटनाओंके आधारपर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि १३ वर्षसे कम उम्रके सभी बच्चोंमें हिंसा बढ़ रही है। इसके लिए आयु-विशिष्ट और तुलनात्मक राष्ट्रीय आंकड़ोंकी जरूरत है। फिर भी किसी बच्चेका बार-बार हिंसक होना एक चेतावनी है, जिसे केवल अनुशासनहीनता कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। उसके पीछे उपेक्षा, घरेलू तनाव, बुलिंग, भावनात्मक कठिनाई, एकल परिवार, हिंसक सामग्रीका संपर्क या साथियोंका दबाव जैसे अनेक कारण हो सकते हैं। मीडिया और ऑनलाइन गेमिंगकी भूमिकापर भी संतुलित दृष्टि आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकोंके अनुसार एकल परिवारोंमें माता-पिता बच्चोंको ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। अक्सर बच्चे टीवी और मोबाइलपर अपना समय व्यतीत करते हैं। परन्तु ये दोनों ही गतिविधियां कई बार माता-पिताकी निगरानीके बिना होती हैं। टीवी और डिजिटल मीडिया बच्चोंको कुछ नया सीखने, रचनात्मकता और मनोरंजनके अवसर देते हैं, लेकिन बिना निगरानीके हिंसक सामग्री, अपमानजनक भाषा और आक्रामक व्यवहारके लगातार संपर्कमें रहना चिन्ताका विषय हो सकता है। यदि कोई बच्चा गेममें बार-बार हिंसाको समस्या सुलझानेका तरीका देखता है और फिर वास्तविक जीवनमें किसी विवादके दौरान उसी तरह प्रतिक्रिया करता है तो अभिभावकों और शिक्षकोंको उसके व्यवहारपर ध्यान देना चाहिए। लेकिन केवल गेमपर प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चेको यह समझाना भी जरूरी है कि डिजिटल दुनियामें दिखाई देने वाली हिंसा वास्तविक जीवनमें स्वीकार्य नहीं है। उम्रके अनुरूप सामग्री, स्क्रीन टाइमकी सीमाएं, आनलाइन मित्रों और चैटकी निगरानी तथा खुले संवादसे जोखिम कम किया जा सकता है।

इस जिम्मेदारीका पहला केन्द्र परिवार है। माता-पिता बच्चोंके लिए केवल नियम बनाने वाले नहीं, बल्कि उनके व्यवहारके सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण भी हैं। घरमें गाली-गलौज, अपमान, मारपीट या हर समस्याका समाधान गुस्सेसे करनेका तरीका बच्चोंपर असर डाल सकता है। बच्चेको सुनना, उसकी भावनाओंको पहचानना, गलतीपर शांतिपूर्वक समझाना और हिंसाके बजाय संवादका रास्ता दिखाना जरूरी है। यदि बच्चा लगातार चिड़चिड़ा, भयभीत, अलग-थलग या आक्रामक हो रहा है तो उसे दंडित करनेसे पहले कारण समझने और आवश्यकता पड़नेपर परामर्श लेनेकी जरूरत है।

स्कूलों और समाजकी भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विद्यालयोंमें बुलिंग-विरोधी स्पष्ट नीति, संवेदनशील शिक्षक, भरोसेमंद शिकायत व्यवस्था और काउंसलिंगकी सुविधा होनी चाहिए। पड़ोस, खेल समूह, मीडिया संस्थान और डिजिटल प्लेटफॉर्म बच्चोंके प्रति जिम्मेदार व्यवहारको बढ़ावा दें। किसी बच्चेके साथ दुर्व्यवहार या हिंसाकी घटनाको 'बच्चोंकी आपसी बात' कहकर टालना गलत है। बच्चेको सुरक्षित तरीकेसे बोलनेका अवसर देना और उसकी शिकायतको गम्भीरतासे लेना समाजका दायित्व है। यह समझना आवश्यक है कि बाल सुरक्षाका अर्थ केवल किसी घटनाके बाद कारवाई करना नहीं, बल्कि ऐसे वातावरणका निर्माण करना है, जहां जोखिमोंको पहले पहचाना जाय, बच्चोंकी बात सुनी जाय और उन्हें सहायता मांगनेका भरोसा मिले।



प्रकृतिकी अर्चना

❐ रघोत्तम शुक्ल

दीपावलीकी आगली तिथि यानी कार्तिक शुक्ल प्रतिपदाको गोवर्द्धन पूजाका पर्व मनाया जाता है। इसका उद्गम भगवन श्रीकृष्ण द्वारा इन्द्रके कोपके परिणाम स्वरूप ब्रजमें हुई अतिवृष्टिसे ब्रज वासियोंकी रक्षामें विद्यमान है, जो उन्होंने गोवर्द्धन पर्वतको अपने बायें हाथकी कनिष्ठिका अंगुलीपर उठाकर की थी। श्रीमद्भागवत पुराणके दशम् स्कंधमें आयी कथाके अनुसार कंस द्वारा प्रायोजित किये जा रहे उपद्रवोंसे ऊबकर श्रीकृष्ण और बलराम सहित समस्त ब्रजवासी गोकुलसे पब्रजन कर वृंदावन आ गये थे। श्रीकृष्णने देखा एक दिन नंद बाबा सहित समस्त ब्रजवासी एक याज्ञिक अनुष्ठान और विशाल पूजनका आयोजन कर रहे हैं। भगवान कृष्णके पूछनेपर नंद बाबा एवं अन्यने बताया कि हम लोग इंद्रदेवकी पूजाकी तैयारी कर रहे हैं। वे हमें वृष्टि देते हैं और इससे हमारी कृषि समृद्ध होती है। श्रीकृष्णने उन्हें कर्मके सिद्धान्त बताये, साथ ही दैवका अवलम्बन एवं पूजन छोड़ प्रकृति एवं समष्टिकी अर्चना एवं सम्मान करनेपर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह गोवर्द्धन पर्वत हमारी जीविकाका प्रत्यक्ष रक्षक है। हमारे गोधनको चारा देता है और हमारा हर भांति आश्रय है। क्यों न हम इन्द्रकी पूजा छोड़ गोवर्द्धन पर्वतकी समर्चना करें। ब्राह्मणोंको भोजन एवं दान अर्पित करें। गीतामें भी भगवानने 'योग: कर्मसु कौशलम्' कहा है और कर्मोपदेश दिया है। वैसे भी इन्द्र एक भोगी देवता हैं, जिन्होंने गौतम ऋषिकी पत्नी अहल्यासे छल कर समागम किया और ऋषि द्वारा अभिशप्त किये गये। श्रीकृष्णके समझानेपर ब्रजवासी मान गये और इन्द्र पूजा छोड़ उक्तानुसार गिरि, गो, विप्र आदिका पूजन, सम्मान आदि करके दान, गिरि परिक्रमा की गयी। उधर अपनी अवहेलना देख इन्द्रने कुपित हो प्रलय कालीन मेघोंके गण 'सांवर्तक' को बुला लिया और ब्रजमें अति वृष्टि प्रारम्भ करनेका आदेश दे दिया। ब्रजमें त्राहि-त्राहि मच गयी। तब भगवान कृष्णने अपनी बाएं हाथकी छोटी अंगुलीपर गोवर्द्धन उखाड़ कर धारण कर लिया और उससे हुए विशाल गड्ढेमें सभी ब्रजवासियोंको गोधन सहित आश्रय लेनेको कहा। ऐसा ही हुआ और सबकी रक्षा हो गयी। अंतत: एक सप्ताहतक वृष्टि करके इन्द्र पस्त हो गये और वृष्टि बंद कर दी। ब्रजवासी मुदित हो अपनी सामान्य स्थितिमें आ गये। गोवर्द्धन पूजाका यही पौराणिक वृत्तांत आधार है, जो इस वर्ष १० नवम्बरको है। चूंकि अमावस्या ९ तारीखकी दोपहरतक है, अत: उदया तिथिको मान्यता देते हुए प्रतिपदा १० को होगी। गोवर्द्धन पूजा उसी दिन होगी।

संघटनात्मक शक्ति विस्तार की ओर विपक्ष

❐ रोहित माहेश्वरी

हालमें दिल्लीके ऐतिहासिक रामलीला मैदानमें 'इंडिया' ब्लॉक द्वारा आयोजित महारैली देशके राजनीतिक हलकोंमें तीखी बहसका केन्द्र बनी हुई है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और 'वोट चोरी' के आरोपों एवं मतदाता सूचीमें गड़बड़ीके खिलाफ बुलायी गयी इस रैलीमें विपक्षने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। 'वोट चोरी' रैली सफल रही अथवा नहीं रही, इसपर पक्ष-विपक्षके अपने अपने तर्क हैं। विपक्षकी ओरसे दावा किया जा रहा था कि रैलीमें करीब दस लाख लोग पहुंचेंगे, लेकिन धरातलपर मैदानका लगभग ४० फीसदी हिस्सा खाली दिखाई दिया। राजनीतिक विश्लेषकोंके एक वर्गका मानना है कि विपक्ष द्वारा उठाये जा रहे तकनीकी मुद्दे जैसे मतदाता सूची पुनरीक्षण या संस्थागत अनियमितताएं आम जनताको सीधे प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। यही कारण है कि २१ विपक्षी दलोंके एक साथ आनेके बावजूद आम नागरिकोंकी भागीदारी बेहद सीमित रही। बीजेपी नेताओंका आरोप है कि चुनावमें बार-बार मिल रही हार और जनता द्वारा खारिज किये जानेके बाद, यह रैली केवल विपक्षकी राजनीतिक हताशाको बाहर निकालनेका एक माध्यम मात्र थी, जिससे उन्हें कोई जमीनी लाभ नहीं मिला।

हां इस रैलीके माध्यमसे इंडिया ब्लाक एक संदेश देनेमें सफल रहा कि कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्तके खिलाफ 'देशद्रोह' का केस चलाया जायगा और उन्हें जेलमें भेजा जायगा। यह तभी संभव होगा, जब ज्ञानेश अपने संवैधानिक पदसे इस्तीफा दे दें अथवा संसदमें उनके खिलाफ 'महाभियोग' प्रस्ताव पारित हो जाय। फिलहाल दोनों ही स्थितियां संभव नहीं लगतीं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधीने साफ कहा है कि हम प्रधान मंत्री मोदी और स्वराष्ट्रमंत्री अमित शाहको कहीं जाने नहीं देंगे, क्योंकि वे 'वोट चोरी' की आपराधिक साजिशमें संलिप्त रहे हैं। उनपर कानूनी कारवाई की जायगी। यह भी तभी संभव होगा, जब केन्द्रमें विपक्षके 'इंडी' गठबंधनकी सरकार होगी और राहुल गांधी प्रधान मंत्री होंगे। सर्वोच्च अदालत भी कानूनी कारवाईपर फैसला दे चुकी होगी!

कांग्रेसके ९९ सांसदों और अकेली भाजपाके २४० सांसदोंकी संख्याके बीच बहुत बड़ा फासला है। यदि २०२४ का संसदीय चुनाव 'अवैध' था तो सिर्फ प्रधान मंत्री, स्वराष्ट्रमंत्री और भाजपा सांसदोंके ही चुनाव अवैध नहीं थे, बल्कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसदोंके निर्वाचन भी अवैध हैं। लोकसभाके समूचे ५४३ सांसदोंके चुनाव भी अवैध हैं। क्या भारत जैसे लोकतंत्र और संवैधानिक देशमें अवैध संसद काम कर सकती है। क्या नेता प्रतिपक्षका यह कथन देशके मतदाताओं, जनादेश, लोकतंत्र और संविधानका मजाक नहीं उड़ा रहा है। दरअसल यह खास किस्मकी उत्तेजना, तैश, आवेश और कुण्ठामें बोला गया कथन है। चुनाव आयोगने २८ अक्तूबर, २०२५ को 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान बिहारसे शुरू किया था तो मई-जून, २०२४ के लोकसभा चुनावमें किसने और कैसे 'वोट चोरी' की। एसआईआर कर्नाटक, तेलंगाना, केरलमें भी किया गया है, जहां कांग्रेसकी सरकारें हैं। गौरतलब यह है कि जनवरी, २०२४ में सहकारी सचिवके पदसे सेवानिवृत्त होनेके बाद ज्ञानेश कुमार गुप्तको १५ मार्चको, सुखबीर सिंह संधुके साथ, चुनाव आयुक्तके संवैधानिक पदपर नियुक्त किया गया था। तब राजीव कुमार सीईसी थे। यदि तीनों चुनाव आयुक्तोंके बीच सहमति न हो तो कोई भी निर्णय लागू नहीं किया जा सकता। यही हालिया संकट और विवाद है। 'वोट चोरी' तो बेहद गम्भीर और साजिशाना हरकत है। फिलहाल विपक्षकी लगातार राजनीतिक मुहिमके बावजूद 'वोट चोरी' एक राष्ट्रीय मुद्दा, आम आदमीके सरोकारका मुद्दा नहीं बन पाया है। जिन १३.३७ करोड़ मतदाताओंके नाम काटे गये हैं, उनमें करीब २.८८ करोड़ नाम ऐसे हैं, जो 'दिवंगत' हो चुके हैं और एक करोड़से अधिक लोगोंके पास दोहरे मतदाता पहचान-पत्र हैं। यह अवैध और असंवैधानिक है। राजधानी दिल्लीमें ही ४७ लाखसे अधिकके नाम 'अनिश्चित' हैं। यदि वे आंदोलित होते तो दिल्लीकी सड़कें अवरुद्ध हो जातीं। हिंसा भी भड़क सकती थी! यदि उनमेंसे दो लाख मतदाता भी विपक्षकी रैलीके साथ जुड़ते तो एक असामान्य भीड़ सड़कोंपर बिछ सकती थी! किसी भी सरकारके लिए वह स्थिति चुनौतीपूर्ण होती, लेकिन ऐसी चुनौती देशके किसी भी कोनेसे दिखाई नहीं दी है। राजनीतिक विश्लेषकोंके मुताबिक सत्तासे नाराज होना और किसी दूसरी पार्टीको उसका विकल्प स्वीकार करना अलग बातें हैं। मतदाता यह भी देखता है कि जिस कामको लेकर उसे शिकायत है, क्या दूसरा

मथुरा में सामाजिक संस्थाओं ने जरूरतमंदों के साथ मनाई दिवाली:बच्चों को दीपक, मिठाई और गिफ्ट दिए, लोगों से मदद के लिए आगे आने की अपीलं

वृंदावन में ३ दिवसीय दीपोत्सव संपन्नः, कुष्ठ रोगियों, अनाथ बच्चों और जरूरतमंदों को बांटे उपहार, दी मिठाई

मथुरा। दीपावली पर सामाजिक संस्थाओं और पुलिस ने जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर त्योहार मनाया। किसी ने स्ट्रीट चिल्ड्रन को मिठाई और आतिशबाजी बांटी तो किसी ने अनाथ, दृष्टिबाधित और कुष्ठ रोगियों को दीपावली के उपहार दिए। वृंदावन में पुलिसकर्मियों ने वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ खुशियां बांटी। उपहार पाकर बच्चों और बुजुर्गों के चेहरे खिल उठे। समाजसेवियों का कहना है कि जब बड़े घरों में दीप जलते हैं तो झोपड़ियों में रहने वाले परिवार भी त्योहार की खुशियों से वंचित नहीं रहने चाहिए। समाजसेवियों का कहना है कि जब बड़े घरों में दीप जलते हैं तो झोपड़ियों में रहने वाले परिवार भी त्योहार की खुशियों से वंचित नहीं रहने चाहिए। विश्व वैष्णव सेवा संघ की ओर से संचालित प्रोजेक्ट प्रसादम के तहत वृंदावन में जरूरतमंद परिवारों को दीपावली का सामान बांटा गया। लोगों को मिट्टी के दीपक, सरसों का तेल, रुई की बत्ती और माचिस दी गई। बच्चों को आतिशबाजी और चॉकलेट बांटी गई। संस्था के संस्थापक आचार्य आनंद बल्लभ गोस्वामी ने कहा कि प्रोजेक्ट प्रसादम का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक खुशियां पहुंचाना है। इसके तहत पूरे साल सेवा कार्य किए जाते हैं। वृंदावन के अलग-अलग स्थानों पर जरूरतमंद परिवारों को मिट्टी के दीपक, सरसों का तेल, रुई की बत्ती एवं माचिस वितरित की गई। श्री हरिदास बिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट की ओर से धनतेरस से दीपावली तक तीन दिवसीय दीपोत्सव मनाया गया। इसके तहत वृंदावन अंध महाविद्यालय, शिक्षाकेंद्र छात्रावास और गोपालखार अंधनिवास में रहने वाले दृष्टिबाधित लोगों को मिठाई, नमकीन, खील-बताशे, दीपक और माचिस बांटी गई। परित्यक्त, अनाथ और कुष्ठ रोगियों को भी दीपावली के उपहार दिए गए। उपहार पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। संस्था प्रयास की ओर से आशा स्कूल में दीपावली महोत्सव आयोजित किया गया। यहां पढ़ने वाले स्ट्रीट चिल्ड्रन ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने दीप सजाए और रंगोली बनाई। इसके बाद उन्हें मिठाई, दीपक और उपहार बांटे गए। संस्था के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने बच्चों के साथ दीपावली मनाई। वृंदावन पुलिस ने वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाई। सीओ संदीप सिंह, थाना प्रभारी अश्वनी कुमार और पुलिसकर्मियों ने बुजुर्गों का हालचाल जाना। उन्हें मिठाई, फल, मोमबत्तियां और उपहार दिए। पुलिसकर्मियों को अपने बीच पाकर बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी नजर आई। वहीं दीपावली पर्व पर वंचित वर्ग की सेवार्थ श्रीहरिदासबिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट द्वारा आयोजित किए गए त्रिदिवसीय दीपोत्सव का समापन अत्यंत भावपूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रमान्तर्गत परित्यक्त, निराश्रित, जरुरतमंद व असाध्य कुष्ठरोग से ग्रसित अनेक जनों को दीपावली उपहार प्रदान कर प्रकाशपर्व की शुभकामनाएं दी गईं। संस्था की परम्परा षनिराली - दिवालीष के अनुसार आयोजित हुए दीपोत्सव में तीन दिनों तक विभिन्न असहाय समुदायों के सदस्यों के साथ प्रकाशोत्सव की खुशियाँ बाँटी गईं। समारोह के अंतिम दिन चौतन्यबिहार स्थित कुष्ठाश्रम में जीवन गुजार रहे कुष्ठरोगियों एवं नारायण अनाथाश्रम में रहने वाले अनाथ बालगोपालों सहित वृन्दावन परिक्रमा मार्ग के जुगलघाट, नाभाकुँज, रतनछत्री, कालीदह आदि इलाकों में गुमनाम जिंदगी बसर कर रहे सैंकडों लोगों को दीपावली उपहार दिए गए। दिवाली की मिठाई के साथ अन्य उपहार प्राप्त कर तमाम महिला-पुरुष ट्रस्ट परिवार को दुआएं देते नजर आए। इस मौके पर ट्रस्ट संस्थापक इतिहासकार आचार्य प्रहलादबल्लभ गोस्वामी महाराज, अमित भटनागर, मनोज बंसल, विप्रांशबल्लभ, भोलासिंह, हेमराज जायस, मुस्कान गोस्वामी, पूनम भटनागर, निवेदिता गोस्वामी तथा प्रवर्तिका गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

मथुरा में फर्जी ईडी अधिकारी गिरफ्तार: नीली बत्ती लगी कार से रोब झाड़ने वाला युवक गिरफ्तार यूपीएससी में असफल होने के बाद प्रतिमा पोर्टल से नियुक्ति का सुनाता था फर्जी किस्सा,

पुलिस उपाधीक्षक के हुआ शक होने पर खुली पोल

मथुरा। खुद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का असिस्टेंट डायरेक्टर बताकर करीब दो साल से लोगों पर रौब गांठ रहे एक जालसाज की आखिरकार पोल खुल गई। हैरानी की बात यह है कि शातिर इतना आत्मविश्वास के साथ अपनी फर्जी पहचान बताता था कि पुलिस अधिकारी भी उसकी बातों में आ गए। रिफाइनरी के पुलिस उपाधीक्षक प्रवीण तिवारी ने भी स्वीकार किया कि वह खुद उसके झांसे में आ गए थे। हालांकि उसकी बातों पर संदेह होने के बाद जब जांच कराई गई तो पूरा फर्जीवाड़ा सामने आ गया। पुलिस उपाधीक्षक प्रवीण तिवारी के मुताबिक आरोपी नगला बर (दीनदयाल धाम) निवासी सचिन शर्मा पिछले करीब दो साल से खुद को ईडी का असिस्टेंट डायरेक्टर बताकर घूम रहा था। दो दिन पहले वह उनके कार्यालय में भी आया था। बातचीत के दौरान जब उन्होंने उससे पूछा कि उसका चयन कब हुआ था तो उसने बड़ी चालाकी से अपनी नियुक्ति की कहानी सुनाई। आरोपी ने बताया कि उसने वर्ष २०२३ में यूपीएससी की मुख्य परीक्षा दी थी लेकिन साक्षात्कार में असफल हो गया था। इसके बाद उसने प्रतिमा पोर्टल के माध्यम से साक्षात्कार दिया और तमिलनाडु में ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर पद पर उसकी नियुक्ति हो गई। बाद में उसका स्थानांतरण लखनऊ कर दिया गया और अब वह मथुरा में ही रहता है। प्रवीण तिवारी ने बताया कि आरोपी की बातों पर उन्हें भी पहले विश्वास हो गया था लेकिन बाद में उसकी कहानी पर कुछ संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने वर्ष २०२३ की यूपीएससी परीक्षा का परिणाम डाउनलोड कर जांच की तो उसमें आरोपी का नाम कहीं नहीं मिला। इससे उसकी बताई गई नियुक्ति की कहानी संदिग्ध हो गई। जांच को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर से फोन पर संपर्क कर आरा. ेपी के बारे में जानकारी मांगी। वहां से स्पष्ट किया गया कि इस नाम का कोई अधिकारी प्रवर्तन निदेशालय में तैनात नहीं है। इसके बाद आरोपी की फर्जी पहचान की पूरी सच्चाई सामने आ गई। बताया गया कि आरोपी मथुरा के रहने वाले आईआरएस अधिकारी मनु टेंटीवाल का नाम भी अपनी बातचीत में लेता था ताकि लोगों के बीच अपनी पहचान और प्रभाव जमा सके। इस तरह वह करीब दो साल से खुद को केंद्रीय जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को भ्रमित कर रहा था। फर्जी अधिकारी का भंडाफोड़ होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

महावीर प्रसाद मानसिंगका का होगा सार्वजनिक अभिनंदन, १६ से २४ नवंबर तक आयोजित होगा नवदिवसीय आशीर्वाद प्राप्ति महोत्सव शताब्दी वर्ष में प्रवेश पर ब्रजवासियों, संतों और विद्वानों से लेंगे आशीर्वाद, कश्मीर से कन्याकुमारी तक प्रमुख सनातनी तीर्थों की यात्रा का लिया संकल्प

वृंदावन। प्रसिद्ध समाजसेवी महावीर प्रसाद मानसिंगका के शताब्दी वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में १६ से २४ नवंबर तक नवदिवसीय आशीर्वाद प्राप्ति महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। रुक्मिणी विहार स्थित सेठ मुरलीधर मानसिंगका सेवा सदन के प्रांगण में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में संतों, विद्वानों और समाजसेवियों का सान्निध्य प्राप्त होगा। महोत्सव के समापन पर महावीर प्रसाद मानसिंगका द्वारा कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारतवर्ष के प्रमुख सनातनी तीर्थों की यात्रा का संकल्प भी लिया गया है। ब्रजवासियों, संतों और विद्वानों का आशीर्वाद लेकर शताब्दी वर्ष में करेंगे प्रवेश- इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए महावीर प्रसाद मानसिंगका ने बताया कि अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर उनकी भावना है कि ब्रजवासियों, संतों और विद्वानों का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए समाजसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जाए। इसी भावना के साथ नौ दिवसीय महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत कात्यायनी पीठ में आचार्य विष्णुकांत शास्त्री के आचार्यत्व में शिव शक्ति महायज्ञ आयोजित होगा। वहीं, मान. सिंगका सेवा सदन में प्रतिदिन विद्वानों के प्रवचन, सुंदरकांड पाठ, यमुना पूजन सहित विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। शताब्दी वर्ष में पूरे भारत के सनातनी तीर्थों की यात्रा का संकल्प- आचार्य विष्णुकांत शास्त्री ने बताया कि महोत्सव के समापन के बाद महावीर प्रसाद मानसिंगका कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे भारतवर्ष के प्रमुख सनातनी तीर्थों की यात्रा करेंगे। इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अपने जीवन के सौवें वर्ष में इस प्रकार पूरे भारत के तीर्थों की यात्रा का संकल्प लेना एक विशिष्ट पहल है। महोत्सव के संयोजक आचार्य डॉ. मृदुलकांत शास्त्री तथा आरके पांडे ने बताया कि महावीर प्रसाद मानसिंगका ने समाजसेवा के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनके द्वारा वर्षों से प्रतिदिन पूरे भारत में लगभग १५ हजार असहाय लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इनमें करीब सात हजार लोगों को वृंदावन और गोवर्धन क्षेत्र में भोजन कराया जाता है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के मक्सी स्थित अस्पताल में प्रतिवर्ष ३० हजार से अधिक रोगियों के निशुल्क नेत्र ऑपरेशन किए जाते हैं। इस सेवा के अंतर्गत अब तक दो लाख से अधिक नेत्र ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न होने की जानकारी दी गई। उन्होंने यह भी बताया कि तिरुपति बाला. जी मंदिर की रसोई, जहां श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाता है, उसकी स्थापना में भी मानसिंगका का योगदान रहा है। इसके अतिरिक्त वृंदावन सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में कई प्रमुख मंदिरों के जीर्णोद्धार में भी उन्होंने योगदान दिया है। अनेक कार्य बिना प्रचार और नाम की अपेक्षा के किए गए हैं, जो समाजसेवा के क्षेत्र में प्रेरणादायी उदाहरण हैं। विधवा, कुष्ठ रोगियों और अनाथ बच्चों की सेवा के होंगे विशेष आयोजन- धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ तथा भागवत आचार्य सुमंत कृष्ण शास्त्री ने बताया कि महोत्सव में अनेक संत-महापुरुषों, विद्वानों, तीर्थ पुरोहितों और समाजसेवियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आयोजन के अंतर्गत अलग-अलग दिनों में विधवा सेवा, कुष्ठ रोगियों की सेवा और अनाथ बच्चों की सेवा सहित विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। १६ से २४ नवंबर तक होंगे धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम- आचार्य बद्रीश तथा राधेलाल गुप्ता ने बताया कि महोत्सव के कार्यक्रमों की शुरुआत १६ नवंबर को सिंहपौर हनुमान मंदिर में आचार्य रोहित रिछारिया द्वारा सुंदरकांड पाठ से होगी। १७ से २३ नवंबर तक आचार्य श्रीवत्स गोस्वामी, आचार्य डॉ. मृदुलकांत शास्त्री, आचार्य हरिमोहन गोस्वामी, सुमंत कृष्ण शास्त्री, आचार्य बद्रीश, नेत्रपाल शास्त्री तथा आचार्य संगम द्वारा शिव शक्ति, राम हनुमान और गोपियों के पांच प्रेमगीतों पर आधारित प्रवचन प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रसिद्ध लोक कलाकार वंदना श्री द्वारा श्री जानकी मंगल नाटिका का मंचन किया जाएगा। नौ दिवसीय महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठानों, आध्यात्मिक प्रवचनों और सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाजसेवा तथा सनातन संस्कृति के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में राधेलाल गुप्ता (प्रधान जी), राजेंद्र शर्मा, राजीव शर्मा एवं दिनेश सारस्वत सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वीरेंद्र यादव सपा के मथुरा जिलाध्यक्ष बने:अखिलेश यादव की मंजूरी के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने जारी किया नियुक्ति पत्र

मथुरा। समाजवादी पार्टी ने संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक गति. विधियों के लिए जमीनी स्तर पर तैयारियां तेज करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। शनिवार को पार्टी ने वीरेंद्र यादव को मथुरा का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति के बाद प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने नियुक्ति संबंधी पत्र जारी कर इसकी आधिकारिक जानकारी दी। गौरतलब है कि कुछ समय पहले पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जिले की सभी प्रमुख इकाइयों और फ्रंटल संगठनों को भंग कर दिया था। इसके बाद से ही नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं चल रही थीं। अब वीरेंद्र यादव को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद जिले में सपा की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इस नियुक्ति को संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव के सामने संगठन को मजबूत करने के साथ ही सभी फ्रंटल इकाइयों का पुनर्गठन करना बड़ी चुनौती होगी।

कृष्णानगर में स्कूल ड्रेस गोदाम में लगी आग, लाखों का नुकसान

दीपावली के त्यौहार से एक दिन पहले हुई घटना, दमकल ने पाया आग पर काबू

मथुरा । विगत कई वर्षों से दीपावली पर्व के दरम्यान विभिन्न क्षेत्रों में आगजनी की घटना सामने आती रहीं हैं जिनमें बिजली की लाइन में शॉर्ट सर्किट के साथ ही अन्य कारण भी अग्निकांड की घटनाओं की बड़ी बजह बनती रहीं हैं, अभी हाल ही में दीपावली पर कृष्णानगर के डी ब्लॉक में साईं मंदिर के पास मकान में स्कूल ड्रेस के गोदाम में आग लगने की घटना हो गई जिसमें बड़ी संख्या में रखे स्कूली ड्रेस का स्टॉक पूरी तरह जलकर खाक हो गया । शनिवार की शाम दीपावली के त्यौहार से ठीक एक दिन पहले शाम छह बजे के लगभग कृष्णा नगर के डी ब्लॉक में स्कूल ड्रेस के गोदाम में लगने से अफरातफरी का माहौल बन गया, बताया जा रहा है कि इस अग्निकांड की घटना से लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है, पीड़ित व्यापारी प्रियांक मल्होत्रा ने अपने मकान की दूसरी मंजिल पर स्कूल ड्रेस का गोदाम बनाया हुआ है जिसमें लाखों रुपये की कीमत की स्कूल ड्रेस का स्टॉक रखा हुआ था जिसमें से अधिकांश स्टॉक आग की चपेट में आने की बात सामने आ रही है, हालांकि इस आग लगने की बजह शार्ट सर्किट है या अन्य कोई और बजह है, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पीड़ित व्यापारी ने बताया कि वह शाम साढ़े छह बजे के लगभग घर से बाजार कुछ काम से निकले थे कि घर से निकलने के कुछ मिनट बाद गोदाम में आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल घर लौटे, तब तक अग्निशमन विभाग की दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया था, उन्होंने बताया कि आग की लपटें और धुआं उठता देख लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी थी, हालांकि आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है, इस आगजनी की घटना में हुए आर्थिक नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

छाता पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़: गिरफ्तार २ लाख की लूट का मुख्य आरोपी पैर में गोली लगने घायल, ५२ हजार रुपये व मोटरसाइकिल बरामद

चौमुहां। थाना छाता इलाके में पुलिस, सर्विलांस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई के दौरान बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ में एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार की देर रात हुई इस मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी फायरिंग के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी है, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार, स्वाट, सर्विलांस और छाता पुलिस की संयुक्त टीमें राष्ट्रीय राजमार्ग-१९ पर संस्कृति यूनिवर्सिटी फ्लाईओवर के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान पुलिस टीम को एक मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया, तो बदमाशों ने मोटरसाइकिल की रफ्तार बढ़ा दी और सर्विस रोड की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा पीछा किए जाने पर बदमाशों ने खुद को घिरता देख पुलिस पर जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह मोटरसाइकिल सहित वहीं गिर गया, जबकि उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान राहुल (पुत्र अतर सिंह, निवासी ग्राम छायसा, थाना छायसा, जनपद फरीदाबाद, हरियाणा के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने अपने साथी शिवकुमार के साथ मिलकर बीते २ नवंबर २०२६ को के.डी. मेडिकल कॉलेज छाता के पुल के पास से एक व्यक्ति को धक्का देकर गिरा दिया था और उससे कुल २,१३,७४० (दो लाख तेरह हजार सात सौ चालीस) रुपये लूट कर फरार हो गए थे। अवैध हथियार और नकदी बरामद पुलिस ने गिरफ्तार किए गए बदमाश राहुल के कब्जे से लूटी गई रकम में से ५२,५०० रुपये की नकदी,वारदात में इस्तेमाल की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल ०१ अवैध देसी तमंचा (.३१५ बोर),०३ खोखा कारतूस और ०२ जिंदा कारतूस (.३१५ बोर)।- पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त राहुल एक पेशेवर और शातिर किस्म का अपराधी है। उसके खिलाफ मथुरा, नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़ और हरियाणा के विभिन्न थानों में लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट के करीब ११ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब फरार अभियुक्त शिवकुमार की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है और जल्द ही उसे भी सलाखों के पीछे भेजने का दावा कर रही है।

मथुरा में आतिशबाजी के दौरान लोहे की नाल फटी,किशोर घायलः

मथुरा।। मथुरा के सौंख कस्बे में दीपावली की रात आतिशबाजी के दौरान विस्फोट होने से एक १७ साल का किशोर घायल हो गया। वह लोहे की नाल में गंधक-पोटाश भरकर चला रहा था। इसी दौरान तेज धमाका हुआ और लोहे की नाल फट गई। इससे वह चोटिल हो गया। उसकी आंख, नाक और हाथ में गंभीर में चोटें आई हैं। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रेफर किया गया। सौंख निवासी मानसिंह का बेटा कान्हा लोहे की नाल में गंधक-पोटाश और बारूद भरकर आतिशबाजी कर रहा था। बताया जा रहा है कि उसने नाल में ज्यादा मसाला भर दिया था। इसी दौरान विस्फोट हो गया और लोहे की नाल फट गई। धमाके से किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी आंख, नाक और हाथ से खून बहने लगा। मौके पर चीख पुकार मच गई। लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से बाद में हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा है। लोगों का कहना है कि प्रतिबंध के बावजूद गंधक-पोटाश की बिक्री कैसे हो रही है। इसकी खुलेआम बिक्री पर रोक लगनी चाहिए।

मथुरा में सरकारी आदेशों की उड़ रही धज्जियां: दीपावल पर बिना -यूज बाई डेट बिक रही रंग-बिरंगी मिठाइयां, प्रशासन मौन'

मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (थ्ैक्।) के सख्त निर्देशों के बावजूद मथुरा जनपद के बाजारों में खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। प्रदेश में १५ अक्टूबर २०२६ से सभी मिठाई विक्रेताओं के लिए खुली और पैक्ड मिठाइयों पर उपयोग की अंतिम तिथि (श्ेम्म ठल कंजमश्) प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है। लेकिन दीपावली और भाई दूज के इस त्योहारी सीजन में मथुरा के प्रमुख बाजारों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक इस आदेश का पालन कहीं होता नहीं दिख रहा है। बाजारों में धड़ल्ले से बिना किसी एक्सपायरी डेट के रंग-बिरंगी और मिलावटी मिठाइयां बेची जा रही हैं। त्योहार की आड़ में ग्राहकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और अंदेशा जताया जा रहा है कि भाई दूज के मौके पर बची-कुची बासी मिठाइयां भी खपा दी जाएंगी। इस पूरे मामले में स्थानीय जिम्मेदार अधिकारी और खाद्य सुरक्षा विभाग मूकदर्शक बना हुआ है, जिससे उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। भाकियू (चढूनी) ने दी आंदोलन की चेतावनी- इस गंभीर मुद्दे को लेकर भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के आगरा मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर, प्रदेश उपाध्यक्ष राजवीर सिंह, जिला अध्यक्ष संजय पाराशर ने मथुरा जनपद के प्रशासनिक और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट करते हुए कहा कि सरकारी आद. ेशों को केवल कागजों तक सीमित कर दिया गया है। बाजारों में चेकिंग के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। उन्होंने मांग की है कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले ऐसे मिठाई विक्रेताओं पर तुरंत छापेमारी कर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। यदि विभाग ने जल्द ही बाजारों में नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं कराया, तो संगठन इसके खिलाफ आवाज बुलंद करेगा। क्या है सरकारी आदेश? गौरतलब है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (थ्ैए) के निर्देश पर राज्य सरकार ने सख्त गाइडलाइन जारी की थी। इसके तहत दुकानदारों को मिठाई के काउंटर या ट्रे पर यह साफ लिखना है कि मिठाई कब बनी है और उसे कब तक खाया जा सकता है। इसका उद्देश्य त्योहारों पर होने वाली मिलावटखोरी और बासी मिठाइयों की बिक्री पर रोक लगाना था। लेकिन मथुरा में जिम्मेदार अधिकारियों की ढिलाई के कारण यह जनहित का आदेश पूरी तरह फेल साबित हो रहा है। स्थानीय जागरूक नागरिक, जगदीश प्रसाद निषाद, विजय पाल सिंह, हरिपाल सिंह परिहार, नरेंद्र उपाध्याय, अशोक सिकरवार, डॉ रमेश चंद्र सिकरवार, सतीश चंद्र, हरिओम सिंह, सोनवीर सिंह , भूले फौजी , जयपाल सिंह चौधरी, श्यामपाल सिंह आदि ने मथुरा के जिलाधिकारी और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी से मांग की है कि वे तुरंत बाजारों का औचक निरीक्षण करें और दोषियों पर सख्त कार्रवाई कर जनता को मिलावटखोरी से बचाएं।

रोजी-रोटी के संकट से जूझ रहे वृंदावन के नाविक, दो दिन की हड़ताल का ऐलान

वृंदावन। यमुना घाटों पर नाव चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले नाविक एक बार फिर अपनी रोजी-रोटी की समस्या को लेकर आंदोलन की राह पर उतर आए हैं। रविवार दोपहर सभी नाविकों ने एकजुट होकर दो दिनों तक नावों का संचालन बंद रखने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्होंने अपनी नावों को यमुना के दूसरे किनारे ले जाकर खड़ा कर दिया। नाविकों का कहना है कि वे हमेशा प्रशासन का सहयोग करते आए हैं। यमुना में किसी श्रद्धालु के डूबने की घटना होने पर अपनी जान की परवाह किए बिना उनकी मदद करते हैं, लेकिन आज प्रशासन उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है। नाविकों के अनुसार, वर्तमान में कार्तिक मास चल रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुना स्नान के लिए पहुंचते हैं। केसी घाट पर नालियों का गंदा पानी बहने से यमुना का जल दूषित रहता है, जिसके चलते श्रद्धालु दूसरे किनारे पर जाकर स्नान करना चाहते हैं। आरोप है कि प्रशासन ने दूसरे किनारे जाने पर भी रोक लगा दी है। इससे नाविकों का रोजगार प्रभावित हो रहा है और उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। नाविक बालवीर निषाद ने बताया कि त्योहार के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। जरूरत पड़ने पर नावों का संचालन अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन सहयोग नहीं करता है तो नाविक मजबूर होकर कोई दूसरा रोजगार तलाशेंगे।

फ्लैट में घुस गया रॉकेट: खिड़कियां टूटीं, जल गया सामान;

दिवाली की रात वृंदावन की दो सोसाइटी में अग्निकांड

वृंदावन। दिवाली की रात दो अलग-अलग अपार्टमेंट के फ्लैटों में आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। एक बंद फ्लैट में जलता पटाखा घुसने से तेज धमाका हुआ, जिससे दीवार और खिड़कियां टूट गईं। दोनों घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई। वृंदावन में दिवाली की देर रात आतिशबाजी के दौरान दो अलग-अलग स्थानों पर स्थित फ्लैटों में आग लगने से अफरातफरी मच गई। गनीमत यह रही कि दोनों ही घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि लाखों रुपये का घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। रमणरेती क्षेत्र स्थित फोगला आश्रम के पीछे योगमाया धाम अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर स्थित फ्लैट संख्या १०२ में देर रात अचानक भीषण आग लग गई। यह फ्लैट आहूजा नामक व्यक्ति का है, जिसे उन्होंने एक स्थानीय रेस्टोरेंट में काम करने वाले पंजाब के चार युवकों को किराए पर दे रखा था। दिवाली के चलते ये सभी युवक अपने घर गए हुए थे, जिससे फ्लैट बंद था। रात में जब लोग आतिशबाजी चला रहे थे, तभी अचानक एक जलता हुआ पटाखा बंद फ्लैट के अंदर जा गिरा। इसके कारण फ्लैट में तेज धमाका हुआ, जिसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि कमरे की एक दीवार चटक गई और खिड़की-दरवाजे टूटकर सड़क पर आ गिरे। आग ने देखते ही देखते विक. राल रूप धारण कर लिया और अंदर रखा लाखों का घरेलू सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकलकर्मी श्याम सिंह ने बताया कि फ्लैट में रह रहे पंजाब के वरुण गिरधर के कमरे में पटाखा घुसने से गद्दे ने आग पकड़ ली थी, जिससे यह हादसा हुआ। वहीं, दूसरी घटना रुक्मणि विहार स्थित कान्हा माखन कॉलोनी की है, जहाँ एक अन्य बहुमंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित फ्लैट में आग लग गई। यहाँ भी आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक गाड़ी तुरंत मौके पर पहुँची और समय रहते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

मथुरा में विधायक ने की गोवर्धन पूजा:गिरिराज महाराज के दर्शन किए, सुख, शांति और समृद्धि की कामना की

मथुरा। दीपावली के अगले दिन सोमवार को मथुरा के प्रसिद्ध पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के श्री द्वारकाधीश मंदिर में गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह १० बजे से मंदिर परिसर में गिरिराज पूजा का भव्य आयोजन शुरू हुआ। पूजा में शामिल होने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की आवाजाही बनी रही और पूरा परिसर गिरिराज महाराज के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर परिसर में गाय के गोबर से गिरिराज महाराज का विशाल स्वरूप तैयार किया गया। इसे आकर्षक ढंग से सजाया गया। मंदिर सेवायतों ने विधि-विधान और विशेष मंत्रोच्चार के साथ गिरिराज महाराज का पूजन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भी पूजा-अर्चना कर गिरिराज स्वरूप की परिक्रमा की। भक्तों ने पुष्प, दीप और विभिन्न पूजन सामग्रियों के साथ अपनी श्रद्धा व्यक्त की। गोवर्धन पूजा के अवसर पर मथुरा-वृंदावन के विधायक पंडित श्रीकांत शर्मा भी श्री द्वारकाधीश मंदिर पहुंचे। उन्होंने विशेष मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से गिरिराज महाराज की पूजा-अर्चना की।

जैन मंदिरों में निर्वाण लाडू भक्तिभाव के साथ नृत्य करते हुए चढ़ाया



हाथरस। कार्तिक कृष्ण अमावस्या पर सोमवार को जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी के 2553 निर्वाण संवत पर सभी जैन मंदिरों में निर्वाण लाडू भक्तिभाव के साथ नृत्य करते हुए चढ़ाया। रतन जैन व ममता जैन के भक्ति गीतों से लोगो ने भक्ति में डुबकी लगायी। नयाबांस अतिशय क्षेत्र 1008 श्री चंद्र प्रभु द्रिम्बर जैन मंदिर में बोली लगाकर तीनो वेदियों पर लाडू चढ़ाया गया। प्रथम वेदी की बोली धन्य कुमार जैन सोगानी, राहुल जैन, मंजू जैन व समता जैन सोगानी ने ली थी। दूसरी बोली राजेश जैन, अंकुर जैन व तीसरी बोली तुषार जैन ने ली थी, बाद में भक्तिभाव के साथ नृत्य करते हुये निर्वाण लाडू चढ़ाया था। सबसे पहले हलवाई खाना स्थित नेमिनाथ द्रिम्बर जैन मंदिर, श्री पार्षनाथ भगवान बडा मंदिर, चौत्यालय बजरिया व हनुमान गली के अलावा नयागंज स्थित 1008 श्री नेमिनाथ द्रिम्बर जैन मंदिर और अंत मे नयाबांस स्थित अतिशय क्षेत्र जैन मंदिर में निर्वाण लाडू बोली लेकर चढ़ाया था।

बाल पंडित विशाल जैन वेद ने कहा कि आज के दिन से संपूर्ण भारत वर्ष में दीपावली की शुरुआत हुई, दीपों का यह प्रकाश अज्ञान के अंधेरे का नाश करते हुए ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक है। आज के ही दिन से भारत के सबसे पुराने कैलेंडर जैन नववर्ष की शुरुआत होती है। इस वर्ष हम भगवान महावीर स्वामी का वीर निर्वाण संवत 2553 मना रहे हैं। सभी महिला पुरुष श्रावक श्राविकाओ ने श्री मंदिर जी में निर्वाण लाडू एवं दीप समर्पित करने के साथ मनाया।

इस मौके पर प्रमुख रूप से जैन नवयुवक सभा एवं नयाबांस मंदिर अध्यक्ष उमाशंकर जैन, श्री पार्श्वनाथ दिज़ैन बड़े मंदिर प्रबंधक राकेश जैन, नयागंज मंदिर प्रबंधक अनिल जैन गुडडू, धन्य कुमार जैन सोगानी, कमलेश जैन, अतुल जैन बडजात्या, मुकेश जैन, अमित जैन, पंकज जैन, जितेंद्र जैन वैद, मनीष जैन, संजीव जैन भूरा, सुभाष चंद जैन, राहुल जैन, तुषार जैन, हिमांशु जैन, जिनेन्द्र जैन सिंपल, गगन जैन, पवन जैन, निखिल जैन, नितिन जैन, तन्नू जैन, अनिल जैन, धीरज जैन रिकु, राजकुमार जैन लोहिया, विजय जैन लोहिया, मयंक जैन, अर्पित जैन लोहिया, अरुण जैन, संजीव जैन लुहाड़िया, अमित जैन लुहाड़िया, बंटू जैन, अतुल जैन, मोनू जैन, सौरभ जैन रानू, रिकू जैन, डाविनोद जैन, कपिल जैन, विवेक जैन, श्वेतांक जैन, अभिषेक जैन, रवि जैन, सौरभ जैन, मनोज जैन, पुलकित जैन, जीतू जैन सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष मौजूद थे।

सेंट मार्क्स चर्च की 96वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई, विशेष प्रार्थना सभा का हुआ आयोजन

मसीही समाज के लोगों ने विश्व में शांति, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए की सामूहिक प्रार्थना

■ बच्चों और युवाओं ने प्रस्तुत किए सुंदर मसीही भजन

हाथरस। अलीगढ़ रोड स्थित सेंट मार्क्स चर्च की 96वीं वर्षगांठ धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। चर्च परिसर में विशेष प्रार्थना सभा सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समारोह में मसीही समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुये थे। शुभारंभ चर्च पास्टर मनोज कुमार मसीह द्वारा पवित्र बाइबल के पाठ एवं आराधना के साथ किया गया। कानपुर से आए मुख्य वक्ता अमित जॉन दिकास्ट्रो ने बाइबल की लूका पुस्तक के माध्यम से प्रभु यीशु मसीह के आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए उनके समान



प्रेम, सेवा, त्याग और सद्भावना से परिपूर्ण जीवन जीने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में प्रेम, क्षमा और मानवता के मूल्यों को अपनाना चाहिए। पास्टर मनोज मसीह, सचिव राजीव कुमार, अमित जॉन दिकास्ट्रो ने संयुक्त रूप से केक काटा, इसके पश्चात् मुख्य वक्ता अमित जॉन दिकास्ट्रो का कलीसिया द्वारा स्वागत किया गया। पास्टर मनोज मसीह ने शांति, खुशहाली, समृद्वि व आपसी भाईचारे के लिये सामूहिक प्रार्थना की। यूथ के बच्चों ने मसीही भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया और प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए।

चर्च परिसर को गुब्बारों, आकर्षक रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों से भव्य रूप से सजाया गया। अतिथियों के लिए सामूहिक प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे को चर्च की वर्षगांठ की शुभकामना दी। इस मौके पर इवेंजलिस्ट रविकांत, राजपाल समुयल, डेविड मसीह, लकी पौलुश, डेविड प्रिन्स, डेनी प्रिन्स, सुमित प्रिंस, साहिल, अरविन्द, राहुल शेख, विनोद दिलसुःख, मोनिका, राजकुमार, ओमप्रकाश अश्विनी, हिमानी, सीमा सोनी, सुधा, सुनैना राज आदि मौजूद थे।

भूखंड पर मरघट को लेकर हुई गाली गलौज मारपीट, तीन घायल

हसायन। कस्बा के बदनपुर बांण अब्दुलहईपुर मार्ग स्थित एक भूखंड पर मरघट के प्रकरण को लेकर एक दो जाति वर्गो के बीच विवाद छिडा हआ है। कस्बा के वार्ड संख्या दस के मोहल्ला शीशग्रान में एक पक्ष पिछडा वर्ग के कुछ नामजदों के द्वारा दूसरे पक्ष वार्ड संख्या पांच के दलित वर्ग के लोगों के मरघट की जमीन पर आए दिन झगडा फसाद होता रहता है। रविवार आठ नवंबर को दीपोत्सव के पर्व पर दलित समाज के महिला पुरूष अपने मरघट पर पहुंचकर साफ सफाई का कार्य कर रहे थे। तभी दूसरे पक्ष के नामजदों के द्वारा गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। घटना के दौरान दो महिला व एक पुरूष सहित तीन लोग घायल हो गए है। इस दौरान दोनो पक्षों की ओर से जमकर झगडा हुआ। दलित वर्ग की ओर से पिछडा वर्ग के चार नामजद व एक अज्ञात सहित पांच के खिलाफ लिखित तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है। अनीता पत्नी राजबहादुर आठ अक्टूबर को समय एक बजे के करीब मै और मोहल्ले के रेखा पुत्री शंकर लाल, पप्पू पुत्र सूरजपाल, सोनिया पुत्री गोपाल सहित सभी हम सब अपने समाज के मरघट पर पंजाबी के खेत के पास बदनपुर रोड पर साफ सफाई करने लगे। तभी वहां पर रमेश प्रमोद पुत्र महेन्द्र सिंह, नरेन्द्र पुत्र संतोष, धर्मेन्द्र पुत्र प्रेम सिंह कुशवाहा व एक अन्य ने हमे देखते ही गाली गलौज दी। मरघट से जाने का विरोध करने व मना किए जाने पर उपरोक्त नामजदों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी, जिससे मेरे अनीता के हाथों रेखा के आंख के पास पप्पू के सिर में खुली चोट आई है। सभी नामजदों ने कहा कि मरघट पर दोबारा आए ते जान से मार देगें। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी मनीष चिकारा ने बताया कि घटना के संबंध में छानबीन चल रही है।

बच्चों वाला टायर जलाकर दुकान में जंगले से फैंककर लगाई आग

पांच लाख पच्चीस हजार रूपए का सामान जलकर हुआ खाक

हसायन। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा के वार्ड संख्या दो के मोहल्ला कोलियान खुर्द के मुख्य बाजार में स्थापित नूरी मस्जिद के आगे बनी हुई एक दुकान में संचालित किराना स्तर की एक दुकान में अज्ञात युवकों के द्वारा दुकान के पीछे से छत पर चढकर दुकान के पीछे बने हुए जंगले में से दुकान के अंदर बच्चो वाली साइकिल का रबड वाला टायर जलाकर दुकान के अंदर फैंककर आग लगा दी। रबड वाले टायर डालने के कारण दुकान में रखा लाखों रूपए का सारा सामान जलकर राख हो गया। दुकान में आग लग जाने की घटना की जानकारी होने पर पुलिस व फायर बिग्रेड के कर्मचारी आग बुझाने वाले फायर सिस्टम उपकरण को लेकर आग बुझाने का प्रयास करते हुए दिखाई दिए। जब तक आग बुझी तब तक दुकान के अंदर रखा हुआ सारा सामान जलकर राख हो गया। नदीम पुत्र सालिब निवासी मोहल्ला कोलियान खुर्द वार्ड संख्या दो नूरी मस्जिद के सामने बनी हुई एक दुकान को किराए पर लेकर दुकान में ब्याज लेकर दीपोत्सव पर दुकान में किराना स्तर की दुकान खोलकर परिवार का भरण पोषण कर रहा था। नदीम ने बताया कि रविवार आठ नवंबर की देर रात पौने बारह बजे के करीब नूरी मस्जिद के हाफिज हजरत कोकिब रजा ने रात में फोन काल कर दुकानदार नदीम को दुकान में आग लग जाने व धुंआ निकलते देख जानकारी दी। दुकान में आग लगने की जानकारी मिलते ही रात में तत्काल कोतवाली प्रभारी मनीष चिकारा मय पुलिस फोर्स व फायर बिग्रेड की क्षेत्रीय फायर वाहन को लेकर मौके पर पहुंचकर आग को जैसे तैसे बुझाया। घटना के संबंध में पीडित दुकानदार के द्वारा कोतवाली में लिखित तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है।

अठारह पौआ सहित युवक गिरफ़्तार

हसायन। कोतवाली क्षेत्र की सलेमपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव नगला रति से एक युवक को दीपोत्सव के पर्व पर अठारह पौआ देशी शराब सहित गिरफ़्तार किया है। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम बुद्धसेन पुत्र कंचन सिंह निवासी नगला रति बताया है। पुलिस ने युवक के कब्जे से अठारह पौआ ठेका देशी शराब बरामद किए है। पुलिस ने एक्साइज एक्ट की धारा के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भेजकर चिकित्सकीय परीक्षण कराया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सकीय परीक्षण कराए जाने के बाद चालान कर कार्रवाई की है।

भाजपा नेता हेमंत सेंगर ने साथियों संग की कांग्रेस में घर वापसी

हाथरस। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी छोड़कर हेमंत सेंगर ने अपने साथियों के साथ कांग्रेस में घर वापसी की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंविवेक उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में हेमंत सेंगर ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। उनके साथ कई अन्य लोगों ने भी कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास जताते हुए पार्टी का हाथ थामा। हेमंत सेंगर के साथ कृष्णकांत शर्मा एडवोकेट, पूर्व प्रधान उत्तरा पवन कुशवाह, जितेन्द्र सिंह चौधरी विलखोरा, चिराग सेंगर, सूरज कुमार, वेद प्रकाश कुशवाह, देवेन्द्र कुमार शर्मा, रणवीर बघेल एवं धर्मो पंडित जी तिलोठी ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला महासचिव नवीन उपाध्याय, जिला महासचिव श्रीकृष्ण एडवोकेट एवं हिमांशु कौशिक सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद



रहे। कांग्रेस में घर वापसी के बाद हेमंत सेंगर ने कहा कि भाजपा की विचारधारा मुझे पसंद नहीं है। भाजपा सरकार में व्यापारी वर्ग की दुर्दशा हो रही है।

व्यापारी आज अनेक समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन सरकार उनकी परेशानियों को दूर करने के लिए गंभीरता से काम नहीं कर रही है। मैंने भाजपा में रहकर परिस्थितियों को देखा और महसूस किया कि वहां की विचारधारा और राजनीति से मैं स्वयं को जोड़ नहीं पा रहा हूं। कांग्रेस की विचारधारा हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, व्यापारी और आम आदमी के हितों की बात करती है। इसी विश्वास के साथ मैं अपने साथियों के साथ कांग्रेस में वापस आया हूं।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने सभी नए साथियों का स्वागत करते हुए कहा कि उनके जुड़ने से जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने का कार्य किया जाएगा।

डीएम ने वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों को फल एवं मिष्ठान वितरित कर दी दीपावली की शुभकामनाएं

वृद्धजनों की सेवा एवं सम्मान हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, इनके आशीर्वाद से ही सबका कल्याण निहित है : डीएम



हाथरस। दीपावली के शुभ अवसर पर जिलाधिकारी सत्यप्रकाश पटेल ने आगरा रोड स्थित नगला भुस के निकट अशर्फी ग्रामोद्योग संस्थान, छर्रा, अलीगढ़ द्वारा संचालित आवासीय वृद्धाश्रम पहुंचकर अपने परिजनों एवं अधिकारियों के साथ वृद्धजनों को फल एवं मिष्ठान वितरित किए तथा उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना। जिलाधिकारी ने कहा कि दीपावली के पावन पर्व की शुरुआत अपने परिवार एवं अधिकारियों के साथ वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों को फल वितरित करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ की है। त्योहारों पर बुजुर्गों का आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख, समृद्वि एवं कल्याण का आधार होता है। उनकी सेवा और सम्मान में ही समाज का वास्तविक कल्याण निहित है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह जरूरतमंद एवं असहाय लोगों की सहायता के लिए आगे आए। यह प्रसन्नता का विषय है कि शहर के लोगों ने भी इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग दिया है तथा वृद्धाश्रम का संचालन कर रही संस्था द्वारा यहां निवासरत वृद्धजनों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि वृद्धजन हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनकी देखभाल, सेवा एवं सम्मान हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें अपने बुजुर्गो के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनके सुख-दुख में सहभागी बनना चाहिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर, जिलाधिकारी के परिजन, अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीपावली पर बीमार बच्ची को लेकर भटके परिजन, डाक्टरों पर टालमटोल का आरोप

हाथरस। दीपावली के त्यौहार पर हाथरस के सरकारी अस्पताल की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जलेसर रोड स्थित बलराम कॉलोनी के रहने वाले मुकेश राठौर की मासूम बच्ची काव्या गाडी से गिरकर घायल हो गई और उसके चोटें आई, जिसको लेकर परिजन सरकारी अस्पताल पहुंचे, जहां पीड़ित परिवार का आरोप है कि त्यौहार की छुटटी का हवाला देकर डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने इलाज करने के बजाय घंटों टालमटोल की। समय पर प्राथमिक उपचार न मिलने से बच्ची की हालत बिगड़ती चली गई, जिसके बाद उसे रेफर कर दिया गया। त्यौहार के दिन दर-दर भटकने को मजबूर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित परिवार ने इस संवेदनहीनता और अमानवीय लापरवाही को लेकर डीएम और एसपी से न्याय की गुहार लगाई है।

दीपावली पर डीएम एवं एसपी ने शहीद स्मारक स्थल पर दीप प्रज्ज्वलित कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हाथरस। दीपावली के पावन पर्व पर संध्या के समय जिलाधिकारी सत्यप्रकाश पटेल ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ शहीद स्मारक स्थल पहुंचकर शहीदों की प्रतिमाओं पर दीप प्रज्ज्वलित किए तथा पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी से त्योहार को शांति, सौहार्द एवं हर्षोल्लास के साथ मनाने की



अपील की। उन्होंने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्रता और उल्लास के साथ त्योहार मना रहे हैं, उसके पीछे देश के वीर शहीदों का अमूल्य बलिदान है। देश की रक्षा एवं सम्मान के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को याद करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर शहीद स्मारक स्थल पर दीप प्रज्ज्वलित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का उद्देश्य उनके त्याग, बलिदान और योगदान को स्मरण करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उनके अदम्य साहस एवं देशभक्ति से प्रेरणा ले सकें और उनके बलिदान को सदैव याद रखें। शहर भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने बच्चों को मिष्ठान वितरित किया तथा उनसे आत्मीय संवाद स्थापित कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बच्चों के साथ खुशियां साझा करते हुए त्योहार को प्रेम, सद्भाव एवं उल्लास के साथ मनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी पुलिस, हाथरस सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हसायन। कोतवाली के पीछे होकर गुजर रहे क्षेत्र के गांव इन्द्रनगर सिकतरा जाने वाले मार्ग पर रविवार आठ नवंबर की सुबह करीब आठ बजे अज्ञात वाहन ने एक बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। विष्णु शर्मा पुत्र बद्री प्रसाद शर्मा निवासी बरसौली नोएडा की एक कपड़ा मिल में काम करते थे और वहीं रहते थे। दीपावली की पूजा के लिए विष्णु शर्मा अपनी पत्नी के साथ बाइक से अपने पैतृक गांव बरसौली के लिए आ रहे थे।

जैसे ही वह इन्द्रनगर सिकतरा मार्ग पर आए तो इन्द्रनगर सिकतरा मार्ग पर ही किसी अज्ञात वाहन ने विष्णु की बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद विष्णु और उनकी पत्नी बाइक से मौके पर गिर गए। घायल विष्णु को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से जिला चिकित्सालय के लिए रैफर कर दिया, जहां डाक्टरों ने घायल बाइक सवार विष्णु को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने विष्णु के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विष्णु के परिवार में पांच संतानें हैं। हादसे के बाद दीपावली के त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं।

घर की साफ-सफाई करते समय विद्युत हाइटेंशन लाइन से सरिया टकराने से हुई मौत

पानीपत में बर्तन बेचकर करता था परिवार का भरण पोषण

हसायन। कोतवाली क्षेत्र के पुरदिलनगर मार्ग स्थित ग्राम पंचायत बपंडई के माजरा गांव कटाई में विद्युत उपखंड चतुर्थ के अन्तर्गत आने वाले विद्युत उपकेन्द्र पुरदिलनगर से आ रही विद्युत हाइटेंशन ग्यारह हजार केव्वी. हाईबोल्टेज की लाइन से लोहे की सरिया छूने पर एक युवक की मौत हो गई। दीपोत्सव के पर्व पर युवक घर की सफाई करते समय हादसा हुआ। राजकुमार पुत्र सरनाम सिंह गांव में ही मजदूरी करते है। उनका पच्चीस वर्षीय पुत्र गुडडू पानीपत शहर में रहकर बर्तन बेचने के साथ कबाडा स्क्रैप खरीदने का कार्य करता था। वह दीपोत्सव के पर्व पर अपने गांव कटाई स्थित घर आया था। दीपोत्सव पर वह शनिवार सात नवंबर को अपने पिता के साथ घर की साफ-सफाई करा रहा था। तभी वह घर में रखी हुई लोहे की सरिया लेकर घर की छत पर रखने के लिए घर से निकलकर जा रहा था। घर के पास से गुजर रही ग्यारह हजार केव्वीवाली हाई बोल्टेज की विद्युत हाईटेंशन लाइन से लोहे की सरिया छू गई। विद्युत हाइटेंशन लाइन से लोहे की सरिया के माध्यम से करंट लगने से गुडडू की मौके पर ही मौत हो गई। गुडडू की मौत के बाद परिजनों ने तत्काल घटना की जानकारी विद्युत उपकेन्द्र 33/11 पुरदिलनगर पर तैनात कार्यरत अवर अभियंता जेई हाइडिल को दी। घटना के संबंध में मृतक के पिता राजकुमार ने कोतवाली पहुंचकर कोतवाली प्रभारी मनीष कुमार चिकारा को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मृतक के शव के पोस्टमार्टम के लिए कहा, तो परिजनों ने पोस्टमार्टम कराए जाने से इंकार कर दिया। मृतक की एक वर्ष की मासूम पुत्री है। मृतक की शादी चार वर्ष पहले हुई थी। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से घटना की जांच कराने और घरों के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों की सुरक्षा व्यवस्था ठीक कराने की मांग की।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक, साइबर सुरक्षा के बताए उपाय

■ कोतवाली देहात में मिशन शक्ति एवं साइबर क्राइम टीम ने दी ऑनलाइन ठगी, साइबर बुलिंग से बचाव की जानकारी, हेल्पलाइन नंबरों के प्रति किया जागरूक

एटा। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 6.0 अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना कोतवाली देहात जनपद एटा में मिशन शक्ति टीम एवं साइबर क्राइम टीम ने कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को साइबर अपराधों तथा उनकी सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

कार्यक्रम के दौरान टीम ने ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल और



साइबर बुलिंग जैसे अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए उनसे बचाव के उपाय बताए। साथ ही किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी, ओटीपी एवं बैंक संबंधी गोपनीय विवरण साझा न करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। इनमें नशा मुक्ति हेल्पलाइन 14446, वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, एंबुलेंस सेवा 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। इसके अतिरिक्त थानों में स्थापित महिला हेल्प डेस्क एवं मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं से किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में बिना संकोच पुलिस की सहायता लेने तथा उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने की अपील की।

एटा-कासगंज मार्ग पर पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान, यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

■ कोतवाली देहात पुलिस ने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत की वाहनों की जांच, नियमों का पालन करने की दी हिदायत

एटा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. इलामारन जि. के निर्देशन में जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक के के लोधी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एटा-कासगंज मार्ग अंडर पास पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस बल ने मार्ग से गुजरने वाले दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की जांच की। वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा वाहन चलाते



समय आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की गई। थानाध्यक्ष लोधी ने वाहन चालकों को समझाते हुए कहा कि सड़क पर सुरक्षित आवागमन के लिए यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नियमों की अनदेखी न केवल स्वयं के लिए बल्कि दूसरों के लिए भी खतरा बन सकती है। पुलिस ने आमजन से यातायात नियमों का पालन कर सड़क सुरक्षा अभियान को सफल बनाने की अपील की।

दीपावली पर राजकीय बाल गृह पहुंचीं नेहा शर्मा, बच्चों संग बांटी खुशियां, उपहार पाकर खिले मासूमों के चेहरे





फिरोजाबाद। दीपावली के पावन पर्व पर आकांक्षा समिति की अध्यक्ष नेहा शर्मा ने सुहागनगर स्थित राजकीय बाल गृह (बालक) पहुंचकर बच्चों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस दौरान उन्होंने बाल गृह का औचक निरीक्षण कर बच्चों का हालचाल जाना और उन्हें फल, मिठाइयां, गर्म कपड़े, चॉकलेट, पटाखे व आकर्षक उपहार भेंट किए।

उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। नेहा शर्मा ने बच्चों की डायरियां और उनमें बनाई गई पेंटिंग्स देखकर उनकी रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने जनपदवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार की असली खुशी दूसरों के चेहरों पर मुस्कान लाने में है।

हमें ऐसे कार्य करने चाहिए, जिनसे जरूरतमंदों के जीवन में भी खुशियां आएं। बच्चों के साथ बिताए गए स्नेहपूर्ण पलों ने दीपावली के उत्सव को यादगार बना दिया।

घर में डांट से नाराज 10 वर्षीय बालक ने तालाब में लगाई छलांग, पुलिस बनी देवदूत, बचाई मासूम की जान



फिरोजाबाद। मक्खनपुर क्षेत्र के नगला तुरकिया में सोमवार को घर में डांट पड़ने से नाराज 10 वर्षीय अरसद पुत्र मेहराज तालाब में कूद गया। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही एएसपी जयदीप गुप्ता और थाना प्रभारी चमन शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। चेयरमैन प्रतिनिधि दिलीप लोधी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद बालक को सकुशल तालाब से बाहर निकाल लिया। इसके बाद उसे घर पहुंचाकर माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। बालक के सुरक्षित बचने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की तत्परता की सराहना की।

शिकोहाबाद: गोवर्धन पूजा के दिन नाले में मिला 32 वर्षीय युवक का शव, परिवार में मचा कोहराम



फिरोजाबाद। शिकोहाबाद में गोवर्धन पूजा के दिन एक परिवार की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब सोमवार सुबह लगभग 9 बजे एटा तिराहे के पास एक नाले में 32 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और राहगीरों तथा स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान कटरा मीरा निवासी 32 वर्षीय बृजेश (पुत्र राजवीर) के रूप में हुई है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बताया जाता है कि दीपावली की रात मृतक का अपनी पत्नी से कुछ विवाद हुआ था, जिसके बाद वह घर से निकल आया था। बृजेश की शादी करीब 12 वर्ष पूर्व विनीता के साथ हुई थी। मृतक अपने पीछे पत्नी के अलावा तीन बच्चेकृदो बेटियां (निम्मी और अनन्या) तथा एक बेटा (हर्षित) छोड़ गया है। पिता की अचानक मौत से बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। प्रभारी निरीक्षक अनुज राणा ने बताया कि मृतक शराब पीने का आदी था। प्रारंभिक तौर पर यह आशंका जताई जा रही है कि शराब के नशे में नाले में गिरने से उसकी मौत हुई होगी। हालांकि, मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

नानक वाली गली में तमंचे के साथ अभियुक्त गिरफ्तार, थाना दक्षिण पुलिस की कार्रवाई से मचा हड़कंप



फिरोजाबाद। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दक्षिण पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नानक वाली गली से अरशद पुत्र शमीम निवासी मोहल्ला हबीबगंज, थाना रामगढ़ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे के निर्देशन में हुई कार्रवाई के दौरान थाना दक्षिण प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक राजकुमार गौतम, कांस्टेबल दिलीप कुमार, अमित कुमार और जोगेश कुमार पुलिस टीम में शामिल रहे। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी थाना रामगढ़ में मुकदमा दर्ज है। फिलहाल थाना दक्षिण पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो दिन पहले घर से निकला युवक मृत मिला, परिवार में मचा कोहराम



फिरोजाबाद। थाना एका क्षेत्र के गांव दत्तगढ़ में सोमवार सुबह 18 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान प्रशांत पुत्र शंभू गिरि निवासी दत्तगढ़ के रूप में हुई है। बताया गया कि प्रशांत दो दिन पहले घरेलू विवाद के बाद घर से चला गया था। सोमवार सुबह गांव के बाहर उसका शव मिलने की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची थाना एका पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। प्रशांत दो भाइयों में सबसे छोटा था और दिल्ली में नौकरी करता था। युवक की मौत का कारण फिलहाल

फिरोजाबाद में कॉस्मेटिक गोदाम बना आग का गोला, लाखों का सामान जलकर राख, आधा दर्जन दमकल गाड़ियों ने पाया काबू



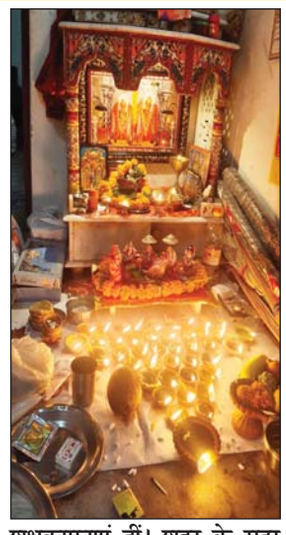
फिरोजाबाद। थाना दक्षिण क्षेत्र के कटरा सुनारन स्थित अनमोल कॉस्मेटिक के गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। घनी आबादी के बीच उठती आग की लपटों ने लोगों में दहशत पैदा कर दी। देखते ही देखते आग गोदाम की दूसरी और तीसरी मंजिल तक फैल गई। सूचना पर पहुंचीं करीब आधा दर्जन दमकल गाड़ियों को संकरी गलियों के कारण घटनास्थल तक पहुंचने में परेशानी हुई। दमकल कर्मियों ने लंबी पाइपलाइन बिछाकर आग बुझाने का अभियान चलाया। आग पर काबू पाने के लिए गोदाम की दीवार तक तोड़नी पड़ी। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। अग्निकांड में लाखों रुपये का कॉस्मेटिक सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी सतेंद्र कुमार पांडे ने घटना और राहत-बचाव कार्य की विस्तृत जानकारी दी।

दीपों की रोशनी से जगमगाया फिरोजाबाद, घर-घर हुआ मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन

रंग-बिरंगी झालरों और दीपकों से सजे घर-बाजार

■ आतिशबाजी के बीच उत्साह और उल्लास से मनाया गया दीपावली पर्व







फिरोजाबाद। सुहागनगरी फिरोजाबाद में रविवार को दीपावली का पर्व श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक दीपों की रोशनी से घर, दुकानें और प्रतिष्ठान जगमगा उठे। शाम होते ही लोगों ने शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की। घरों में रंगोली सजाई गई और मुख्य द्वारों पर दीपक जलाए गए। रंग-बिरंगी बिजली की झालरों से सजे मकान और बाजार आकर्षण का केंद्र बने रहे। पूजा-अर्चना के बाद बच्चों और युवाओं में आतिशबाजी को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर मिठाइयां बांटीं और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। शहर के सदर बाजार, सुहागनगर, जलेसर रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों में दीपावली की रौनक देखने को मिली। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों ने परंपरागत तरीके से दीप जलाकर पर्व मनाया। मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई। देर रात तक दीपावली की खुशियां मनाने का सिलसिला जारी रहा।

दिवाली पर करीना कपूर को आया माता-पिता पर प्यार



मुंबई । बॉलीवुड सेलेब्स अपने करीबियों और प्रियजनों के साथ दिवाली मना रहे हैं। इस मौके पर करीना कपूर ने अपने परिवार के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इनमें उनके पिता रणधीर कपूर और मां बबीता कपूर नजर आ रहे हैं। करीना कपूर का माता-पिता के साथ तस्वीरें शेयर करना इसलिए खास क्योंकि उनके माता-पिता बहुत कम नजर आते हैं। उनकी बहन करिश्मा कपूर भी वहां मौजूद थीं। एक तस्वीर में करीना के बेटे तैमूर ने अपने नाना को गले लगाया है। इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों को शेयर करते हुए करीना ने कैप्शन में लिखा, जीना यहां, मरना यहां, मां और पापा के सिवाय, जाना कहां? सभी को दीवाली की शुभकामनाएं। अपने माता-पिता से प्यार करना ही सबकुछ है। करीना कपूर अभिनेता रणधीर कपूर और बबीता की बेटी हैं। उनकी बड़ी बहन करिश्मा कपूर भी एक अभिनेत्री हैं। करीना की शादी सैफ अली खान से हुई है और उनके दो बेटे हैं- तैमूर और जहांगीर। करीना अक्सर त्योहारों और पारिवारिक मिलन-समारोहों के दौरान अपने बेटों की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। एक पॉडकास्ट में करीना ने अपने परिवार के बारे में कहा कि मेरी मां (बबीता) एक बहुत ही मध्यमवर्गीय परिवार से आती थीं। मेरे नाना (हरि शिवदसानी) भी एक अभिनेता थे, मगर हमें कभी ऐसा महसूस नहीं कराया गया कि हम किसी फिल्मी परिवार से हैं। मैं पहली बार 8 या 9 साल की उम्र में किसी सेट पर गई थी। जब चिंटू अंकल कश्मीर में रेखा जी के साथ शूटिंग कर रहे थे। उन दिनों मेरे दादाजी (राज कपूर) भी बहुत आराम से रहते थे। किसी को भी यह महसूस नहीं होता था कि वह बहुत बड़े सितारे हैं। वह कला और संस्कृति के प्रति बहुत जुनूनी थे। करीना अपने चैट शो व्हाट विमेन वांट के साथ वापस आ गई हैं। उन्हें सैफ के साथ कॉफी विद करण के एक एपिसोड में भी देखा गया था। वहां इस जोड़े ने पिछले साल उनके घर पर सैफ पर हुए चाकू के भयानक हमले के बारे में विस्तार से बात की। काम की बात करें तो करीना हाल ही में इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा दायरा में मुख्य भूमिका निभाती नजर आई। इस फिल्म में करीना और पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस अधिकारियों के किरदार में हैं। दोनों किशोर अपराध की अंधेरी और दुनिया से निपटते हुए एक-दूसरे के आमने-सामने आते हैं।

चीन में बहुमंजिला इमारत में भीषण आग, 14 लोगों की मौत

60 को सुरक्षित निकाला गया



शिघांई। चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत की राजधानी ताइयुआन में एक बहुमंजिला इमारत में आग लग जाने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि रविवार शाम चार बजकर 59 मिनट पर इमारत में आग लगी। सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' की खबर के अनुसार, आग को दोबारा भड़कने से रोकने के लिए दमकलकर्मियों ने शहर के यिंग्जे जिले में इमारत की ऊपरी मंजिलों के पास आग से प्रभावित हिस्से पर पानी डालने के लिए ऊंचाई पर आग बुझाने वाले उपकरणों का इस्तेमाल किया। इस दौरान इमारत की कुछ मंजिलों से धुआं लगातार उठता रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, इमारत में कई प्रशिक्षण संस्थान हैं और इसके पास ही एक होटल स्थित है।

चीन ने दुनिया की सबसे बड़ी चिप कंपनी के उएड के आरोप किए खारिज

जेनसन हुआंग को हनीट्रैप में फंसाने के मामले में दी सफाई

शिंघाई। चीन ने सोमवार को उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि चीनी जासूसों ने एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग को अपने जाल में फंसाने के लिए साजिश रची थी। चीन ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि यह बीजिंग को बदनाम करने की कोशिश है।चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने सोमवार को कहा कि चीनी जासूस होने का आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने इसे चीन की छवि खराब करने का प्रयास बताया। यह विवाद अमेरिकी समाचारपत्र 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की एक रिपोर्ट के बाद सामने आया। रिपोर्ट के मुताबिक, जेनसन हुआंग ने कंपनी के निदेशक मंडल के सामने एक महिला कारोबारी अधिकारी के साथ विवाहेतर संबंध होने की बात स्वीकार की थी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को संदेह है कि संबंधित महिला चीन के लिए सूचनाएं जुटा रही थी।

रिपोर्ट के अनुसार, जेनसन हुआंग ने कंपनी को भेजे संदेश में अपने निजी संबंधों को लेकर माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी पत्नी के साथ बेवफाई की और उनके इस कृत्य से पत्नी तथा बच्चों को ठेस पहुंची है। हुआंग ने अपने संदेश में कहा कि उनके व्यवहार को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता और उन्हें इसका गहरा अफसोस है। हालांकि, उन्होंने अपने संदेश में संबंधित महिला का नाम नहीं बताया। हुआंग की स्वीकारोक्ति के बाद एनवीडिया ने रविवार को मामले की जांच की घोषणा की। कंपनी के निदेशक मंडल ने कहा कि फिलहाल उसके पास ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है कि राष्ट्रीय सुरक्षा या एनवीडिया की गोपनीय जानकारी से समझौता हुआ है।हालांकि, जांच के दौरान मामले से जुड़ी सभी उपलब्ध जानकारियों की पड़ताल की जाएगी। निदेशक मंडल ने कहा कि जेनसन हुआंग जांच का पूरा समर्थन कर रहे हैं और उन्होंने इसमें सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई है।

लंदन में भारतीय मूल की महिला की गोली मारकर हत्या, 31 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय मूल की 26 वर्षीय एक महिला की हत्या के आरोपी 31 वर्षीय व्यक्ति को सोमवार को अदालत में पेश किया गया। महिला पिछले सप्ताह पश्चिम लंदन के एक घर में गोली लगने से जख्मी हालत में पाई गई थी और उसे मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया था। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि हंस्लो के चर्टसी रोड स्थित एक मकान में महिला की कुशल-क्षेम का जायजा लेने पहुंची पुलिस को वह गोली लगने से घायल अवस्था में मिली, जिसकी पहचान बाद में नवनीत कौर के रूप में हुई। घटना के तुरंत बाद भारतीय मूल के ही रजत जसवाल नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसे हत्या और जीवन को खतरे में डालने के इरादे से आग्नेयास्त्र रखने के आरोपों में हेंडन मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। जांच का नेतृत्व कर रही जांच अधिकारी सारा ली ने कहा, "हमारी संवेदनाएं नवनीत के परिवार और उनके प्रियजनों के साथ हैं, जो इस दुखद क्षति से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।" उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए हैं, लेकिन मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस ऐसे किसी भी व्यक्ति से जानकारी हासिल करना चाहती है जो जांच में मदद कर सके। इसके साथ ही पुलिस ने स्थानीय लोगों से क्षेत्र के घरों के दरवाजों पर लगे सुरक्षा कैमरों या गाड़ियों में लगे कैमरों की फुटेज उपलब्ध कराने की अपील की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रक्रिया पर खड़े किए सवाल

चुनाव के सर्वे इतने गलत कैसे हो गए?



वाशिंग्टन। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली हार के बाद पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने चुनाव की निष्पक्षता पर संदेह जताते हुए पूछा कि क्या वास्तव में ये चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए गए थे? ट्रंप ने चुनाव के नतीजों और मतदान के आंकड़ों पर भी सवाल उठाए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, "क्या कोई वास्तव में मानता है कि ये चुनाव निष्पक्ष थे? चुनाव से पहले के सर्वेक्षण इतने गलत कैसे हो सकते हैं?" उन्होंने दावा किया कि शुरूआती मतदान के कुछ चरणों में इतने बड़े पैमाने पर वोट पड़े कि इसके बाद जीत हासिल करना लगभग असंभव हो गया था, चाहे कितने भी लोग मतदान करने क्यों न पहुंचते। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में मतदान मशीनों को लेकर भी संदेह जताया। उन्होंने कहा कि अब चुनाव में मतदाताओं से ज्यादा अहमियत मशीनों की हो गई है। हालांकि, ट्रंप ने अपने आरोपों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। वहीं, अमेरिकी चुनाव अधिकारियों की ओर से भी उनके इन बयानों पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मिडटर्म चुनाव के नतीजों के बाद ट्रंप लगातार सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इससे पहले उन्होंने चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत को शेयर बाजार में आई गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहराया था। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका ने इतिहास में एक बड़ा कदम पीछे की ओर बढ़ाया है। चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद उनके लगातार आ रहे बयानों से अमेरिकी राजनीति में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

लंदन में भारतीय मूल की महिला की गोली मारकर हत्या, 31 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार



वॉशिंगटन। भारतीय मूल की 26 वर्षीय एक महिला की हत्या के आरोपी 31 वर्षीय व्यक्ति को सोमवार को अदालत में पेश किया गया। महिला पिछले सप्ताह पश्चिम लंदन के एक घर में गोली लगने से जख्मी हालत में पाई गई थी और उसे मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया था। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि हंस्लो के चर्टसी रोड स्थित एक मकान में महिला की कुशल-क्षेम का जायजा लेने पहुंची पुलिस को वह गोली लगने से घायल अवस्था में मिली, जिसकी पहचान बाद में नवनीत कौर के रूप में हुई। घटना के तुरंत बाद भारतीय मूल के ही रजत जसवाल नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसे हत्या और जीवन को खतरे में डालने के इरादे से आग्नेयास्त्र रखने के आरोपों में हेंडन मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। जांच का नेतृत्व कर रही जांच अधिकारी सारा ली ने कहा, "हमारी संवेदनाएं नवनीत के परिवार और उनके प्रियजनों के साथ हैं, जो इस दुखद क्षति से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।" उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए हैं, लेकिन मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस ऐसे किसी भी व्यक्ति से जानकारी हासिल करना चाहती है जो जांच में मदद कर सके। इसके साथ ही पुलिस ने स्थानीय लोगों से क्षेत्र के घरों के दरवाजों पर लगे सुरक्षा कैमरों या गाड़ियों में लगे कैमरों की फुटेज उपलब्ध कराने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, चार नवंबर (बुधवार) की दोपहर पुलिस अधिकारी चर्टसी रोड स्थित मकान पर महिला की कुशल-क्षेम जांचने पहुंचे थे, जहां उन्हें नवनीत कौर गोली लगने के कारण गंभीर हालत में मिलीं। अत्यधिक गंभीर चोटों के कारण उन्हें मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

गभाना में चचेरे भाई की पीट-पीटकर हत्या

❑ खेत में पानी कटने को लेकर हुआ था विवाद ❑ हमलावर की तलाश में पुलिस दबिश



अलीगढ़। गभाना के गांव भूपाल नगलिया में सोमवार सुबह करीब 9 बजे खेत में पानी कटने के पुराने विवाद में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने चचेरे भाई को लाठी-डंडों और लोहे की रोड से पीटा। हत्या के बाद हमलावर मौके से भागने में सफल रहे, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया।

गांव भूपाल नगलिया निवासी सोमवीर सिंह उर्फ सोनू (40) दिल्ली में बिजली मिस्त्री था। वह दिवाली पर रविवार रात करीब आठ बजे गांव आया था। पिता रेशमपाल सिंह ने बताया परिवार के ही अर्जुन ने रविवार रात गाली-गलौज की। पुलिस को दी सूचना के बाद मामला शांत हो गया। सोमवार सुबह सोमवीर घर पर खराब सबमर्सिबल पंप ठीक कर रहा था, वह किसी सामान की जरूरत पर घर से बाहर निकला। बाहर घात लगाए अर्जुन, प्रदीप और अनुज ने उसे पकड़ा और लाठी-डंडों और लोहे की रोड से पीटा। सोमव. ीर भागकर पास के घेर में गया, जहां भी हमलावरों ने जमकर पीटा। शोर सुनकर परिजन दौड़े, जिन्हें देखकर हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल सोमवीर को परिजन साम. ुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जिला अस्पताल में डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा।

घटना की सूचना पर इलाका पुलिस और एएसपी, सीओ सृष्टि जैन घटनास्थल पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य संकलित किए। मृतक की मां गुडिया, पत्नी साधना, बेटियां इच्छा, परीक्षा और बेटा गोलू का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक के भाई धीरज के उसी सुबह एक बेटी भी पैदा हुई थी।

परिजनों का कहना था कि सितंबर में रेशमपाल सिंह के तीसरे भाई भंवरपाल सिंह के खेत का पानी विजेंद्र के बेटे अर्जुन के खेत में चला गया। इसी बात पर अर्जुन और उसके बेटे अनुज ने रेशमपाल सिंह के घर आकर गाली-गलौज की। उन्होंने दीपक, धीरज की पिटाई भी की थी, जिससे उन्हें चोटें आई थीं। इस मामले में 8 अक्तूबर को दीपक की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने तब शांति भंग की कार्रवाई की थी।

ग्राम प्रधान बमनाई की हत्या का प्रयास

अकराबाद। थाना के गांव बमनोई के ग्राम प्रधान अखिलेश दीक्षित ने गांव के ही कुछ लोगों पर रास्ते में घेरकर हत्या के इरादे हमला करने, गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया। ग्राम प्रधान के अनुसार, आरोपितों ने उनकी गर्दन दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। मारपीट में उन्हें गंभीर चोटें आई, जबकि उनकी गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

अखिलेश दीक्षित ने बताया कि वह माड़ी वाले बाबा के यहां से अमित, प्रदीप और सुरजीत के साथ गाड़ी से लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे रोहित, बंटी और मनोहर सहित उनके परिवार की महिलाएं गाड़ी के आगे आ गईं और गाड़ी रुकवा ली। इसके बाद आरोपितों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि बंटी और रोहित ने उनकी गर्दन दबा दी, जिससे उनकी सांस रुकने लगी। साथ मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें बचाया। इसके बाद आरोपितों ने लाठी-डंडों से मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया।

ग्राम प्रधान का आरोप है कि इस दौरान मनोहर ने पूर्व में दर्ज मुकदमे की रंजिश को लेकर धमकी दी कि इन्हें बचकर नहीं जाने देना है। शोर-शराबा सुनकर गांव के कई लोग मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने उन्हें आरोपितों के चंगुल से बचाया। आरो. पितों ने आगे भी जान से मारने की धमकी दी। अखिलेश दीक्षित ने बताया कि आरोपित पूर्व की प्रधानी की रंजिश मानते चले आ रहे हैं। उन्होंने पुलिस से मामले में कार्रवाई कर आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कार की चपेट में आकर दंपत्ति की मौत

❑ इगलास में हुआ हादसा ❑ शादी का निमंत्रण देकर लौट रहे थे दंपत्ति



अलीगढ़। इगलास के अलीगढ़-मथुरा राजमार्ग पर रविवार शाम गांव हस्तपुर के समीप कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दंपती की मौके पर ही मौत हो गई। दिल्ली नंबर की कार पर 'न्याय विभाग' लिखा हुआ था। दंपती शादी का निमंत्रण देकर लौट रहे थे।

हरदुआगंज के गांव सपेरा भानपुर निवासी आरिफ (45) पत्नी सकीना के साथ इगलास के गांव विशाहुली स्थित ससुराल आए थे। वह यहां भतीजी की शादी का निमंत्रण, शादी की डलिया देने पहुंचे थे। रविवार शाम दोनों बाइक से गांव लौट रहे थे। मौहरैनी मोड़ पर सामने से आई कार की टक्कर से बाइक के परखच्चे उड़ गए। दंपती लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े।

राहगीरों की मदद से पुलिस ने दोनों को सीएचसी इगलास पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरिफ टाइल्स-पत्थर लगाने का काम करते थे। इंस्पेक्टर इगलास ईश्वर सिंह गया है। परिजनों से तहरीर तोमर ने बताया कि दोनों मिलते ही प्रथम सूचना रिपोर्ट वाहनों को कब्जे में लेकर दर्ज कर विधिक कार्रवाई की शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगी।

आज रहेगा सरकारी आवकाश

अलीगढ़। 19 अक्टूबर, 2026 को स्थानीय अवकाश घोषित किया था। जिसके बाद शासन की ओर से महानवमी पर 19 अक्टूबर को निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के अधीन सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया। इसी को देखते हुए जिले में पूर्व में घोषित स्थानीय अवकाश 19 अक्टूबर के स्थान पर अब 10 नवंबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया।

डीएम ने आदेश में कहा कि यह संशोधन स्थानीय अवकाश घोषित करने के संबंधी शासन, प्रचलित प्रावधानों के अधीन किया जा रहा है। वर्ष 2026 के लिए पूर्व में घोषित स्थानीय अवकाश संबंधी आदेश के अन्य प्रावधान यथावत रहेंगे।

अकराबाद में दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार



अकराबाद। थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक ने किशोरी संग दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद उसकी वीडियो बनाकर बायरल करने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

थाना पुलिस ने बताया कि इलाके के युवक ने रविवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अमित कुमार निवासी गोपी अकराबाद मूल निवासी शंकरगढ़ अकराबाद ने उसकी नाबालिक बहन के साथ दुष्कर्म करते हुए उसकी वीडियो भी बना ली। जिसे वायरल करने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज करते हुए आरोपित को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में इंस्पेक्टर क्राइम राजीत वर्मा, एसआई सतेंद्र कुमार सिंह और हैडकांस्टेबल धर्मपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

चौथ वसूली को लेकर इगलास में भिड़े दो गुट, पुलिस से धक्का-मुक्की

❑ मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल ❑ पुलिस के सामने चलायीं लाठियां और पत्थर ❑ पुलिस ने लठियाकर दबोचे 13 लोग ❑ मौके पर पहुंचा अतिरिक्त फोर्स





अलीगढ़। इगलास कस्बा में रविवार शाम दीपावली के उल्लास के बीच उस समय हड़कंप मच गया जब अलीगढ़ रोड पर एक्सिस बैंक के पास दो गुटों के बीच जमकर संघर्ष हो गया। दुकादारों ने शटर गिरा दिए। 50 हजार रुपये प्रति माह की चौथ वसूली की मांग को लेकर उपद्रवियों ने पुलिस की मौजूदगी में भी लाठियां और पत्थर चलाए। पुलिस के साथ भी धक्का-मुक्की व बदतमीजी की। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर मौके से दोनों पक्षों के करीब 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

थाना पुलिस ने बताया कि रविवार शाम उपनिरीक्षक अजीत कुमार पुलिस टीम के साथ पैदल गश्त व चेकिंग ड्यूटी पर थे। सूचना मिली कि एक्सिस बैंक के पास दो पक्षों के बीच भारी मारपीट हो रही है। मौके पर गांव तेहरा निवासी मनीष और गांव सतलापुर निवासी कुलदीप के गुट आमने-सामने थे। एसआई अजीत सिंह की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे से हर महीने 50-50 हजार की रंगदारी मांग रहे थे, तेहरा वालों का कहना है कि अगर सतलापुर वाले इगलास जाएंगे तो 50 हजार रुपये देने होंगे वहीं सतलापुर ग्रुप का कहना है कि तेहरा ग्रुप के लोग जाएंगे तो उनको 50 हजार रुपये देने पड़ेंगे।

एक-दूसरे के ऊपर हमला होते देख मुख्य मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीर जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे, वहीं आसपास के दुकानदारों और मकान मालि. कों ने डर से अपनी दुकानों के शटर और दरवाजे बंद कर लिए। वाहनों के पहिए जहां के तहां थम गए।

पुलिस टीम ने स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की। इसके बाद थाने से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर बल प्रयोग किया गया और हालात पर काबू पाया गया। इस संघर्ष में दोनों पक्षों के कई युवक सिर और संवेदनशील अंगों पर गंभीर चोट लगने से घायल हुए हैं, जबकि 15-20 अज्ञात आरोपी मौके से फरार हो गए। चर्चा यह भी है कि दोनों गांवों के पढ़ने वाले छात्रों के मध्य प्रेम प्रसंग से जुड़े मामले को लेकर तकरार हो गई थी, इसके बाद यह मामला बड़ों-बड़ों तक पहुंच गया। थाना पुलिस ने बताया कि इस मामले में तेहरा निवासी प्रदीप, राधे, मनीष चौधरी, करन चौधरी, रिंकू कुमार, प्रमोद कुमार, सुमित, जितेंद्र कुमार, लक्की चौधरी और सतलापुर के कुलदीप, राहुल, योगेश, पिथैर के नितिन को गिरफ्तार किया है।

-------- बयान

दो पक्षों द्वारा मारपीट की सूचना प्राप्त हुई थी, जिस पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची। दोनों पक्षों द्वारा की गई घटना के संबंध में पुलिस द्वारा सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। घटना में सम्मिलित दोनों पक्षों के कुल 13 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। कस्बे में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए गश्त व पिकेट तैनात कर दी गई है।

⇨संजीव कुमार शर्मा, सीओ इगलास

एएमयू का सामुदायिक चिकित्सा विभाग साप्ताहिक जन आरोग्य मेले में कर रहा सहयोग

अलीगढ़। एएमयू के मेडिकल कॉलेज (जेएनएमसी) का सामुदायिक चिकित्सा विभाग अगस्त 2026 से प्रत्येक रविवार को जमालपुर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के संचालन में जिला स्वास्थ्य विभाग, अलीगढ़ के साथ सहयोग कर रहा है। इन साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविरों में चिकित्सकीय परामर्श, सामान्य बीमारियों की जांच, स्वास्थ्य शिक्षा, परामर्श और जरूरतमंद मरीजों को उचित चिकित्सा केंद्रों पर भेजने की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इनमें बीमा. रियों की शुरुआती पहचान और समय पर उपचार पर विशेष जोर दिया जाता है। विभागाध्यक्ष प्रो. उज्मा इरम ने बताया कि सामुदायिक चिकित्सा विभाग के रेजिडेंट और इंटर्न नियमित रूप से इन शिविरों में भाग लेते हैं।

हवन से नकारात्मक दूर होकर सकारात्मक ऊर्जा का होता है संचार: गोविंद



अलीगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारका पुरी संघ कार्यालय पर हवन यज्ञ किया। सुबह से ही कार्यालय परिसर में स्वयंसेवकों, कार्यकर्ताओं द्वारा वैदिक मंत्रों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, दीप प्रज्ज्वलन और हवन पूजन के साथ हुआ। मुख्य पुरोहित प्रशांत शास्त्री ने मुख्य यजमान धीरज कुमार संग सुधा, अन्य स्वयंसेवकों ने विधि-विधान से हवन कराया। सभी हवन कुंड में आहुति देकर देश, समाज और परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और राष्ट्र के कल्याण की कामना की। हवन में घी, जौ, तिल, गुग्गल जैसी औषधीय सामग्री की आहुति से उठी सुगंध से पूरा परिसर सुगंधित हो उठा। हवन के दौरान सभी लोगों ने एक साथ बैठकर मंत्र जाप किया, जिससे वहां उपस्थित हर व्यक्ति को एक अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ।

प्रांत सह शारीरिक शिक्षक प्रमुख राम शंकर ने हवन से होने वाले लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हवन भारतीय संस्कृति की अत्यंत प्राचीन और वैज्ञानिक परंपरा है, जो ऋषि-मुनियों के समय से चली आ रही है। हवन में डाली जाने वाली औषधीय सामग्री से वातावरण शुद्ध होता है और वायु में फैले हानिक. ारक कीटाणु नष्ट होते हैं। इससे आसपास का वातावरण पवित्र और रोगमुक्त होता है।

विभाग प्रचारक गोविंद ने कहा कि हवन से नकारात्मक ऊर्जा दूर होकर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हवन से मन को शांति, एकाग्रता और मानसिक शक्ति मिलती है। जो व्यक्ति नियमित रूप से हवन करता है, उसका मन स्थिर रहता है, तनाव दूर होता है और कार्य करने की क्षमता बढ़ती है। हवन से स्वास्थ्य अच्छा रहता है, रोगों से बचाव होता है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है। हवन केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि पर्यावरण शुद्धि और स्वास्थ्य रक्षा का भी एक उत्तम साधन है। विभाग कार्यवाह अजय सर्राफ ने कहा कि आज के समय में जब प्रदूषण और बीमा. रियां बढ़ रही हैं, तब हवन जैसी परंपराएं और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। हवन से वायु शुद्ध होती है, वर्षा में सहायक होता है और धरती की उर्वरता भी बढ़ती है।

यही कारण है कि हमारे पूर्वज हवन को दैनिक जीवन का हिस्सा मानते थे। कार्यक्रम के अंत में संघ के पंच परिवर्तन पर महानगर प्रचारक राम गोविंद ने कहा कि संघ ने समाज परिवर्तन के लिए पंच परिवर्तन का संकल्प लिया है, जिसे प्रत्येक स्वयंसेवक को अपने जीवन में उतारना होगा।

वक्ताओं ने लोगों से आह्वान किया कि वे इन पंच परिवर्तनों को केवल सुनें नहीं, बल्कि अपने दैनिक जीवन में अपनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यदि हर परिवार में कुटुंब प्रबोधन होगा, समाज में समरसता होगी, पर्यावरण की रक्षा होगी, स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा और हर व्यक्ति अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करेगा, तभी एक मजबूत, समृद्ध और संस्कारवान राष्ट्र का निर्माण संभव होगा। इस दौरान महानगर संघ चालक देवेंद्र कुमार हनुमान, महानगर सह संघचालक रतन कुमार मित्र, महानगर कार्यवाह डॉ. सुनील चौहान, सह कार्यवाह पंकज कुमार, प्रदीप पांडे, प्रीतम, भूपेंद्र शर्मा, टीकम सिंह, हिमांशु शर्मा, महानगर प्रचार प्रमुख सुधीर शर्मा, रजत चौधरी, हरिओम यादव, मधुकर आर्य, खूब सिंह, हुकम सिंह, ललित भारद्वाज, पुष्पेंद्र पाराशर, लव वार्ष्णेय, विवेक अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने को हर नागरिक का मतदाता सूची में पंजीकरण जरूरी

❑18 के युवा फार्म-6 भरकर मतदाता सूची में दर्ज कराएं नाम ❑ऑन लाइन पोर्टल, वोटर हेल्पलाइन ऐप, बीएलओ से आवेदन की सुविधा

अलीगढ़। लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक पात्र नागरिक की सक्रिय भागीदारी से सुनिश्चित होती है। इसी उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को अद्यतन, समावेशी एवं त्रुटिरहित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फार्म-6 भरकर अपना पंजीकरण अवश्य कराएं। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आगे आना चाहिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना मतदान करने की पहली और अनिवार्य शर्त है। इसलिए कोई भी पात्र नागरिक पंजीकरण से वंचित न रहे, इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदक का भारतीय नागरिक होना, संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में सामान्य रूप से निवास करना तथा निर्धारित अर्हता तिथि पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करना आवश्यक है। निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष में चार अर्हता तिथियां निर्धारित की गई हैं, जो 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर हैं।

घर बैठे ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

पात्र नागरिक भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन फार्म-6 भर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। जो नागरिक ऑनलाइन आवेदन करने में सक्षम नहीं हैं, वे अपने क्षेत्र के बीएलओ अथवा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय से फार्म-6 प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा कर सकते हैं।

आवेदन का आयु निवास प्रमाण जरूरी

फार्म-6 के साथ हाल का पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, आयु प्रमाण एवं निवास प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। आयु प्रमाण के लिए आधार कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस अथवा जन्मतिथि अंकित कक्षा 10वीं या 12वीं की अंकतालिका लगाई जा सकती है। इसी प्रकार निवास प्रमाण के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट, बिजली-पानी या गैस कनेक्शन का बिल, बैंक अथवा डाकघर की पासबुक, भूमि स्वामित्व अभिलेख, किसान बही, पंजीकृत किरायानामा अथवा मकान की रजिस्ट्री में से निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत किए जा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधार संख्या उपलब्ध कराना स्वैच्छिक है। आधार संख्या नहीं होने पर भी पात्र नागरिक मतदाता पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। केवल आधार कार्ड होना मतदाता पहचान पत्र जारी होने का आधार नहीं है, बल्कि इसके लिए निर्धारित पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने लोगों से आह्वान किया कि वे स्वयं अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के साथ ही अपने परिवार, आसपास के युवाओं एवं अन्य पात्र नागरिकों को भी इसके लिए प्रेरित करें। लोकतंत्र तभी अधिक सशक्त और सहभागी बनेगा, जब प्रत्येक पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होकर अपने मताधिकार के प्रति जागरूक होगा।

एएमयू शैक्षणिक महोत्सव में शामिल

अलीगढ़। एएमयू के जाकिर हुसैन कालिज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालोजी वास्तुकला विभाग शिक्षकों, विद्यार्थियों की टीम ने लखनऊ में आयोजित 'आरंभ- लखनऊ' वास्तुकला शैक्षणिक महोत्सव में भाग लिया। आयोजन काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्व विद्यालय सभागार में किया।

गोवर्धन आज, शुभ मुहूर्त में करें पूजन

अलीगढ़। दिवाली के अगले दिन कई जगहों पर गोवर्धन पूजा मनाई जाती है, लेकिन इस बार तिथि की गणना के कारण यह पर्व 10 नवंबर को मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पं. हृदय रंजन शर्मा ने बताया की पंचांग के अनुसार गोवर्धन पूजा कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को की जाती है। पंचांग के अनुसार साल 2026 में कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा तिथि 9 नवंबर को दोपहर 12 बजकर 31 मिनट पर शुरू होगी और 10 नवंबर को दोपहर 2 बजे समाप्त होगी. उदया तिथि के आधार पर गोवर्धन पूजा 10 नवंबर, मंगलवार को मनाई जाएगी।

गोवर्धन पूजा का शुभ मुहूर्त

अभिजीत मुहूर्त - सुबह 11:44 से दोपहर 12:27 तक, गोधूलि मुहूर्त शाम 5:30 से 6:00 बजे तक रहेगा। उन्होंने बताया कि गोवर्धन पूजा का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ा हुआ है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्रदेव के प्रकोप से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठा लिया था. उन्होंने सात दिनों तक पर्वत को धारण करके गो. कुलवासियों और उनके पशुओं की रक्षा की थी. मान्यता है कि तभी से गोवर्धन पूजा की परंपरा शुरू हुई।

खैर पुलिस ने पकड़ा 10 हजारी

अलीगढ़। खैर की पुलिस टीम ने 10 हजार रूपए के इनामी आरोपित समीर पुत्र जलालुद्दीन उर्फ जल्लू निवासी मौ. व्यापारीयान रूनकता सिकन्दरा आगरा को खैर से गिरफ्तार किया। पुलिस टीम में इंस्पेक्टर राजीव कुमार, एसआई ऋषिपाल कसाना, कांस्टेबल जयपाल और शुभम कुमार आदि थे।

JOB VACANCY

बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (IBPS)

सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर, असिस्टेंट और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट

अंतिम तिथि - 12 नवंबर 2026

पद विवरण

आईबीपीएस ने अलग-अलग पदों के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता और कार्य-अनुभव निर्धारित किया है।

सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस या सूचना प्रौद्योगिकी (IT) में बीई/बीटेक डिग्री के साथ संबंधित क्षेत्र में कम से कम 3 साल का कार्य अनुभव अनिवार्य है।

असिस्टेंट- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री। इसके साथ एडवांस्ड एमएस एक्सेल का ज्ञान तथा एमआईएस रिपोर्टिंग या डाटा संबंधित कार्य में 2 वर्ष का अनुभव जरूरी है।

प्रोग्रामिंग असिस्टेंट - कंप्यूटर साइंस या आईटी में बीसीए (BCA), बीएससी (B.Sc) अथवा संबंधित इंजीनियरिंग डिग्री और 2 वर्ष का अनुभव।

आयु सीमा

आयु सीमा (1 अक्टूबर 2026 के अनुसार)- सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर पद के लिए आयु 25 से 33 वर्ष तथा असिस्टेंट व प्रोग्रामिंग असिस्टेंट के लिए 23 से 30 वर्ष तय की गई है। आरक्षित वर्गों को ऊपरी आयु सीमा में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

आवेदन शुल्क- सभी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 250 रुपये निर्धारित किया गया है, जिसका भुगतान ऑनलाइन मोड में करना होगा।

वेतन पैकेज- चयनित उम्मीदवारों को बेहद आकर्षक सैलरी पैकेज दिया जाएगा। सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर पद का वार्षिक सीटीसी (CTC) लगभग 14.09 लाख रुपये है, जबकि असिस्टेंट और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट पदों के लिए वार्षिक सीटीसी लगभग 10.57 लाख रुपये निर्धारित है।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों का चयन आवेदन पत्रों की स्क्रूटनी, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (DV), ऑनलाइन लिखित परीक्षा और पर्सनल इंटरव्यू के आधार पर होगा। परीक्षा का आयोजन नवंबर 2026 में संभावित है।

आवेदन कैसे करें?

आधिकारिक वेबसाइट ibps.in पर जाएं।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL)

350 प्रोबेशनरी इंजीनियर

अंतिम तिथि - 18 नवंबर 2026

पद विवरण

इस भर्ती के तहत कुल 350 पद भरे जाएंगे। पदों का विवरण इस प्रकार है-

प्रोबेशनरी इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक्स)- 200 पद

प्रोबेशनरी इंजीनियर (मैकेनिकल)-150 पद

कुल पद- 350

शैक्षणिक योग्यता

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास इलेक्ट्रॉनिक्स या मैकेनिकल सब्जेक्ट में बीई (B.E.), बीटेक (B.Tech.) या चार वर्षीय बीएससी इंजीनियरिंग (B.Sc. Engineering) की डिग्री होनी चाहिए।

आयु सीमा

अनारक्षित (General/UR) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 1 अक्टूबर 2026 तक 25 वर्ष होनी चाहिए। अन्य पात्र श्रेणियों को भर्ती के नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

कैसे होगा चयन?

उम्मीदवारों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में CBT के लिए 85 अंक और इंटरव्यू के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।

यहां मिल सकती है नौकरी

इस भर्ती के तहत चयनित उम्मीदवारों को बेंगलुरु, गाजियाबाद, पुणे, नागपुर, नवी मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई सहित देश में BEL की अलग-अलग यूनिटों और कार्यालयों में नियुक्त किया जा सकता है। ऐसे में उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वो आवेदन के अंतिम तारीख का इंतजार ना करें, बल्कि तय समय से पहले ही आवेदन कर लें।

ऐसे आवेदन करें

उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों का पालन करके ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

1. उम्मीदवार सबसे पहले BEL की आधिकारिक वेबसाइट bel-india.in पर जाएं।
2. यहां होम पेज पर भर्ती से संबंधित नोटिफिकेशन खोजें। इसका विज्ञापन संख्या 17556/HR/All-India/2026 है।
3. इसके बाद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करें।
4. आवेदन फॉर्म में मांगी गई जानकारी भरें और साथ ही जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।
5. अपनी श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क का भुगतान करें।
6. इसके बाद फॉर्म में भरी गई सभी जानकारियों को अच्छी तरीके से जांत कर लें। फिर सबमिट कर दें।
7. भविष्य में जरूरत के लिए आवेदन फॉर्म की कॉपी सुरक्षित रख लें।

NLC इंडिया लिमिटेड

1067 अप्रेंटिस

अंतिम तिथि - 9 नवंबर 2026

पदों का विवरण

फिटर - 125, टर्नर - 45, मैकेनिक (मोटर व्हीकल)- 110, इलेक्ट्रीशियन - 125, वायरमैन - 110, मैकेनिक (डीजल)- 5, स्टेनोग्राफर - 20, वेल्डर - 120

कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट - 30

रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग मैकेनिक- 10

शैक्षणिक योग्यता

आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में ग्रेजुएट (नॉन-इंजीनियरिंग) अप्रेंटिस के लिए नोटिफिकेशन में दो मासिक स्टाइपेंड राशियां दी गई हैं-

1. 14174 रुपये प्रतिमाह- कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर एप्लीकेशन, जियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्री और फार्मासिस्ट से संबंधित पदों के लिए।
2. 16678 रुपये प्रतिमाह- कॉमर्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और नर्सिंग से संबंधित पदों के लिए।

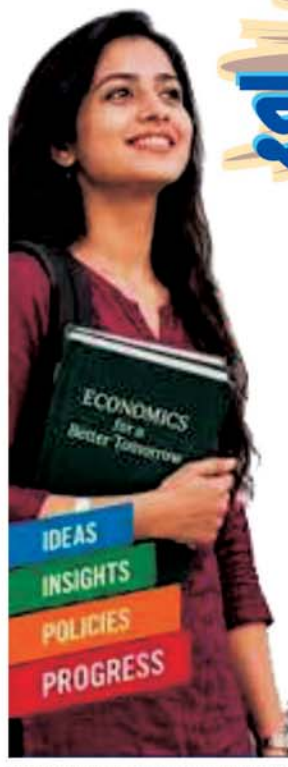
आवेदन कैसे करें?

आधिकारिक वेबसाइट nlcindia.in पर जाएं।

अर्थशास्त्र एक ऐसा विषय है जिसकी आम व्यवहार व जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों एवं अध्ययन के दूसरे विषयों में भी पैठ है। यह धन एवं व्यापार, उत्पादन एवं उपभोग, वितरण एवं विकास—यानी सभी की भाषा है। यहां तक कि कल्याण, व्यवहार, भाषा, उद्योग, संगीत और कला—सभी के अपने-अपने अर्थशास्त्र हैं। युद्ध और पॉवर (सत्ता) की भी अपनी-अपनी इकोनोमिक्स है।

हर सेक्टर में है इकॉनोमिक्स की डिमांड

इकॉनोमिक्स का फलक बहुत विशाल है। विश्व, देश, राज्य से लेकर परिवार के हर सदस्य के व्यवहार, भाषा, संगीत व कला के अपने-अपने अर्थशास्त्र हैं। जीवन की छोटी से बड़ी हर चीज में इकॉनोमिक्स है, इसीलिए आजकल प्लस टू के बाद बहुत से विद्यार्थी इकॉनोमिक्स की पढ़ाई की ओर रुख कर रहे हैं क्योंकि कोई ऐसा क्षेत्र नहीं



जहां इस विषय की खपत न हो।

अर्थशास्त्र एक ऐसा विषय है जिसकी आम व्यवहार व जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों एवं अध्ययन के दूसरे विषयों में भी पैठ है। यह धन एवं व्यापार, उत्पादन एवं उपभोग, वितरण एवं विकास—यानी सभी की भाषा है। यहां तक कि कल्याण, व्यवहार, भाषा, उद्योग, संगीत और कला-सभी के अपने-अपने अर्थशास्त्र हैं। युद्ध और पॉवर (सत्ता) की भी अपनी-अपनी इकोनोमिक्स है।

जहां भी विकल्प मौजूद है, वहां इकॉनोमिक्स कहीं न कहीं काम कर रही होती है।

विद्यार्थियों के लिए विकल्प

12वीं पास करने के बाद इकॉनोमिक्स में कई कोर्स उपलब्ध हैं। आप चाहे तीन वर्षीय स्नातक कोर्स करें अथवा सीधा पांच वर्षीय संयुक्त स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स।

बीए इकॉनोमिक्स - यह तीन साल का कोर्स है। इसमें अर्थशास्त्र के सिद्धांतों और नीतियों से छात्रों को अवगत करवाया जाता है। इसके बाद वित्तीय विश्लेषण, एकाउंटिंग जॉब व अध्यापन आदि किया जा सकता है। फिक्की व पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स की इकॉनोमिक्स स्नातकों के लिए वैकेंसी निकालता है। फाइनेंस के विद्यार्थियों के लिए आर्थिक मामले मंत्रालय में भी रिक्तियां तकरीबन हर साल निकलती हैं।

बीएससी इकॉनोमिक्स - यह कोर्स पूरा करने पर साइंस की डिग्री मिलती है। तीन साल की इस डिग्री के दौरान हर सेमेस्टर के बाद परीक्षा होती है। इसमें अर्थशास्त्र के क्षेत्र का प्रैक्टिकल अनुभव मिलता है। आर्थिक मुद्दों की समझ तथा उनको हल करने की दृष्टि भी बन जाती है।

इंटेग्रेटिड स्नातकोत्तर डिग्री -इकॉनोमिक्स में सीधे पांच वर्षीय स्नातकोत्तर करवाने वाले संस्थान कम ही हैं। आईआईटी मद्रास का ह्यूमेनिटीज व सोशल साइंस विभाग बारहवीं के बाद मेधावी छात्रों के लिए इकॉनोमिक्स, डिवेलपमेंट स्टडीज और अंग्रेजी तीन विषयों में इनोवेटिव प्रोग्राम ऑफर करता है। इस प्रोग्राम के आरंभ में विद्यार्थियों को सोशल साइंसेज का विस्तारपूर्वक अध्ययन करवाने के बाद उसे अपनी मर्जी से अपने विषय चुनने की आजादी रहती है। पहले दो साल तीनों विषयों की पढ़ाई होती है तथा तीसरे साल वह अपना प्रमुख विषय चुन उसी लाइन को पकड़ लेता है।

अतिरिक्त कोर्स

कई सालों से रेगुलर/मुख्य डिग्री के साथ कोई 'एडिशनल' कोर्स का चलन बढ़ा है। यह इकॉनोमिक्स जैसी मुख्यधारा की डिग्री करते वक्त साथ-साथ छमाही या वार्षिक डिप्लोमा-सर्टिफिकेट आदि उपलब्ध हैं। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में विद्यार्थी मुख्य विषय की पढ़ाई के साथ-साथ कोई भी एड-ऑन कोर्स चुन सकते हैं। डिग्री के साथ-साथ ही डिप्लोमा या एडवांस डिप्लोमा भी हो जाता है। यह विकल्प सभी तरह के संकायों के स्नातक कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। इकॉनोमिक्स की डिग्री करने के दौरान आपके लिए किस-किस तरह के कोर्स ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं जानिए-

इंश्योरेंस बिजनेस - इस कोर्स के दौरान अनिश्चित और रिस्क जैसी आर्थिक मुश्किलों से सुरक्षा, व्यक्तिगत जीवन बीमा, लाइफ इंश्योरेंस की प्रकृति व उपयोग, 'कोलेटरल', वित्तीय बिजनेस निरंतरता के मापक और इन्वेस्टमेंट के रूप में संपत्ति के रक्षक की भूमिका में बीमा का अध्ययन करवाया जाता है।

फॉरेन ट्रेड - इस कोर्स में विदेशी व्यापार के सिद्धांत व व्यवहार, व्यापार संतुलन तथा भुगतान संतुलन, व्यापार नीति के उद्देश्य, विकास में विदेशी व्यापार की भूमिका, व्यापार नीति के उपकरणों-टैरिफ, क्वांटिटेटिव विनिमय प्रतिबंधों, नियंत्रणों तथा विनिमय पर समन्वय आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थानों गैट, अंकटाड, आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक तथा ट्रेड ब्लाक व क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग आदि के बारे में बताया जाता है।

बैंक मैनेजमेंट - इस कोर्स में भारतीय बैंकिंग प्रणाली-व्यापारिक बैंकों, विकास बैंकों तथा वाणिज्यिक बैंकों की आधुनिक अर्थव्यवस्था में भूमिका जैसे टॉपिक शामिल होते हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक का रोल, मल्टीपल क्रेडिट क्रिएशन के स्रोत, प्रक्रिया, नियंत्रण तथा औजारों के अतिरिक्त लिक्विडिटी की बैंकिंग में भूमिका के बारे में जानकारी देते हैं।

ई-कॉमर्स व ई-बैंकिंग - इस सर्टिफिकेट कोर्स में इलैक्ट्रॉनिक कॉमर्स फ्रेमवर्क के बेसिक्स, टूल्स ऑफ ई-कॉमर्स, वेब बेस्ड बिजनेस की लैंड बेस्ड बिजनेस से तुलना, ई-कॉमर्स के विकास, डिजिटल सिग्नेचर व क्रिप्टोग्राफी पढ़ाए जाते हैं। ई-बैंकिंग कोर्स में भारत में ई-बैंकिंग, ई-डिलीवरी चैनल व कार्य जैसे एटीएम, क्रेडिट-डेबिट कार्ड, टेली बैंक व ई-फंड ट्रांसफर की जानकारी दी जाती है।

भविष्य यानी जॉब - इकॉनोमिक्स में स्नातक करने के बाद सरकारी व गैर-सरकारी दोनों तरह की नौकरियां मिल सकती हैं। इंडियन इकॉनोमिक सर्विस (आईईएस), रिजर्व बैंक, पीएसयू तथा सरकारी बैंकों में रिक्तियां हर साल विज्ञापित होती हैं। इसके अलावा यूपीएससी तथा सीडीएस के लिए भी अवसर हैं। एमएनसीज, प्रबंधक संस्थानों, शिक्षा के क्षेत्र तथा वित्तीय क्षेत्र में भी इकॉनोमिक्स के विद्यार्थियों के लिए नौकरियों की भरमार है।

IGNOU छात्रों के लिए दिसंबर परीक्षा के असाइनमेंट की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू



इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) ने दिसंबर 2026 की सत्रांत परीक्षा (TEE) के लिए पात्र विद्यार्थियों को ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन असाइनमेंट मैनेजमेंट सिस्टम (OAMS) शुरू किया है। ऑनलाइन माध्यम से असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। इस संबंध में पूर्णिया कॉलेज पूर्णिया स्थित इग्नू शिक्षार्थी सहायता केंद्र (0508) के सहायक समन्वयक डॉ. सूरज सिंह ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने असाइनमेंट जमा कर दें। इससे अंतिम समय में तकनीकी समस्याओं या अन्य परेशानियों से बचा जा सकेगा।

ODL और ऑनलाइन कार्यक्रमों के पात्र विद्यार्थी उठा सकेंगे सुविधा का लाभ

डॉ. सिंह ने बताया कि यह सुविधा इग्नू के मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ODL) तथा ऑनलाइन कार्यक्रमों में नामांकित पात्र विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। विद्यार्थी अपने IGNOU Samarth खाते में लॉगिन करके संबंधित पाठ्यक्रमों के असाइनमेंट ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस व्यवस्था से असाइनमेंट जमा करने की पुष्टि प्राप्त करने और मूल्यांकन की स्थिति जानने में भी मदद मिलेगी।

यूं जमा करें ऑनलाइन असाइनमेंट

ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले इग्नू के समर्थ पोर्टल पर जाना होगा। इसके बाद अपने लॉगिन आईडी और पासवर्ड की मदद से खाते में लॉगिन करना होगा। संबंधित विकल्प के माध्यम से पाठ्यक्रम का चयन कर विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार असाइनमेंट अपलोड करना होगा। इसके लिए IGNOU Samarth पोर्टल पर जाकर https://ignou.samarth.edu.in/inde&.php/site/login प्रक्रिया पूरी करें।

असाइनमेंट अपलोड करते समय इन बातों का रखें ध्यान

- असाइनमेंट के उत्तर हस्तलिखित होने चाहिए
- प्रत्येक पाठ्यक्रम के असाइनमेंट को स्कैन करके एक PDF फाइल में अपलोड करना होगा।
- प्रत्येक PDF फाइल का आकार 20 MB से अधिक नहीं होना चाहिए।
- असाइनमेंट के पहले पृष्ठ पर विद्यार्थी का नाम, नामांकन संख्या, अध्ययन केंद्र कोड और पाठ्यक्रम से संबंधित आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए।
- असाइनमेंट जमा करने से पहले संबंधित पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों की जांच कर लें।
- विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने अपने असाइनमेंट पहले ही संबंधित अध्ययन केंद्र या क्षेत्रीय केंद्र में जमा कर दिए हैं, उन्हें उसी असाइनमेंट की सॉफ्ट कॉपी दोबारा अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है।

डॉ. सुरज सिंह ने विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते असाइनमेंट जमा करने की प्रक्रिया पूरी कर लें। उन्होंने कहा कि असाइनमेंट जमा करना परीक्षा प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए सभी पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप और विश्वविद्यालय के नवीनतम दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समय सीमा के भीतर अपने असाइनमेंट जमा करने चाहिए।

IIT BHU में शुरू होगा Physical AI का BTech

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के क्षेत्र में नया अवसर मिलने जा रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) बीएचयू में एकेडमिक ईयर 2027-28 से फिजिकल एआई (Physical AI) में चार वर्षीय बीटेक कोर्स शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए संस्थान में स्कूल ऑफ फिजिकल एआई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। इस कोर्स में छात्रों को रोबोटिक्स, सेंसर तकनीक, मशीनों के नियंत्रण और एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल की पढ़ाई कराई जाएगी। इस क्षेत्र में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन, कृषि, हेल्थ सेवाओं और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में करियर के अवसर मिल सकते हैं।

2027-28 से शुरू होगा नया बीटेक कोर्स

IIT बीएचयू में फिजिकल एआई की पढ़ाई शुरू करने की दिशा में काम शुरू हो गया है। संस्थान की सीनेट ने 17 अक्टूबर को स्कूल ऑफ फिजिकल एआई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके संचालन और स्थापना की जिम्मेदारी संभालने के लिए निदेशक प्रो. अमित पात्रा की अगुवाई में आठ सदस्यीय समन्वय समिति बनाई गई है। इसके उपाध्यक्ष प्रो.राजेश कुमार होंगे।

शिक्षकों की टीम तैयार

इस नए स्कूल के लिए शिक्षकों की टीम भी तैयार की जा रही है। संस्थान के फैकल्टी मेंबर इस क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था विकसित करने के लिए पोलैंड, दक्षिण कोरिया सहित अन्य देशों के केंद्रों का दौरा कर रहे हैं।

क्या है Physical AI?

फिजिकल एआई, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ऐसा स्वरूप है, जिसमें कंप्यूटर बेस्ड तकनीक को वास्तविक दुनिया की मशीनों और डिवाइस से जोड़ा जाता है। इसमें रोबोट, सेंसर, कैमरे और मोटर जैसी तकनीकों की मदद से मशीनों को आसपास के एनवायरमेंट को समझने और उसके अनुसार काम करने योग्य बनाया जाता है। सामान्य एआई मुख्य रूप से डिजिटल जानकारी पर काम करता है, जबकि फिजिकल एआई का इस्तेमाल असल दुनिया में काम करने वाली मशीनों को स्मार्ट बनाने के लिए किया जाता है।



रोबोटिक्स और मशीन कंट्रोल पर जोर

चार वर्षीय बीटेक कोर्स का सिलेबस तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समितियां काम कर रही हैं। इसमें रोबोटिक्स, स्वायत्त प्रणालियों, सेंसर आधारित तकनीक, मशीनों के नियंत्रण और एआई के व्यावहारिक उपयोग को शामिल किया जाएगा। छात्रों को केवल प्रोग्रामिंग तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि मशीनों की डिजाइन, निर्माण, टेस्टिंग और वास्तविक समस्याओं को हल करने का एक्सपीरियंस भी दिया जाएगा।

करियर के अवसर

फिजिकल एआई की पढ़ाई के बाद छात्रों के लिए कई क्षेत्रों में काम करने की संभावनाएं बन सकती हैं। इनमें रोबोटिक्स इंजीनियरिंग, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, औद्योगिक ऑटोमेशन, कृषि तकनीक, स्वास्थ्य सेवाएं और स्पेस रिसर्च जैसे क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि, नौकरी के अवसर छात्रों के स्किल, एक्सपर्टीज और इंडस्ट्री की मांग पर निर्भर करेंगे।

IIT BHU का पांचवां स्कूल होगा

स्कूल ऑफ फिजिकल एआई, IIT बीएचयू में स्थापित होने वाला पांचवां स्कूल होगा। इससे पहले संस्थान में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, डिसीजन साइंस और मैटेरियल साइंस से जुड़े स्कूल स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, IIT खड़गपुर ने भी 26 अक्टूबर को बेंजामिन गुत्ता स्कूल ऑफ फिजिकल एआई स्थापित करने की घोषणा की है। इसके लिए 35 करोड़ रुपये की लागत निर्धारित की गई है।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 5 विषय अनिवार्य

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2028 में होने वाली कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए नए नियमों की जानकारी दी है। इसके तहत छात्रों को पांच अनिवार्य सब्जेक्ट्स की पढ़ाई करनी होगी। साथ ही, उन्हें एक अतिरिक्त स्किल सब्जेक्ट चुनने का विकल्प भी मिलेगा। इस विषय के नंबर मैथ, साइंस या सोशल साइंस में असफल होने की स्थिति में छात्रों के रिजल्ट सुधारने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, बोर्ड ने कक्षा 9वीं और 10वीं में तीन भाषाओं की पढ़ाई अनिवार्य करने का फैसला किया है। नई व्यवस्था एकेडमिक ईयर 2026-27 में 9वीं में पढ़ने वाले छात्रों पर लागू होगी।

पांच विषय अनिवार्य

CBSE ने 2028 की 10वीं बोर्ड परीक्षा के लिए सब्जेक्ट्स से जुड़ी योजना स्पष्ट कर दी है। इसके अनुसार, छात्रों को पांच अनिवार्य विषयों की पढ़ाई करनी होगी। इसके अलावा वो एक अतिरिक्त स्किल सब्जेक्ट का चुनाव कर सकेंगे। इस विषय का उद्देश्य छात्रों को किताबी पढ़ाई के साथ प्रैक्टिकल स्किल सीखने का मौका देना है। स्किल सब्जेक्ट के नंबर मैथ्स, साइंस या सोशल साइंस में असफल होने की स्थिति में छात्रों के रिजल्ट में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसका लाभ बोर्ड के निर्धारित नियमों के अनुसार ही मिलेगा।

वोकेशनल एजुकेशन की पढ़ाई जरूरी

CBSE की डायरेक्टर (एकेडमिक्स) प्रज्ञा एम. सिंह के मुताबिक, 2028 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स के लिए वोकेशनल एजुकेशन अनिवार्य रहेगा। इसके लिए छात्र स्किल डेवलपमेंट से जुड़ा विषय या बोर्ड के 22 स्किल सब्जेक्ट्स में से कोई एक चुन सकते हैं।

असेसमेंट के लिए दो विकल्प मिलेंगे

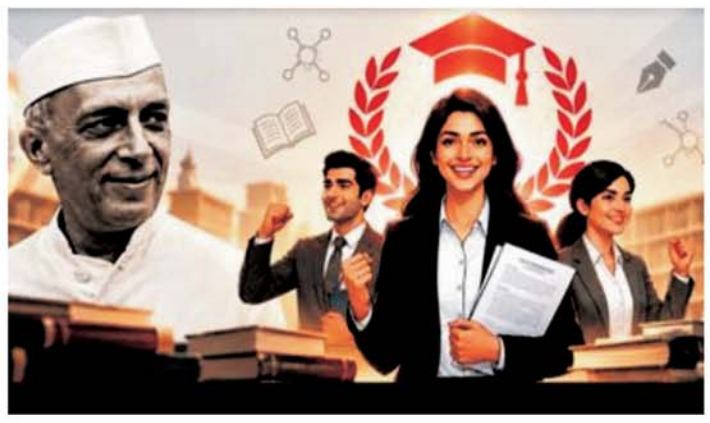
स्टूडेंट्स को असेसमेंट के लिए दो विकल्प मिलेंगे। वो स्कूल में इंटरनल असेसमेंट दे सकते हैं या बोर्ड परीक्षा में शामिल होकर राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्किल सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं।

अब तीन भाषाओं की पढ़ाई करनी होगी

CBSE ने कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत छात्रों को तीन भाषाओं की पढ़ाई करनी होगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी है। इस बदलाव से दोनों कक्षाओं के लगभग 50 लाख स्टूडेंट प्रभावित होंगे। हालांकि, मौजूदा 10वीं कक्षा के छात्रों को इस साल तीसरी भाषा की परीक्षा नहीं देनी होगी।



जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप से हर महीने मिलेंगे 1 लाख रुपये



रिटिंग, पत्रकारिता, रिसर्च और नए विषयों पर स्टडी करने में इंटरेस्ट रखने वाले लोगों के लिए जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप एक अच्छा मौका है। जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड की ओर से दी जाने वाली इस फेलोशिप के तहत चयनित कैंडिडेट्स को दो साल तक हर महीने 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलती है। इसके लिए साइंस, ह्यूमैनिटीज समेत अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले एक्सपर्ट्स अप्लाई कर सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवारों को अपने रिसर्च या क्रिएटिव प्रोजेक्ट का प्रस्ताव तैयार करके निर्धारित पते पर आवेदन भेजना होगा।

क्या है जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप?

जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप की शुरुआत वर्ष 1968 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की स्मृति में की गई थी। इसका उद्देश्य हायर एजुकेशन, स्वतंत्र विचारों और नई रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। इस फेलोशिप के माध्यम से प्रतिभाशाली लोगों को अपने चुने हुए विषय पर काम करने और समाज से जुड़े जरूरी मुद्दों की स्टडी करने का मौका मिलता है।

कितनी बार आवेदन का मौका?

उम्मीदवार भारत में अपनी पसंद की जगह से अपने प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं। फेलोशिप के लिए साल में दो बार आवेदन का अवसर मिलता है। आवेदन की समयसीमा के अनुसार, पहला चरण 31 मई और दूसरा चरण 11 नवंबर तक होता है।

कौन कर सकता है आवेदन?

इस फेलोशिप के लिए साइंस, ह्यूमैनिटीज और अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले लोग अप्लाई कर सकते हैं। इसमें राइटिंग, पत्रकार, कलाकार और सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं। उम्मीदवारों में अपने क्षेत्र में अच्छा काम करने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही उन्हें प्रस्तावित रिसर्च या क्रिएटिव प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होना जरूरी है।

हर महीने मिलेंगे 1 लाख रुपये

जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप के तहत चयनित उम्मीदवारों को दो साल तक हर महीने 1,00,000 रुपये दिए जाते हैं। फंड की वेबसाइट के अनुसार, इस राशि को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(17) के तहत आयकर से छूट प्राप्त है। इसके अतिरिक्त यात्रा, सचिवीय सहायता और अन्य जरूरी खर्चों के लिए सालाना अधिकतम 75,000 रुपये तक की सहायता भी मिल सकती है।

कैसे होगा सेलेक्शन?

उम्मीदवारों का चयन अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की समिति करती है। चयन के दौरान आवेदक की प्रतिभा, उसके पिछले काम की क्वालिटी और प्रस्तावित प्रोजेक्ट को पूरा करने की क्षमता का आकलन किया जाता है।

आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज

आवेदन के लिए कोई निर्धारित फॉर्म नहीं है। उम्मीदवारों को सादे कागज पर आवेदन तैयार करके ये डॉक्यूमेंट अटैच करने होंगे।

बायोडाटा- एजुकेशनल क्वालिफिकेशन और अब तक किए गए काम की जानकारी।

वर्क एक्सपीरियंस- संबंधित क्षेत्र में किए गए काम की डिटेल।

प्रोजेक्ट का सारांश-प्रस्तावित विषय पर अधिकतम 1,000 शब्दों में डबल स्पेसिंग के साथ टाइप की गई जानकारी।

पासपोर्ट साइज फोटो- हाल की फोटो की कॉपी।

कहां भेजें आवेदन?

इच्छुक उम्मीदवार जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड की आधिकारिक वेबसाइट jnmf.in पर जाकर आवेदन से जुड़े निर्देश पढ़ सकते हैं। सभी जरूरी दस्तावेज तैयार करने के बाद आवेदन डाक से इस पते पर भेजना होगा-

सचिव, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड, तीन मूर्ति हाउस, नई दिल्ली-110001।

समसामयिक प्रश्नोत्तरी

1. ओस्कर क्लेन मेडल 2026 पाने वाले पहले भारतीय भौतिक विज्ञानी कौन बने?
अ. डॉ. जयंत नारलिकर
ब. प्रोफेसर अशोक सेन
स. इगोर आर. क्लेबानो
द. प्रोफेसर दीपक धर

2. असम सरकार ने पहला 'भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका नेशनल अवॉर्ड' किसे देने की घोषणा की?
अ. उषा मंगेशकर
ब. आशा भोसले
स. अनुराधा पौडवाल
द. अलका याज्ञनिक

3. इसरो के किस संस्थान ने स्वदेशी रुबिडियम एटॉमिक क्लॉक विकसित किया, जिसे NVS-03 सैटेलाइट में लगाया गया?
अ. विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC)
ब. इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (ISTRAC)
स. विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC)
द. स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (SAC)

4. एशियाई पैरा गेम्स 2026 में पदक तालिका में भारत का स्थान बताइए?
अ. 1 ब. 2
स. 3 द. 4

5. एशियाई पैरा गेम्स 2026 के उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक कौन थे?
अ. मोना अग्रवाल और निषाद कुमार
ब. प्रमोद भगत और सिमरन शर्मा
स. कपिल परमार और सृष्टि अरोड़ा
द. इनमें से कोई नहीं

उत्तर

1- ब. प्रोफेसर अशोक सेन, 2- अ. उषा मंगेशकर, 3- द. स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (SAC), 4- द. 4 (भारत को 30 गोल्ड, 35 सिल्वर, 49 ब्रॉन्ज सहित कुल 114 पदक), 5- ब. प्रमोद भगत और सिमरन शर्मा

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

एकता हमारी शक्ति, तिरंगा हमारी शान
तिरंगा अगरबत्ती देश की खुशबू



शुभकामना संदेश

दीपावली के पुनीत पर्व पर हम अपने ईष्ट मित्रों तथा शुभचिंतकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

प्रकाश चन्द्र शर्मा
चेयरमैन, तिरंगा समूह





शुभकामना संदेश

दीपावली का पर्व किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं है बल्कि एक समाज में रहने बसने का शुभ संदेश देता है। इस मंगल मय दिन में हम सभी भाई चारे और अपनत्व से जीवन यापन कर सकें इन्हीं शुभ कामनाओं के साथ अपने सभी ईष्ट मित्रों, शुभचिंतकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं!

नरेन्द्र शर्मा प्रबन्ध निदेशक (तिरंगा)

शुभकामना संदेश

दीपावली के पुनीत पर्व प हम अपने ईष्ट मित्रों तथा शुभचिन्तकों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

आर.के. सिंह सूर्याफार्मा

श्री धन्वंतरि फार्मेसी (चन्दौसी) का पाचनसुधा

श्री धन्वंतरि फार्मेसी (चन्दौसी) के वैद्य श्री विश्वनाथ बाजपेई ने बताया कि पाचन सुधा गत 90 वर्षों से बन रही है जो कि पेट की समस्त बीमारियों जैसे कब्ज, गैस, एसीडिटी, बवासीर, पेट में दर्द –मरोड़, कोलाइटिस आदि रोगों में कारगर औषधि है। यह भाप विधि द्वारा बनायी जाती है। इसीलिए यह तुरन्त असर करती है देखा यह गया है कि पेट के जटिल रोग प्राय: कब्ज, गैस, एसीडिटी से ही शुरू होते हैं। ज्यादा समय तक बने रहने पर दूसरे रोग पैदा करते हैं। कब्ज, गैस या एसीडिटी प्राय: वात कफ और पित्त के असंयमित होने से ही पैदा हो जाते हैं। कब्ज, गैस, एसीडिटी शुरू होते ही अगर पाचन सुधा का सेवन शुरू कर दिया तो ये रोग कुछ ही दिनों में पूर्णतया समाप्त हो जाते हैं। हां एक बात यहां पर और बता दूं कि डायबिटीज रोग में पाचन सुधा (खट्टा) बहुत ही कारगर सिद्ध हो रहा है। यह लगातार लेने से आपकी ब्लड का केवल कम हो जाता है और संयमित खानपान से डायबिटीज सामान्य हो जाती है।

धन्वंतरि फार्मेसी





नरेन्द्र ओमर

दीप उत्सव के संग प्रभाकर कचौड़ी के संग



महेन्द्र ओमर

प्रभाकर मसाले के निर्माताओं की ओर से दीपावली की बहुत – बहुत शुभकामनाएँ। प्रभाकर हवन सामग्री के नाम से प्रदेश व अन्य कई राज्यों में हम विगत 71 वर्षों से विख्यात हैं। इसी क्रम में वर्ष 2001 से प्रभाकर ग्रुप ने मसालों की विशिष्ट रेंज प्रारम्भ की, जो 100 प्रतिशत शुद्ध घरेलू नुस्खों व स्वास्थ्य में लाभप्रद तथा सांस्थानिक ग्राहकों व गृहणियों के लिए बुनियादी स्वाद पर आधारित है। गुणवत्ता और नूतनता पर निरंतर ध्यान व आज की फास्ट–फूड लाइफ की आवश्यकता को देखते हुए प्रभाकर ब्राण्ड ने समय के साथ ग्राहकों व गृहणियों का भरोसा हासिल किया है। प्रभाकर कचौड़ी मसाला, अचारी आलू मसाला, दही बड़ा मिक्स मसाला, नूडल्स मसाला, दालमोठ मसाला, तंदूरी चिकेन मसाला, बटर चिकेन मसाला, बिरयानी पुलाव मसाला, काला नमक, व्रत के लिए शुद्ध सेंधा नमक, समोसा मसाला, कुटी मिर्चा, बुकनू, भरवाँ सब्जी मसाला, मिर्चा मसाला, अचार आम का मसाला, चाट मसाला, चटपटा नमक, पनीर मसाला, जलजीरा व शुद्ध व साफ खड़े मसाले जैसे– जीरा, मेथी, कलौंजी, राई, सौंफ, मेथी, सौंफ लखनवी, अजवाइन एवं शादी बरातों के आयोजनों में प्रयोग में वाले प्रोडक्ट, सोंठ पिसी, सौंफ पिसी, सफेद मिर्च पिसी काली मिर्च पिसी, जीरा पिसा, अनारदाना पिसा, कसूरी मेथी, किचन किंग, पापड़ व हींग के साथ 90 से अधिक प्रकार के उत्पादों की व्यापक श्रृंखला में उपलब्ध है। आज प्रभाकर के उपरोक्त उत्पाद घरेलू महिलाओं व अच्छे कारीगरों (हलवाई) के साथ किचन के अभिन्न अंग बन चुके हैं। भारतीय भोजन के लिए किसी भी पकवान में यह देखना महत्वपूर्ण होता है कि भोजन कैसा दिख रहा है व खुशबू का एहसास जिसका आभास होते ही भूख व दिलचस्पी अधिक हो जाती है। प्रभाकर (एगमार्क) गरम मसाला, सब्जी मसाला, मीट मसाला, सदियों से ऐसे सम्मिश्रण हैं, जो भोजन के स्वाद में एक्स्ट्रा स्पाइस व जायके का आनन्द प्रदान कराते हैं। प्रभाकर के इस चुनिंदा उत्पादों में जायफल, जावित्री, लौंग, जीरा, बड़ी इलायची, दाल चीनी, कबाब चीनी, तेजपत्ता व पोस्तादाना का नपा–तुला मिश्रण उचित मात्राओं में प्रयोग में किया जाता है। जिससे आप विशिष्ट स्वाद व खुशबू का आनन्द ले सकें। हम सभी पाठकों, डीलरों व शहर के सभी प्रबुद्धजनों के साथ अपने सभी विक्रेताओं को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। आप सभी के स्नेह व प्यार–दुलार से प्रभाकर ब्राण्ड सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में अपने को स्थापित करने में सफल हुआ है और शीघ्र हम अपने कुछ उत्पाद मिडिल ईस्ट में भेजने की तैयारी कर रहे है।



शुभकामना संदेश

दीपावली का पर्व केवल प्रकाश का पर्व नहीं है बल्कि हमारे तनमन के अन्धकार को दूर करके हमें सुशिक्षित, सुसंस्कार व सुहृदय बनानें के लिए प्रेरित करता है। इस पावन पर्व पर हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं इसी भावना के साथ अपने सभी ईष्ट मित्रों, शुभचिंतकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं।

कमल कटारीया
डायरेटर केयर डिटर्जेन्टस प्रा.लि.
कानपुर







